नई दिल्ली। शनिवार, 12 सितम्बर, 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 247/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल ब्रेक ने मेरी गेंदबाजी को प्रभावित किया...
@ विचार रूस-भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर...
@ व्यापार सेंसेक्स 121 अंक लुढ़का, निफ्टी 0.34 प्रतिशत गिरा...

विश्व केसरी खबर झरोखा

9/11 की बरसी पर अमेरिका में भावुक स्मरण

विस्तृत रिपोर्ट पेज 9 पर

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों की बरसी पर शुक्रवार को करीब 3,000 मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। न्यूयॉर्क के ग्राउंड जीरो पर परिजनों और नेताओं ने स्मरण समारोह में हिस्सा लिया।

समारोह की शुरुआत स्थानीय समयानुसार सुबह 8:46 बजे मौन के साथ हुई, जब अपहृत अमेरिकन एयरलाइंस फ्लाइट-11 ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के नॉर्थ टावर को टक्कर मारी थी। हमलों में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, पेंटागन और पेंसिल्वेनिया में भारी जनहानि हुई थी।

विजय माल्या कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं: ईडी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट में कहा है कि पूर्व शराब कारोबारी विजय माल्या अब भी भारत में कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं। ईडी के अनुसार, बैंकों द्वारा कर्ज की वसूली हो जाने से माल्या पर लगे कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप खत्म नहीं होते। ईडी ने 8 सितंबर को माल्या की 2020 में दायर याचिका के जवाब में हलफनामा दाखिल किया। माल्या ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को बंद करने की मांग की थी। माल्या का तर्क था कि बैंकों के साथ विवाद कर्ज की वसूली के बाद समाप्त हो चुका है।

बिहार में बाढ़ का कहर, 15 जिलों में 47.33 लाख से अधिक लोग प्रभावित

पटना। बिहार में बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी रही। गंगा और उसकी सहायक नदियों के खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण राज्य के 15 जिलों में 47.33 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। लगातार कटाव और तटबंधों में दरारों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। अधिकारियों के अनुसार, भागलपुर जिले के विभिन्न इलाकों में कम से कम चार तटबंध टूटने की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें से कुछ की मरम्मत कर दी गई है, जबकि शेष स्थानों पर बहाली का काम जारी है। गोपालपुर प्रखंड के ब्रह्मोत्तर बांध में आई दरार को रातभर की मशक्कत के बाद नियंत्रित कर लिया गया। जिला प्रशासन के मुताबिक, जल संसाधन विभाग की तकनीकी टीम और स्थानीय लोगों की मदद से स्थिति पर काबू पाया गया।

कैनबरा में भारत-ऑस्ट्रेलिया के सैन्य प्रमुखों की अहम मुलाकात

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर गए भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स एडमिरल मार्क हैमंड से मुलाकात की है। यहां दोनों देशों के बीच रक्षा और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में अहम बातचीत हुई।

दोनों प्रमुख सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत में भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी को और गहराई देने पर विचार हुआ। खास तौर पर समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप के अमल को आगे बढ़ाने वार्ता की गई। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान समुद्री क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल और संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता को और मजबूत करने के अवसरों पर भी चर्चा हुई।

तीर तेवर — सागर कुमार

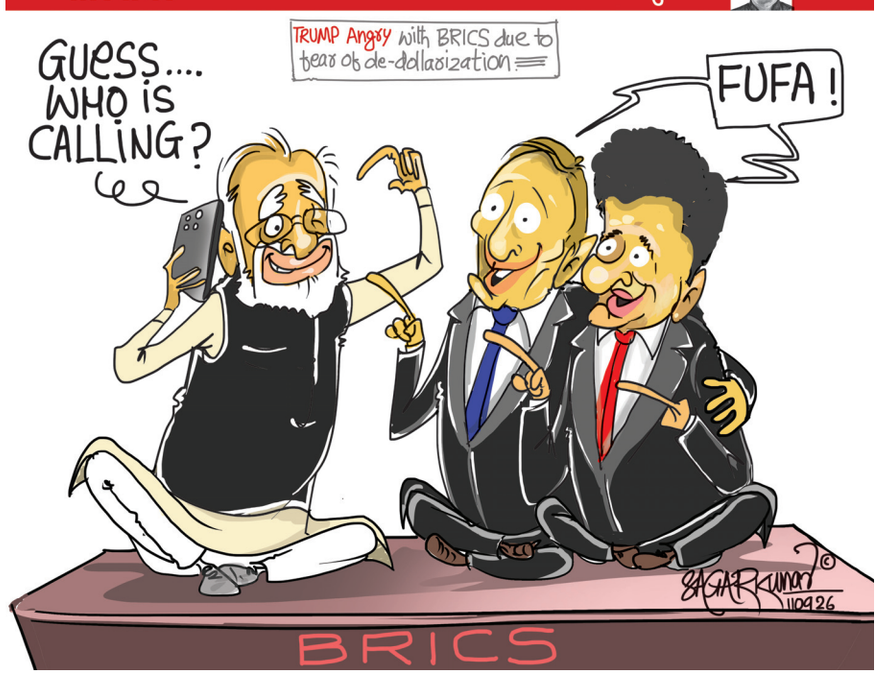

भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति

मोदी-पुतिन की मुलाकात में ऊर्जा, रक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले हुई द्विपक्षीय बैठक, पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों पर भी हुई चर्चा

विश्व केसरी/नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने देशों के बीच विशेष संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में ऊर्जा, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक भारत-रूस संबंधों की मजबूती के लिहाज से अहम मानी जा रही है। दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, व्यापार और वैश्विक राजनीतिक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

भारत इन दिनों अमेरिका, खाड़ी देशों, रूस, ईरान और इज़राइल के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की कूटनीतिक संतुलन नीति पर काम कर रहा है, वहीं यूक्रेन और ईरान युद्ध के चलते समुद्री मार्गों और व्यापार में आई रुकावटों का भी असर झेल रहा है।

ब्रिक्स से पहले अहम मुलाकात

यह दोनों नेताओं के बीच पिछले दो सप्ताह में दूसरी मुलाकात थी। यह बैठक नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले हुई, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन समेत कई अन्य नेता शामिल होने वाले हैं। ब्रिक्स समूह के सदस्य ईरान युद्ध को लेकर विभाजित हैं, ऐसे में यह बैठक और भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई मुलाकात।

मुलाकात के मुख्य बिंदु

ऊर्जा सहयोग
ऊर्जा सुरक्षा, तेल-गैस और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति।

रक्षा सहयोग
रक्षा उपकरणों, तकनीक और सैन्य सहयोग को और मजबूत करने पर जोर।

वैश्विक मुद्दे
पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों पर चर्चा, जिससे समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा प्रभावित हुई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर सबकी निगाह

- बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भी होंगे शामिल।
- ब्रिक्स समूह अपने वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश में है।
- हालांकि, सदस्य देशों के बीच ईरान युद्ध को लेकर मतभेद बने हुए हैं।

> "मोदी और पुतिन ने पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों पर विचार साझा किए, जिनका समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर असर पड़ा है।"
>
> — भारत के विदेश मंत्रालय का बयान

भारत की विदेश नीति में संतुलन

भारत की कोशिश है कि वह अमेरिका, खाड़ी देशों, रूस, ईरान और इज़राइल सभी के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता में अपनी भूमिका निभाए।

भारत-रूस: मजबूत दोस्ती, साझा भविष्य

बोलेरो और ट्रक में जोरदार भिड़ंत तीन बच्चों समेत आठ की मौत

रायपुर से महाराष्ट्र जा रहा था परिवार

विश्व केसरी■
संवाददाता ■ रायपुर

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार, 11 सितंबर की तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना सुबह करीब 4 बजे लखनी तालुका में मानेगांव और पिंपलगांव के बीच नेशनल हाईवे 53 पर हुई, जहां एक आइशर ट्रक और बोलेरो गाड़ी के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बोलेरो में सवार पांच वयस्कों और तीन बच्चों की मौके पर ही जान चली गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बोलेरो में सवार सभी लोग छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से रवाना हुए थे। वे नेशनल हाईवे 53 के रास्ते नागपुर की ओर जा रहे थे। यात्रा के दौरान मानेगांव और पिंपलगांव के बीच सामने से आ रहे आइशर ट्रक से बोलेरो की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार सभी आठों लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस दल मौके पर पहुंचा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी ने बोलेरो सवार पांच वयस्कों और तीन बच्चों की मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री साय ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के नागरिकों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव : दूसरे चरण में 147 निकायों में 70.01 प्रतिशत मतदान

एजेंसी ■ जयपुर

राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण में जमकर मतदान हुआ। राज्य निर्वाचन आयोग से जारी शाम 6 बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 147 निकायों में कुल 70.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। दूसरे चरण में प्रदेश के लाखों मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर शहर की सरकार चुनने के लिए वोट डाला। आयोग के मुताबिक, दूसरे चरण में कुल 87 लाख 63 हजार 595 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 61 लाख 35 हजार 153 मतदाताओं ने वोट डाला। कुल मतदान प्रतिशत 70.01 प्रतिशत रहा, जिसे काफी अच्छा माना जा रहा है।

इस चरण में सबसे ज्यादा मतदान धोरीमन्ना में हुआ, जहां 91.59 प्रतिशत लोगों ने वोट डाला। वहीं, सबसे कम मतदान कोटा नगर निगम में दर्ज किया गया, जहां केवल 57.02 प्रतिशत मतदान हुआ। शहरी क्षेत्रों में कम मतदान की प्रवृत्ति इस बार भी कोटा में देखने को मिली।

जिलेवार मतदान प्रतिशत पर नजर डालें तो अलवर में 85.22 प्रतिशत, बाड़मेर में 85.17 प्रतिशत, खैरथल-तिजारा में 88.32 प्रतिशत, फलोदी में 86.80 प्रतिशत और कोटपूतली-बहरोड़ में 86.04 प्रतिशत मतदान हुआ है, जो राज्य के औसत से काफी ज्यादा है।

इसी तरह अजमेर में 69.77 प्रतिशत, बालोतरा में 75.18 प्रतिशत, बांसवाड़ा में 71.36 प्रतिशत, बारां में 83.07 प्रतिशत, ब्यावर में 77.69 प्रतिशत, भरतपुर में 83.65 प्रतिशत, भीलवाड़ा में 83.88 प्रतिशत, बीकानेर में 75.09 प्रतिशत, बूंदी में 81.48 प्रतिशत, चित्तौड़गढ़ में 79.80 प्रतिशत, चूरू में 74.74 प्रतिशत, दौसा में 82.88 प्रतिशत, डीडवाना-कुचामन में 81.90 प्रतिशत, डीग में 83.04 प्रतिशत, धौलपुर में 82.06 प्रतिशत, डूंगरपुर में 71.98 प्रतिशत, श्रीगंगानगर में 75.10 प्रतिशत और हनुमानगढ़ में 80.01 प्रतिशत मतदान हुआ।

बिहार के कटिहार में बड़ा रेल हादसा टला टूटी हुई पटरी के ऊपर से गुजरी ट्रेन

एजेंसी ■ पटना

बिहार के कटिहार जिले के सेमापुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रैक के एक टूटे हुए हिस्से के ऊपर से गुजरी।

माना जाता है कि ट्रेन के लोको पायलट की सतर्कता ने सैकड़ों यात्रियों के साथ होने वाले एक संभावित गंभीर हादसे को टाल दिया। ट्रेन नंबर 15904, डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस, ईस्ट सेंट्रल रेलवे के सोनपुर डिवीजन के कटिहार-बरौनी सेक्शन पर सेमापुर स्टेशन के यार्ड एरिया में घुस रही थी, तभी सुबह करीब 9 बजे उसे पटरी में एक गंभीर दरार (रेल फ्रैक्चर) का सामना करना पड़ा।

इंजन और उसके ठीक पीछे वाला कोच खराब हिस्से के ऊपर से गुजर चुके थे, तभी लोको पायलट को ट्रेन के नीचे से जोरदार खड़खड़ाहट की आवाज सुनाई दी। संभावित खतरे को भांपते हुए पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए और ट्रेन को रोक दिया। इसके बाद लोको पायलट ने ट्रेन गार्ड और सेमापुर स्टेशन मास्टर को घटना की जानकारी दी। एक बड़ा हादसा टलने की मुख्य वजह उस समय ट्रेन की धीमी गति थी। डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस को सेमापुर में एक लूप या शंटिंग लाइन पर डायवर्ट किया जाना था, ताकि पीछे से आ रही राजधानी एक्सप्रेस उसे ओवरटेक कर सके। नतीजतन, स्टेशन में घुसते समय ट्रेन पहले से ही धीमी गति से चल रही थी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अगर ट्रेन अपनी सामान्य गति से चल रही होती तो टूटी हुई पटरी के कारण ट्रेन के पटरी से उतरने का बड़ा खतरा हो सकता था। खराब पटरी का पता चलते ही रेलवे अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई की। सीडब्ल्यूसीआई प्रेम प्रकाश, यूएसडी अमृत सागर और बिहपुर-सेमापुर आरपीएफ आउटपोस्ट के इंचार्ज मनोज कुमार सिंह, एक तकनीकी टीम और सुरक्षा कर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

होर्मुज के बाद अब दूसरे तेल रूट पर संकट अल मंदेब पर हूती विद्रोहियों का कब्जा

एजेंसी ■ सना (यमन)

होर्मुज स्ट्रेट के बाद अब एक और समुद्री ऑयल रूट बाब अल-मंदेब स्ट्रेट संकट में है। यमन के हूती विद्रोहियों ने यहां कब्जे का एलान किया है। बाब-अल-मंदेब एशिया और यूरोप के बीच जहाजों की आवाजाही के लिए अहम रास्ता है।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि सऊदी समर्थित सेनाओं ने बाब अल-मंदेब के बीच स्थित पेरिम द्वीप पर से कंट्रोल खो दिया है। अब उनका 5,400 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा हो गया है।

हूती प्रवक्ता ने कहा कि इस स्ट्रेट से सऊदी अरब को छोड़, बाकी सभी देशों के जहाजों के गुजरने की इजाजत है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि सऊदी अरब ने उनकी आर्थिक नाकेबंदी कर रखी है।

ईरान ने हूतियों की मदद की

रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान ने हूतियों को सैन्य सलाह और मदद दी थी। एक राजनयिक के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कई वरिष्ठ कमांडर यमन में मौजूद हैं।

अभियान शुरू होने से पहले ईरान और हूतियों के बीच कई बैठकें भी हुई थीं। हालांकि, मोखा पर हमला करने का फैसला हूतियों ने खुद लिया था। यमन के पांच सैन्य अधिकारियों ने भी कहा कि लाल सागर में हूतियों के नए अभियान में ईरान ने मदद की थी। यमनी सूत्रों का दावा है कि कुद्स फोर्स के कमांडर अब्दोलरेजा शहलाई हूतियों के अभियान को दिशा दे रहे थे। ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

ट्रम्प ने सऊदी की एयरस्ट्राइक की मांग ठुकराई

एक्सिऑन की रिपोर्ट के मुताबिक हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब को अमेरिकी मदद की उम्मीद थी। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से सीधे अमेरिकी हवाई हमले करने की अपील की थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने इनकार कर दिया। हालांकि अमेरिका क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। सीएनएन के मुताबिक, 100 से ज्यादा अमेरिकी सैन्य सलाहकार सऊदी अरब में मौजूद हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने इनकी संख्या करीब 200 बताई है। ये अमेरिकी सैन्यकर्मी सऊदी सेना को हूतियों से जुड़ी खुफिया जानकारी पता लगाने मदद कर रहे हैं। इस तरह अमेरिका सीधे सैन्य कार्रवाई से बच रहा है।

हूती और सऊदी के बीच दुश्मनी की वजह

धार्मिक फर्क ने तनाव बढ़ाया: हूती यमन के जायदी शिया समुदाय से आते हैं, जबकि सऊदी अरब सुन्नी बहुल देश है। दोनों की धार्मिक मान्यताओं में फर्क है। हालांकि, हूती-सऊदी संघर्ष को सिर्फ शिया बनाम सुन्नी की लड़ाई समझना सही नहीं होगा। विवाद की जड़ 1990 के दशक में पड़ी: यमन के उत्तरी हिस्से में जायदी समुदाय को लगने लगा था कि सरकार उनके राजनीतिक और धार्मिक हितों की अनदेखी कर रही है। इसी असंतोष से हूती आंदोलन मजबूत हुआ। 2004 में यमनी सरकार और हूतियों के बीच पहली बड़ी सशस्त्र लड़ाई हुई।

2014 में सत्ता की लड़ाई तेज हो गई : हूतियों ने यमन की राजधानी सना पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति अब्द-रब्बू मंसूर हादी की सरकार को चुनौती दी। सऊदी अरब को डर था कि हूतियों के मजबूत होने से ईरान का प्रभाव उसकी दक्षिणी सीमा तक पहुंच जाएगा।

मध्य प्रदेश में 25 सितंबर को शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा: सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि 25 सितंबर को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा की शुरुआत होने वाली है, जो प्रदेशवासियों के लिए महत्वपूर्ण सौगात होगी। सीएम मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित दो दिवसीय 'यात्री परिवहन विजन समिट 2026' का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश में हाईस्पीड ट्रेन, लॉजिस्टिक कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर समेत हाईवे का जाल बिछ रहा है, जिससे देश की तस्वीर बदल रही है। इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ होगा। इसी कड़ी में 25 तारीख को यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य प्रदेश में सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ किया जाएगा। आमजन के लिए सार्वजनिक परिवहन का विशेष महत्व है। बस सेवा से प्रदेश के लोगों को बेहतर और आसान आवागमन की सुविधा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बस सेवा के विस्तार से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। लंबे समय से बंद पड़ी राज्य परिवहन बस सेवा को नई संजीवनी मिली है। उन्होंने आगे कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान शुरू होगा। सेवा संकल्प अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति भारत है। दुश्मन को उसके घर में घुसकर मुंहतोड़ जवाब देने का साहस भारतीय सेना में है। देश की धरती से माओवादियों को समाप्त करने का काम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने किया है। नक्सलियों ने जन-अदालत के नाम पर निर्दोष लोगों की जघन्य हत्या की और पुलिस-प्रशासन केवल देखता रहता था। लाल सलाम को अंतिम सलाम मोदी सरकार ने किया है।

देश में सड़कों के बिछते जाल की चर्चा करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में 74 हजार किलोमीटर के राजमार्ग सबसे तेज गति से बने हैं तो वहीं सबसे तेज गति से दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर विकसित हुआ है। देश के बीच में मध्य प्रदेश होने से कम समय में दिल्ली और मुंबई पहुंचा जा रहा है। लोक परिवहन की आवश्यकता समय के साथ सार्वजनिक सेवाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में मौजूद 15 हजार से ज्यादा बसें तथा 5 लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क लोगों के सुगम परिवहन की दिशा में महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि देश में सुशासन और विकास का वातावरण बना है। भोपाल और इंदौर में मेट्रो का संचालन हो रहा है और प्रदेश के एयरपोर्ट विश्वस्तरीय बन रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में ई-व्हीकल्स का संचालन शुरू हो रहा है। मध्य प्रदेश में बने इलेक्ट्रिक व्हीकल इंजन देश और दुनिया में सप्लाई हो रहे हैं।

मायावती का सपा-कांग्रेस पर तीखा हमला, बोलीं- नीला रंग अपनाने से नहीं बदलेगी जातिवादी सोच

विश्व केसरी■

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उनके नीले रंग अपनाने को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नीले कपड़े, गमछे और मंचों पर नीले रंग का इस्तेमाल करने भर से इन दलों की वर्षों पुरानी जातिवादी, संकीर्ण, सामंती और पूंजीवादी सोच नहीं बदल सकती। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के वास्तविक हित और कल्याण की बात करने से पहले इन दलों को अपना दिल और दिमाग पाक-साफ करना चाहिए।

मायावती ने सपा के पीडीए और कांग्रेस की राजनीति पर भी निशाना साधा। उन्होंने बसपा से निष्कासित नेताओं के दूसरी पार्टियों में जाने और अलग संगठन बनाने को लेकर भी विपक्षी दलों को घेरा। साथ ही अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास के मामले पर भी उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए और कहा कि सही समय आने पर पार्टी के लोगों को और भी बहुत कुछ बताया जाएगा।

बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के माध्यम से लिखा कि सपा, कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा बी.एस.पी. का शुरु से ही चला आ रहा नीला रंग अब यह इनके गले का गमछा व कपड़े पहनने से तथा स्टेज आदि में भी नीला कपडा इस्तेमाल करने से इनकी सर्वसमाज में से ख़ासकर ग़रीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े व अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही इनकी जातिवादी, संकीर्ण, सामन्तवादी एवं पूँजीवादी सोच नहीं बदल सकती है तथा ना ही ये लोग दिल से अम्बेडकरवादी होने एवं कहलाने वाले हैं। इसीलिये 'बहुजन समाज' के वास्तविक हित व कल्याण के प्रति पहले वे अपना दिल व दिमाग़ तो पाक-साफ करें।

उन्होंने आगे लिखा कि वैसे भी ये लोग इन वर्गों के मामले में आए दिन गिरगिट की तरह ही रंग बदलते रहते हैं अर्थात् ये कहते कुछ हैं और करते उसके ठीक विपरीत हैं। खासकर इनके सपा के पीडीए के मामले में तो इनकी सोच, चाल, चरित्र व चेहरा आदि हमेशा दोगला व बईमान ही रहा है, जिसके अनेकों उदाहरण हैं, ये सभी जानते हैं। इसलिए इन वर्गों की एकमात्र हितैषी व अम्बेडकरवादी पार्टी केवल बी.एस.पी. ही है, जो सर्वविदित है।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की 18 मोटरसाइकिल बरामद

विश्व केसरी■

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाने की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की 18 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अलावा एक आरोपी के पास से अवैध चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रेकी कर मोटरसाइकिलों को चोरी करते थे और बाद में उन्हें सुनसान स्थानों पर छिपाकर सस्ते दामों में राह चलते लोगों को बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक, 11 सितंबर को थाना दादरी पुलिस को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर वाहन चोर गिरोह के संबंध में जानकारी मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम कोट के सर्विस रोड पर स्थित श्मशान घाट के पास घेराबंदी की। यहां से पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सरायकेला में नक्सलियों के ठिकाने से हथियारों का जखीरा, 317 कारतूस और आईईडी बरामद

विश्व केसरी■

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। जिला पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने कुचाई और चांडिल थाना क्षेत्रों के जंगलों में तलाशी अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में हथियार, 317 जिंदा कारतूस और एक आईईडी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार किए गए दो माओवादियों से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रघु सिंह सरदार उर्फ सागर सिंह सरदार बिरेन सिंह और मीना पहाड़िया उर्फ नेपू पहाड़िया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रघु सिंह सरदार भाकपा माओवादी की रीजनल कमेटी और पश्चिम बंगाल-झारखंड-ओडिशा सीमा कमेटी का सक्रिय सदस्य रहा है। वहीं, करीब 26 वर्षीय मीना पहाड़िया संगठन में सब-जोनल कमांडर के रूप में सक्रिय रही है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल के बलरामपुर थाने में कई मामले दर्ज हैं।

आईडीएफसी बैंक मामला : सीबीआई ने आईएफएस अधिकारी और उसकी पत्नी के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

विश्व केसरी■

चंडीगढ़। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को एक इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) अधिकारी, जो चंडीगढ़ की ग्रीन एनर्जी सोसाइटी क्रेस्ट के तत्कालीन सीईओ थे, उनकी पत्नी और उस कंपनी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की, जिसमें वह डायरेक्टर के तौर पर काम करती थीं।

यह मामला आईडीएफसी फर्स्ट बैंक अकाउंट्स से 75 करोड़ रुपए की सरकारी राशि के गबन से जुड़ा है। इसको लेकर सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) ??के तत्कालीन प्रमुख और फॉरेस्ट सर्विस ऑफिसर नवनीत श्रीवास्तव (जो पहले से ही ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं), विपम कंसल्टेंसी और उसके डायरेक्टर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

सीबीआई ने कहा कि आरोपियों पर बीएनएस के तहत आपराधिक साजिश, सबूत मिटाने, धोखाधड़ी, विश्वासघात, जालसाजी और नकली दस्तावेजों को असली बताकर इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए हैं। इसके साथ ही उन पर 'प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 2018' के तहत रिश्वतखोरी, आपराधिक कदाचार और अपराध में मदद के आरोप भी हैं।

बयान में कहा गया है कि सीबीआई की जांच से पता चला है कि क्रेस्ट के सीईओ के तौर पर काम करते हुए श्रीवास्तव ने दूसरे आरोपियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची, राशि का गलत इस्तेमाल किया और एक सरकारी कर्मचारी के तौर पर आपराधिक कदाचार करते हुए गैर-कानूनी तरीके से पैसे लिए।

उनकी पत्नी, जो विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड की डायरेक्टर हैं और कंपनी को भी अपराध में मदद करने और आपराधिक साजिश का हिस्सा होने के लिए चार्जशीट किया गया है।

सीबीआई ने बताया कि इस कंपनी को धोखाधड़ी से हासिल रकम में से 95 लाख रुपए मिले और उसने इस पैसे का इस्तेमाल अचल संपत्ति खरीदने में किया। सीबीआई ने कहा कि क्रेस्ट मामले में कुल धोखाधड़ी 75.4 करोड़ रुपए की है।

बिहार के भागलपुर में दो जगह तटबंध टूटे, कोसी के बढ़ते जलस्तर से बढ़ी चिंता

विश्व केसरी■

पटना। बिहार के भागलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। कोसी नदी के तेज दबाव और भारी बारिश के बीच दो अलग-अलग जगहों पर तटबंध टूट गई है।

नौगछिया के रंगरा चौक ब्लॉक के बनिया गांव में पुरानी रेलवे लाइन के तटबंध का करीब 15 मीटर हिस्सा कोसी के बाढ़ के पानी के दबाव में ढह गया। टूटे हुए हिस्से से पानी तेजी से आसपास के इलाकों की ओर बह रहा है, जिससे साधोपुर, मसुदनपुर, बैसी, भवानीपुर और बनिया के लोगों में डर बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन और लोग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, क्योंकि बाढ़ का पानी आसपास के इलाकों पर दबाव डाल रहा है। दूसरी घटना नौगछिया के गोपालपुर में हुई, जहां ब्रह्मोत्तर तटबंध में लगभग 10 मीटर का कटाव हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, गुरुवार देर रात आंधी और बारिश के बाद यह हिस्सा टूट गया।

प्रशासन और स्थानीय लोगों ने मिलकर स्थिति को काबू में करने और आगे नुकसान रोकने के लिए काम तेज कर दिया है। इस तटबंध को लेकर चिंता पहले से ही थी, क्योंकि चार दिन पहले यहां रिसाव देखा गया था। 10 मीटर हिस्से के ढहने के बाद अब डर है कि बड़ा कटाव होने पर गोपालपुर की बड़ी आबादी प्रभावित हो सकती है।

लगातार बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में परिवारों को अपना घर छोड़कर राहत शिविरों में जाना पड़ा है।

कुछ आरोपियों को क्यों बचाया जा रहा है, एसएनडीपी मामले में हाईकोर्ट ने केरल सरकार को लगाई फटकार

विश्व केसरी■

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एसएनडीपी माइक्रोफाइनेंस धोखाधड़ी मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में हुई देरी को लेकर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने सवाल किया कि क्या बार-बार हो रही ये चूक जानबूझकर की जा रही हैं और इनका मकसद मुकदमा चलाने में देरी करना है।

पिछड़ा वर्ग विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव के व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने और यह कहने के बाद कि उन्हें मामले की फाइलें केवल गुरुवार को मिली थीं, जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने गहरी नाराजगी जताई।

कोर्ट ने पिछले महीने ही निर्देश दिया था कि मुकदमा चलाने की मंजूरी के सवाल पर विचार किया जाए, हालांकि विजिलेंस के विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि बातचीत में कमी (कम्युनिकेशन गैप) के कारण फाइलें अतिरिक्त मुख्य सचिव के सामने केवल गुरुवार देर शाम ही रखी जा सकीं। कोर्ट को बताया गया कि फाइलें अब संबंधित अधिकारी को भेज दी गई हैं और एक हफ्ते के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस बदरुद्दीन ने स्पष्ट किया कि सरकार अब देरी के कारण के तौर पर फाइलें न मिलने का हवाला दोबारा नहीं दे सकती। उन्होंने निर्देश दिया कि 18 सितंबर को मामले की सुनवाई से पहले इस पर कोई फैसला लिया जाए।

पुलिस ने तेलंगाना विधानसभा का घेराव करने की बीआरएस छात्र विंग की कोशिश नाकाम की

विश्व केसरी■

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के छात्र विंग की विधानसभा का घेराव करने की कोशिश को नाकाम कर दिया। वे फीस रिइम्बर्समेंट फंड जारी करने और पॉलिटेक्निक कॉलेजों को 'यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी' में मिलाने वाले सरकारी आदेश को रद्द करने की मांग कर रहे थे।

बीआरएसवी के कार्यकर्ताओं और छात्रों ने बीआरएसवी के राज्य अध्यक्ष गेल्लू श्रीनिवास यादव की अगुवाई में एलबी स्टेडियम से विधानसभा तक मार्च करने की कोशिश की। वे मांग कर रहे थे कि सरकार फीस रिइंबर्समेंट (फीस वापसी) का बकाया जारी करे और सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों को स्किल्स यूनिवर्सिटी में मिलाने वाले सरकारी आदेश 97 को रद्द करे।

हाथों में प्लेकार्ड और बैनर लिए प्रदर्शनकारी अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगा रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका, जिन्होंने विधानसभा भवन की ओर आगे बढ़कर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई।

पुलिसकर्मियों ने गेल्लू श्रीनिवास यादव समेत प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें उठाकर पुलिस की गाड़ियों में बैठाया, जिसके बाद उन्हें अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में उल्लुओं का आतंक, 5-6 लोगों पर कर चुके हमला

विश्व केसरी■

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में इन दिनों उल्लुओं के एक जोड़े ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सोसाइटी में रहने वाले लोगों का आरोप है कि उल्लुओं का यह जोड़ा लगातार लोगों पर हमला कर रहा है। अब तक करीब पांच से छह सोसाइटी निवासी इनके हमले का शिकार हो चुके हैं। अचानक ऊपर से झपट्टा मारने के कारण लोग दहशत में हैं और रात के समय अकेले आने-जाने से बच रहे हैं।

मामले की शिकायत वन विभाग के अधिकारियों से की गई है। रेजिडेंट्स ने जिला वन अधिकारी (डीएफओ) से भी मामले में हस्तक्षेप कर उल्लुओं को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कराने की गुहार लगाई है। निवासियों के मुताबिक, सोसाइटी परिसर में पिछले कुछ समय से उल्लुओं का एक जोड़ा लगातार दिखाई दे रहा है। दोनों उल्लू अक्सर सोसाइटी की सड़कों, पेड़ों और स्ट्रीट लाइट के आसपास बैठे नजर आते हैं। रात के समय जब लोग पैदल गुजरते हैं तो इनमें से एक या दोनों अचानक उनकी ओर झपट्टा मार देते हैं।

हमले में कुछ लोगों को सिर और शरीर पर खरोंच आने की शिकायत है। घटना के बाद सोसाइटी के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। निवासियों ने बताया कि उल्लुओं के हमले का कोई निश्चित समय नहीं है। कई बार लोग सामान्य रूप से सड़क या परिसर के खुले हिस्से से गुजर रहे होते हैं, तभी ऊपर से उल्लू तेजी से नीचे आता है और व्यक्ति को निशाना बनाने की कोशिश करता है। लगातार हो रही घटनाओं के कारण खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और देर रात ड्यूटी से लौटने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सोसाइटी के लोगों ने बताया कि उल्लुओं का यह जोड़ा कई स्थानों पर लगातार नजर आ रहा है। तस्वीरों में भी दोनों उल्लू सोसाइटी की स्ट्रीट लाइट के आसपास बैठे दिखाई दे रहे हैं। निवासियों का कहना है कि उन्हें पक्षियों को नुकसान पहुंचाने या मारने की कोई इच्छा नहीं है, बल्कि वन विभाग से इन्हें सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर प्राकृतिक वातावरण में छोड़ने की मांग की गई है।

रेजिडेंट्स ने वन विभाग से जल्द टीम भेजकर स्थिति का जायजा लेने और उल्लुओं को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसी व्यक्ति, विशेषकर बच्चे या बुजुर्ग को गंभीर चोट लग सकती है।

ममता बनर्जी की श्रीरामपुर मीटिंग से जुड़ा मामला, हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच को केस भेजा वापस

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में तृणमूल कांग्रेस की प्रस्तावित जनसभा को लेकर अनिश्चितता शुक्रवार को भी बनी रही। इस सभा में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुख्य वक्ता थीं। कलकत्ता हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने मामले को जल्द फैसले के लिए जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल-जज बेंच के पास वापस भेज दिया।

यह मीटिंग पहले शुक्रवार के लिए तय की गई थी। गुरुवार को जस्टिस भट्टाचार्य की बेंच ने कार्यक्रम के लिए सशर्त मंजूरी तो दी थी, लेकिन मीटिंग के बाद रैली करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

हालांकि, राज्य सरकार के चीफ जस्टिस रवींद्र विट्ठलराव घुगे और जस्टिस तापब्रत चक्रवर्ती वाली डिवीजन बेंच के पास जाने और सिंगल-जज बेंच के आदेश के एक खास हिस्से पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद, यह कार्यक्रम योजना के अनुसार आगे नहीं बढ़ सका।

राज्य सरकार ने तर्क दिया कि मामले में पुलिस प्रशासन की भूमिका बहुत कम थी क्योंकि तृणमूल कांग्रेस द्वारा कार्यक्रम के लिए चुने गए मैदान के मालिक ने इसे राजनीतिक कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई थी। सरकार ने यह भी कहा कि निजी संपत्ति का इस्तेमाल आम तौर पर धार्मिक कार्यक्रमों के लिए किया जाता है, इसलिए प्रशासन मालिक की आपत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

शुक्रवार को मामले की सुनवाई के बाद, डिवीजन बेंच ने केस को वापस सिंगल-जज बेंच के पास भेज दिया और जल्द से जल्द मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया। बेंच ने कहा कि राजनीतिक सभा के लिए जगह के इस्तेमाल पर जमीन मालिक की आपत्तियां सुनने के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाना चाहिए।

डिवीजन बेंच ने जस्टिस भट्टाचार्य से अनुरोध किया कि वे 18 सितंबर को समीक्षा याचिका पर सुनवाई करें और 25 सितंबर तक आदेश जारी करें।

विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद से ममता बनर्जी ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां मुख्य रूप से कोलकाता तक ही सीमित रखी हैं। श्रीरामपुर कार्यक्रम के चुनाव के बाद राज्य की राजधानी से बाहर किसी जिले में उनका पहला बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम होने की उम्मीद थी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35331.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026 रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35331

वार्ड का नाम - 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR235D00364 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SURENDRA SINGH BENIPAL** पिता / पति श्री / श्रीमती **LT. KARAMJEET SINGH BENIPAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती रीता साहू पिता / पति श्री श्रीमती श्री दीनदयाल साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35332.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026 रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35332

वार्ड का नाम - 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR**235C00285 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAM PARKASH AGARWAL** पिता / पति श्री श्रीमती **BABULALAGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री निशांत कुमार श्रीवास्तव पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. श्री निर्भय कुमार श्रीवास्तव ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दक्षिण कोरिया चाहता है कि युद्धकालीन सैन्य कमान अमेरिका से वापस मिले, रक्षा मंत्री पद के उम्मीदवार का बड़ा बयान

विश्व केसरी■

सियोल। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री पद के उम्मीदवार कांग शिन-चुल ने शुक्रवार को कहा कि सियोल अमेरिका से युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल बिना किसी अतिरिक्त शर्त के वापस लेना चाहता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच बातचीत 'नो एडेड कंडीशंस' यानी बिना किसी नई शर्त के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है।

संसदीय पुष्टि सुनवाई से पहले सांसद यू योंग-वोन को दिए लिखित जवाब में कांग ने कहा कि रक्षा मंत्रालय इसी सिद्धांत के आधार पर अमेरिका के साथ द्विपक्षीय परामर्श कर रहा है। कांग दक्षिण कोरिया-अमेरिका संयुक्त बल कमान (सीएफसी) के पूर्व उप कमांडर रह चुके हैं। दक्षिण कोरिया की ली जे-म्युंग सरकार 2030 में अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले, या संभव हो तो अगले साल ही, युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल अपने हाथ में लेना चाहती है। दक्षिण कोरिया ने 1994 में शांतिकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल वापस हासिल कर लिया था, लेकिन युद्धकालीन कमान अब भी अमेरिका के पास है। 2007 में दोनों देशों ने अप्रैल 2012 तक ओपीसीओएन हस्तांतरण पर सहमति बनाई थी, लेकिन उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के कारण यह प्रक्रिया कई बार टल गई। अक्टूबर 2014 में दोनों देशों ने 'कंडीशंस-बेस्ड' ट्रांजिशन योजना अपनाई, जिसके तहत दक्षिण कोरिया को भविष्य की संयुक्त कमान का नेतृत्व करने, उत्तर कोरिया के खतरे से निपटने की क्षमता विकसित करने और अनुकूल क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल सुनिश्चित करने जैसी शर्तें पूरी करनी थीं।

हालांकि, ओपीसीओएन हस्तांतरण की समयसीमा को लेकर सियोल और वॉशिंगटन के बीच मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी सेना के कोरिया कमांडर जनरल जेवियर ब्रुनसन ने कहा है कि राजनीतिक जल्दबाजी सैन्य तैयारी पर हावी नहीं होनी चाहिए।

कांग ने इन मतभेदों को ज्यादा बड़ा मानने से इनकार करते हुए कहा कि दोनों पक्ष उच्चस्तरीय चैनलों के जरिए लगातार करीबी बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियुक्ति के बाद वह इस साल होने वाली प्रमुख द्विपक्षीय रक्षा बैठक से पहले संयुक्त बल कमान की फुल ऑपरेशनल कैपेबिलिटी प्रमाणन प्रक्रिया पूरी कराने की दिशा में काम करेंगे। उत्तर कोरिया को लेकर कांग ने स्पष्ट कहा कि दक्षिण कोरिया का दुश्मन उत्तर कोरियाई शासन और उसकी सेना है। उन्होंने कहा कि जो भी दक्षिण कोरिया की सुरक्षा, नागरिकों और संपत्ति के लिए खतरा पैदा करेगा, उसे दुश्मन माना जाएगा।

कांग ने यह भी कहा कि तत्काल ओपीसीओएन हस्तांतरण की स्थिति में भी दक्षिण कोरिया अपनी रक्षा करने में सक्षम है, लेकिन इसके लिए दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन में पारस्परिक विश्वास बनाए रखना जरूरी होगा।

'बिग ब्रिक्स सहयोग' से ग्लोबल साउथ को नए अवसर

विश्व केसरी■

बीजिंग। 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 से 13 सितंबर तक भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष ब्रिक्स सहयोग तंत्र की 20वीं वर्षगांठ भी है। पिछले दो दशकों में ब्रिक्स ने अपनी सदस्यता का लगातार विस्तार किया है और सहयोग के क्षेत्रों को भी व्यापक बनाया है। इससे ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग और विकास के नए अवसर खुले हैं।

ब्रिक्स सहयोग की शुरुआत 2006 में हुई थी, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे। इसके बाद 2011 में दक्षिण अफ्रीका आधिकारिक तौर पर समूह में शामिल हुआ। अगस्त 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 15वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां ब्रिक्स की सदस्यता बढ़ाने का फैसला लिया गया। इसके बाद 1 जनवरी 2024 को सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और इथियोपिया ब्रिक्स के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद 2025 में इंडोनेशिया भी ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बन गया। वहीं, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, युगांडा और नाइजीरिया ब्रिक्स के भागीदार देश बन गए। विस्तार के बाद ब्रिक्स देशों में दुनिया की लगभग आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया के कुल आर्थिक उत्पादन में करीब 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में करीब पांचवां हिस्सा रखते हैं।

इसी विस्तार के बाद 2024 में आयोजित पहले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने एक महत्वपूर्ण भाषण दिया। उन्होंने 'बिग ब्रिक्स सहयोग' के उच्च-गुणवत्तापूर्ण विकास को बढ़ावा देने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने जोर दिया कि ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ में एकता और सहयोग को बढ़ावा देने वाला प्रमुख माध्यम और वैश्विक शासन में सुधार को आगे बढ़ाने वाली अग्रणी शक्ति बनना चाहिए।

आईआरजीसी का दावा: होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश द्वार पर अमेरिकी समुद्री ड्रोन को बनाया निशाना

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट में एक अमेरिकी चालक-रहित सतही वाहन (यूएसवी) को निशाना बनाया।

आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक समाचार मंच सेपाह न्यूज पर जारी बयान में कहा कि 'सेलड्रोन एक्सप्लोरर' प्रकार का यह यूएसवी एक 'आक्रामक मिशन' पर था और उसे जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार पर निशाना बनाया गया।

आईआरजीसी के मुताबिक, सेलड्रोन एक्सप्लोरर यूएसवी का इस्तेमाल पहले इस क्षेत्र में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट और टास्क फोर्स 59 की ओर से किया जाता था, जिनका मुख्यालय बहरीन में है। संगठन ने कहा कि बहरीन में स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डा पहले ईरानी हमलों का निशाना बन चुका है। आईआरजीसी के अनुसार, अब इन यूएसवी का इस्तेमाल ओमान के खासाब में तैनात एक यूनिट द्वारा किया जा रहा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, आईआरजीसी ने एक बार फिर दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट उसके नियंत्रण में है और चेतावनी दी कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में किसी भी शत्रुतापूर्ण उपस्थिति को निशाना बनाया जाएगा।

मंगलवार को आईआरजीसी नौसेना ने कहा था कि उसकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश द्वार पर अमेरिकी सेना की सबसे आधुनिक और उन्नत चालक-रहित पनडुब्बियों में से एक को पकड़ लिया है। इस पनडुब्बी की पहचान 'डाइव-एलडी' के रूप में की गई।

बाद में अमेरिकी सेना ने कहा कि क्षेत्रीय समुद्री सर्वेक्षण के दौरान उसका एक पानी के भीतर चलने वाला ड्रोन तकनीकी खराबी का शिकार हो गया था। हालांकि अमेरिका ने यह नहीं बताया कि वह उपकरण ईरान के कब्जे में गया या नहीं। इससे पहले, बुधवार को आईआरजीसी ने कहा था कि ईरान जल्द ही क्षेत्रीय समुद्री इलाकों में एक 'प्रतिबंधित क्षेत्र' घोषित करेगा।

नेपाल बाढ़ पीड़ितों के लिए उत्तरी वर्जीनिया में हुई प्रार्थना सभा, त्रासदी में जान गंवाने वालों को दी गई श्रद्धांजलि

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। नेपाल में आई भीषण बाढ़ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए उत्तरी वर्जीनिया में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर लोगों श्रद्धांजलि दी। लोगों ने इस आपदा में अपने लापता प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे परिवारों के साथ एकजुटता दिखाई। साउथ राइडिंग टाउन ग्रीन में आयोजित इस सर्वधर्म प्रार्थना सभा में दोस्त, पड़ोसी, जनप्रतिनिधि, पुलिस अधिकारी और विभिन्न धर्मों के नेता शामिल हुए।

इस दौरान भारतीय मूल के अमेरिकी लॉमेकर सुहास सुब्रमण्यम ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि लापता लोगों में से कई वर्जीनिया के रहने वाले हैं। इनमें कुछ लोग लाउडाउन काउंटी से थे, जहां यह प्रार्थना सभा आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि वे इनमें से कई लोगों को व्यक्तिगत रूप से जानते थे।

सुहास सुब्रमण्यम ने आईएएनएस को बताया, 'मैं उन्हें उस समय से जानता हूं जब मैं कुछ भी नहीं था, कांग्रेस का सदस्य बनना तो बहुत दूर की बात थी। ऐसी घटना होना बेहद दुखद है। यह आयोजन परिवारों और दोस्तों को अपने दुख साझा करने का एक अवसर देने के लिए किया गया था। साथ ही इससे पूरे समुदाय को यह संदेश देने का मौका मिला कि जो लोग अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं, वे अकेले नहीं हैं।

सुब्रमण्यम ने कहा, 'उन्हें अभी तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। उन्हें नहीं पता कि वास्तव में क्या हो रहा है और उन्हें लगातार अपडेट भी नहीं मिल रहे हैं।'

उन्होंने बताया कि उनका कार्यालय अमेरिकी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। मैंने खुद कई बार विदेश मंत्रालय (स्टेट डिपार्टमेंट) के अधिकारियों से बात की है। हमारी टीम लगभग हर दिन उनसे संपर्क में रहती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी रक्षा विभाग ने बचाव अभियान में मदद के लिए उपकरणों से भरा एक सैन्य विमान भेजा है। रक्षा विभाग ने भी खोज और बचाव अभियान के लिए जरूरी उपकरणों के साथ एक सैन्य विमान वहां भेजा है।

सुब्रमण्यम ने बताया कि बरामद किए गए शवों की पहचान में मदद के लिए अधिकारियों की ओर से परिजनों के डीएनए नमूने जुटाने का काम किया जा रहा है।

लाउडाउन काउंटी के शेरिफ भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे और उन्होंने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा समुदाय एक परिवार की तरह साथ खड़ा है।

हाई कोर्ट से टीएमसी को राहत, अभिषेक बनर्जी को ऑफिस खाली करने के आदेश पर रोक

विश्व केसरी■

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल अग्निशमन सेवा विभाग के उस नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित ऑफिस को तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया था।

राज्य अग्निशमन सेवा विभाग ने 4 सितंबर को इस आधार पर ऑफिस खाली करने का नोटिस जारी किया था कि कैमक स्ट्रीट की उस बिल्डिंग की 7वीं और 8वीं मंजिल पर स्थित ऑफिस फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं कर रहा था। नोटिस में फायर सेफ्टी सिस्टम में छह तरह की कमियों का हवाला देते हुए 48 घंटे के भीतर लिखित जवाब मांगा गया था।

तृणमूल कांग्रेस ने बाद में ऑफिस खाली करने के नोटिस को चुनौती देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया।

यह मामला कलकत्ता हाई कोर्ट में जस्टिस कृष्णा राव की सिंगल बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया। सुनवाई के आखिर में जस्टिस राव की बेंच ने ऑफिस खाली करने के नोटिस पर 16 सितंबर तक अंतरिम रोक लगा दी। उस दिन बेंच इस मामले में फैसला सुनाएगी।

तृणमूल कांग्रेस के वकील और पश्चिम बंगाल के पूर्व एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने कहा कि ऑफिस खाली करने का नोटिस बदले की भावना से प्रेरित था, क्योंकि फायर सेफ्टी नियमों के मामले में बिल्डिंग की सिर्फ सातवीं और आठवीं मंजिल को ही असुरक्षित घोषित किया गया था, जहां अभिषेक बनर्जी का ऑफिस है। अपने जवाबी तर्क में पश्चिम बंगाल के मौजूदा एडवोकेट जनरल सुरजीत नाथ मित्रा ने कहा कि बिल्डिंग की सातवीं और आठवीं मंजिल पर, जहां पार्टी का ऑफिस था, फायर अलार्म काम नहीं कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि बिल्डिंग की अन्य मंजिलों की तुलना में इन दो मंजिलों पर फायर स्प्रिंकलर की संख्या बहुत कम थी।

बिल्डिंग की मालकिन रमा देवी गोयनका के वकील ने कोर्ट को बताया कि सातवीं और आठवीं मंजिल पर रहने वालों ने बिल्डिंग की मालकिन से पहले से मंजूरी लिए बिना वहां एक कैफेटेरिया बना लिया था। सुनवाई के अंत में जस्टिस राव की बेंच ने ऑफिस खाली करने के नोटिस पर 16 सितंबर तक अंतरिम रोक लगा दी, जब इस मामले में फैसला सुनाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बैंक कर्मचारियों का प्रदर्शन 5 दिन वर्किंग और पीएलआई में समानता की मांग

विश्व केसरी■

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बैंक कर्मचारियों ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर शुक्रवार को प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि वे काम के घंटे बढ़ाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते उन्हें शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश दिया जाए।

प्रदर्शन कर रहे एक बैंक कर्मचारी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'हम हफ्ते में पांच दिन काम करने की मांग कर रहे हैं और हम अपने काम के घंटे बढ़ाने के लिए भी तैयार हैं। इन दो अतिरिक्त दिनों के काम के घंटों को हमारे रोजाना के सुबह और शाम के काम के घंटों में जोड़कर एडजस्ट किया जा सकता है, ताकि ग्राहकों को मिलने वाली सेवाएं बिना किसी रुकावट के जारी रहें। सरकार को इस पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।'

कर्मचारी ने बताया कि बैंकिंग सेक्टर में मैनपावर की भारी कमी है। एक-एक काउंटर पर तीन-तीन काउंटर का काम संभाला जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे भी घर में परिवार है, बीवी-बच्चे हैं, मां-बाप हैं। कभी उनको लेकर बाहर जाना हो, हमें भी दूसरे काम होते हैं। यदि हमको ये शनिवार-रविवार ऑफ मिल जाए तो कम से कम हम अपने जो दूसरे कार्य हैं उनको भी कर सकते हैं। बैंक कर्मचारियों ने इसके साथ ही परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) में भेदभाव का भी आरोप लगाया। कर्मचारियों के अनुसार, समझौते में अधिकतम 15 दिन के इंसेंटिव की बात तय हुई थी लेकिन अब सीनियर अधिकारियों को 365 दिन तक का इंसेंटिव दिया जा रहा है, जबकि ग्राउंड लेवल पर काम कर रहे क्लर्क स्टाफ को सिर्फ 10 से 15 दिन का इंसेंटिव मिल रहा है। एक कर्मचारी ने कहा, 'यह 'डिवाइड एंड रूल' वाली पॉलिसी है। इसमें तय हुआ था कि 15 दिन तक का अधिकतम इंसेंटिव दिया जाएगा, जिसकी परफॉर्मेंस ज्यादा अच्छी रहेगी। हालांकि हुआ क्या है, कुछ सीनियर ऑफिसर और हमारे बीच में एक गैप पैदा किया गया है। हमको तो 15 दिन या 10 दिन का दिया जा रहा है और जो सीनियर ऑफिसर हैं।

आंध्र प्रदेश में एआई की मदद से होगी शिकायतों का त्वरित निपटारा, 23 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज

विश्व केसरी■

अमरावती। आंध्र प्रदेश में हाल ही में शुरू किए गए एआई-बेस्ड पब्लिक ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम (पीजीआरएस) से शिकायतों को दर्ज करने, उनकी निगरानी करने और उनके समाधान की प्रक्रिया ज्यादा कुशल और नागरिकों के अनुकूल हो गई है।

यह बात आईटी और आरटीजीएस विभाग के सचिव भास्कर कटमनेनी ने कही। रियल टाइम गवर्नेंस सोसाइटी (आरटीजीएस) के सचिव ने एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एआई-बेस्ड पीजीआरएस जिलों और मंडलों में शिकायतों की स्थिति का पूरा विश्लेषण करेगा, जिसमें उन इलाकों की पहचान करना भी शामिल है जहां बड़ी संख्या में शिकायतें अनसुलझी पड़ी हैं। इससे जिला कलेक्टरों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और शिकायतों के समाधान में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

यह सिस्टम नागरिकों को एआई-बेस्ड पीजीआरएस चैटबॉट के जरिए सीधे अपने मोबाइल फोन से शिकायतें दर्ज करने और आसानी से अपने आवेदनों की स्थिति जानने की सुविधा भी देता है। अब तक चैटबॉट के जरिए 23,100 शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एआई-बेस्ड सिस्टम शिकायतों के समाधान के बाद नागरिकों से फीडबैक लेने की प्रक्रिया को भी ऑटोमेटेड (स्वचालित) बना देगा, जिससे प्रशासन को शिकायतों के समाधान की प्रभावशीलता और गुणवत्ता का आकलन करने में मदद मिलेगी। चार जिले रोल मॉडल के तौर पर उभरे हैं। भास्कर कटमनेनी ने पीजीआरएस शिकायतों के समाधान में नेल्लोर, नंद्याल, कृष्णा और श्रीसत्य साई जिलों द्वारा अपनाए जा रहे नए और बेहतर तरीकों पर प्रकाश डाला।

इस बीच, सचिवालय में आयोजित 8वें जिला कलेक्टर सम्मेलन के दूसरे दिन, भास्कर कटमनेनी ने डेटा-आधारित गवर्नेंस पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि जिलों में हर अधिकारी आरटीजीएस के अवेयर ऐप और वेबसाइट का इस्तेमाल करे।

अधिकारी ने बताया कि राज्य में मौसम की स्थिति, बीमारियों की तीव्रता और अन्य गतिविधियों से जुड़ी सभी रियल-टाइम जानकारी अवेयर के जरिए उपलब्ध कराई जा रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जिलों में इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अभी सीमित स्तर पर ही हो रहा है।

कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री और अन्य के खिलाफ ईडी की कार्रवाई, बेंगलुरु समेत 21 ठिकानों पर छापेमारी

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलुरु जोनल ऑफिस ने बुधवार और गुरुवार को कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली और उनके करीबी सहयोगियों से जुड़ी 21 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। ये तलाशी बेंगलुरु, बेलगावी, गोकक और कोलकाता में 4 जगहों पर की गई।

ईडी की ओर से यह कार्रवाई फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के तहत जारकीहोली परिवार के कथित तौर पर घोषित न किए गए विदेशी निवेश, सीमा-पार व्यापारिक संबंधों और संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं की जांच और पुष्टि करने के लिए की गई थी। तलाशी अभियान में चिक्कोडी की सांसद और सतीश जारकीहोली की बेटी प्रियंका जारकीहोली, बेटे राहुल जारकीहोली और जीजा वाईडी मंजूनाथ शामिल थे। इसके अलावा, सतीश जारकीहोली के कई करीबी सहयोगियों की संपत्तियों की भी तलाशी ली गई, जिनमें उनके ओएसजी और पर्सनल असिस्टेंट मालागौडा पाटिल, राजू दरगशेट्टी, विट्ठल परसनवर और डॉ. गिरीश सोनवलकर शामिल हैं।

इनके अलावा, ईडी की ओर से एक प्राइवेट कंपनी भारत वाणिज्य ईस्टर्न प्राइवेट लिमिटेड (बीवीईपीएल) के अधिकारियों के खिलाफ भी तलाशी ली गई। इन पर आरोप था कि कंपनी ने पीडब्ल्यूडी विभाग से टेंडर पाने के बदले भारी रिश्वत दी थी, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर विदेशी संपत्ति हासिल करने के लिए किया गया था। इस तलाशी के दौरान बीवीईपीएल के मालिकों के ऑफिस और घरों की भी जांच की गई। जांच में पता चला कि जारकीहोली के रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों, जिसमें उनकी बेटी प्रियंका जारकीहोली, बेटे राहुल जारकीहोली और बहन महादेवी मंजूनाथ, जो कि जोवाईडी मंजूनाथ की पत्नी भी हैं, ने कई विदेशी कंपनियों में हिस्सेदारी हासिल की है, जैसे एल्डोराडो माइनिंग रिसोर्सेज, कांगो और नवा ऑरम माइनिंग लिमिटेड, जाम्बिया आदि।

जांच में यह भी पता चला कि सतीश जारकीहोली ने मैग्नीट्यूड स्टार एसएआरएल, कांगो में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है, जो सोने की माइनिंग का काम करती है। जांच में अफ्रीका में खनन संपत्तियों के मालिक के खिलाफ कई दूसरी विदेशी कंपनियों के दस्तावेज भी मिले और जब्त किए गए।

संपादकीय

जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान

संजीव ठाकुर

जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान। जन्मभूमि और स्त्रियों की प्रतिष्ठा भारत में सर्वोपरि। भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को 'माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलत: माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अत: महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था ।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अत: स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

रूस-भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

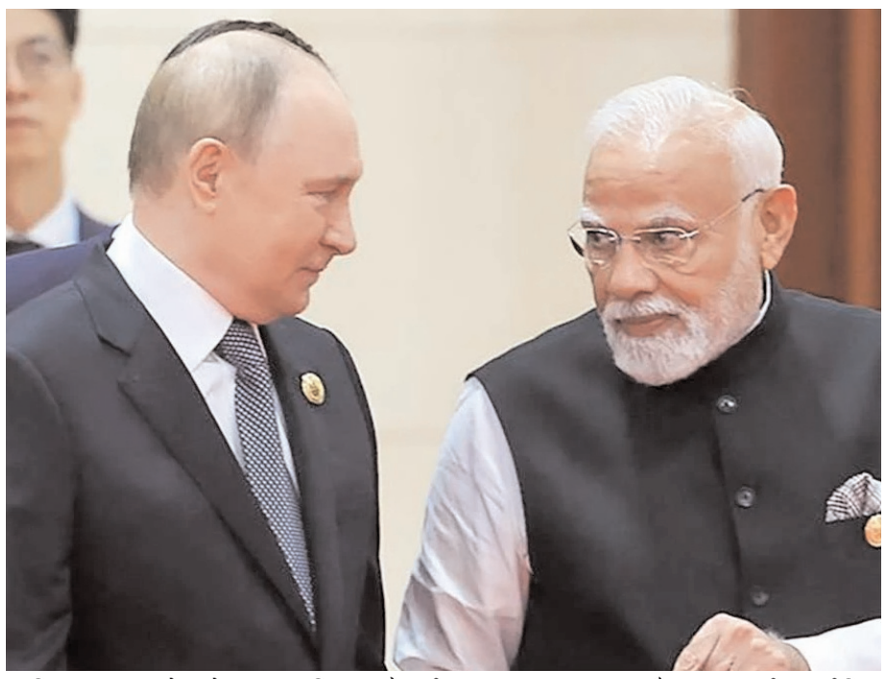

यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता।

ब्रिक्स 2026 समिट पूर्व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आगामी दौरे से काफी उम्मीदें हैं, और इस पर तेज़ी से काम चल रहा है। भारत अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत 18वें ब्रिक्स समिट की मेज़बानी कर रहा है। यह समिट 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होना तय है। राष्ट्रपति पुतिन के मुख्य समिट से एक दिन पहले, 11 सितंबर को नई दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। उनके दौरे में हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक खास द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता।

रक्षा और परमाणु ऊजा: क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि की: 'भारत को एडवांस्ड सू-57 फाइटर जेट्स की बिक्री एजेंडा में सबसे ऊपर होगी '। पेस्कोव ने मंगलवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं के समिट से पहले भारतीय पत्रकारों के साथ एक वर्चुअल बातचीत में यह बात कही। अमका में देरी के बाद भारतीय वायु सेना दो स्क्वाड्रन पर विचार कर रहा है। चर्चा में भारत को 5वीं पीढ़ी के सू-57 फाइटर एयरक्राफ्ट के अलावा एस-500 सिस्टम की संभावित बिक्री भी शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, रूस नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर भारत के साथ बातचीत का इंतज़ार कर रहा है।

इसे भी पढ़ें: हालिया टकराव के बाद ड्रुह्ड्रुठ और खाड़ी देशों का ब्रिक्ष्ठ्रुट्स में होगा आमना-सामना, अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया

व्यापार और वित्तीय सहयोग: दोनों देशों के पश्चिमी प्रतिबंधों के असर को कम करने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर ज़ोर देने की उम्मीद है। रूसी अधिकारियों ने बताया है कि ब्रिक्स देशों के साथ उनके 90 प्रतिशत तक लेन-देन अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, जो वित्तीय मज़बूती की दिशा में एक कदम है। द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य .100 बिलियन है। रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) की खोज में सहयोग भी एजेंडा में शामिल है। भारत को सेमीकंडक्टर के लिए इनकी ज़रूरत है। रूस के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि भारत के पास वैश्विक भंडार का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा है। रूस रेयर अर्थ खनिजों की खोज में भारत की मदद कर सकता है।

टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग: पेमेंट की दिक्कतों के कारण भारत-रूस व्यापार 65 बिलियन पर अटका हुआ है, क्योंकि रूस को डॉलर इम्पोर्ट करने की इजाज़त नहीं है। रूस और ब्रिक्स के बीच अब लगभग 90% लेन-देन नेशनल करेंसी में हो रहा है, और रुपये के सरप्लस (अतिरिक्त) का मुद्दा धीरे-धीरे सुलझाया जा रहा है। रुपये का वह ढेर - रूस के पास भारतीय बैंकों में लगभग 8 बिलियन अतिरिक्त रुपये पड़े हैं जिनका वह इस्तेमाल नहीं कर सकता - मुख्य मुद्दों में से एक होगा। समिट से पहले, भारतीय इंडस्ट्रियल एजेंसियां मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में गहरे संबंधों के लिए माहौल तैयार कर रही हैं। समिट के दौरान, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर रिसर्च में सरकार और रिसर्च के स्तर पर करीबी सहयोग को बढ़ावा देने की उम्मीद कर रहा है।

भू-राजनीतिक नज़रिए से, यह दौरा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। नई दिल्ली रूस पर अपनी पारंपरिक रक्षा और ऊर्जा निर्भरता को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ सहयोग को गहरा कर रही है और व्यापक क्षेत्रीय स्थितियों को भी संभाल रही है। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देंगे - भारत को फिर से एक संभावित मध्यस्थ के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में योगदान देने की भारत की इच्छा का सार्वजनिक रूप से स्वागत किया है, जिससे राजनयिक बातचीत में एक सकारात्मक माहौल बना है।

ट्रंप प्रशासन ने भारत को रूसी तेल खरीदने (50% टैरिफ की धमकी) के बारे में चेतावनी दी है, लेकिन भारत की ऊर्जा ज़रूरतें ज़्यादा अहम हैं। अमेरिका इस समिट पर बारीकी से नज़र रखेगा क्योंकि इसमें डी-डॉलराइज़ेशन पर चर्चा हो सकती है - पेस्कोव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं: 'रूस डी-डॉलराइज़ेशन नहीं चाहता; अमेरिका ने खुद डॉलर को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है ।

भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, 'मज़बूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण' के तहत, समिट 11-सदस्यीय समूह में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाना, क्लाइमेट एक्शन और प्रस्तावित ग्लोबल रिसर्च एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क जैसी मल्टीलेटरल पहल शामिल हैं, जो सदस्य देशों के बीच हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग संसाधनों को साझा करेंगी।

राष्ट्रपति पुतिन का आगामी दौरा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य रक्षा, ऊर्जा और उभरती टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में भारत-रूस साझेदारी को मज़बूत करना है, और यह सब मज़बूत और विस्तारित होते ब्रिक्स गठबंधन के व्यापक ढांचे के भीतर हो रहा है। यह सिर्फ ब्रिक्स का एक औपचारिक दौरा नहीं है; यह ब्रिक्स के भीतर एक छोटा भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन है। 11 तारीख को ही बड़ी घोषणाओं की उम्मीद की जा सकती है।

BRICS यानी ईंट... लेकिन ये कैसी ईंट है?

राकेश अचल

ब्रिक्स का अंग्रेजी उच्चारण भले ही ब्रिक्स हो, जिसका अर्थ ईंट भी होता है, लेकिन भारत में इन दिनों जिस ब्रिक्स की चर्चा है, वह दुनिया की बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का ऐसा मंच है, जो किसी देश की आर्थिक ईंटों को मजबूत भी कर सकता है और कमजोर भी।

और इस बार सवाल सिर्फ ब्रिक्स का नहीं है।सवाल यह भी है कि ब्रिक्स के नाम पर दिल्ली को कितने दिनों तक पंगु बनाकर रखा जाएगा और बदले में भारत के हाथ क्या आएगा?

18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहा है। भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। इस विस्तारित समूह में अब ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हैं। यानी मंच छोटा नहीं है।लेकिन बड़ा सवाल है—भारत को इससे मिलेगा क्या?

पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सम्मेलन से ठीक पहले यही सवाल उठा दिया है। उनका कहना है कि पिछले दो-तीन ब्रिक्स सम्मेलनों से उन्हें भारत के लिए कोई खास ठोस या प्रत्यक्ष फायदा दिखाई नहीं दिया। उन्होंने ब्रिक्स के साथ-साथ एससीओ, जी-20 और क्वाड को लेकर भी पूछा कि आखिर इन मंचों से भारत को क्या ठोस लाभ मिल रहा है। भाजपा ने जवाब दिया है कि कूटनीति को केवल तत्काल हिसाब-किताब से नहीं देखा जा सकता और ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की मौजूदगी अपने आप में महत्वपूर्ण है।तो फिर असली परीक्षा किसकी है?भारत की विदेश नीति की... या ब्रिक्स की?

भारत इस सम्मेलन में डिजिटल भुगतान और केंद्रीय बैंकों की डिजिटल मुद्राओं यानी(CBDC) को आपस में जोड़ने की दिशा में पहल आगे बढ़ाना चाहता है। मकसद ब्रिक्स देशों के बीच सीमा-पार भुगतान को आसान और तेज करना है। लेकिन इसमें तकनीकी और राजनीतिक अड़चनें भी कम नहीं हैं। यानी इस बार केवल फोटो खिंचवाने और नेताओं के हाथ मिलाने से बात नहीं बनेगी।भारत को देखना होगा कि क्या ब्रिक्स से व्यापार बढ़ता है?क्या भारतीय कंपनियों को नए बाजार मिलते हैं?क्या भुगतान व्यवस्था आसान होती है?

क्या डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में कोई व्यावहारिक कदम निकलता है?और क्या ग्लोबल साउथ की आवाज को सचमुच ज्यादा ताकत मिलती है?

क्योंकि सम्मेलन खत्म होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही होगा

दिल्ली में दुनिया जुटी थी... लेकिन भारत के खाते में क्या जमा हुआ?अब दूसरी चिंता दिल्ली की है। ब्रिक्स के कारण राजधानी में 11 से 13 सितंबर तक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। 35 से ज्यादा सड़कों पर असर पड़ने और 22 डायवर्जन प्वाइंट बनाए जाने की जानकारी सामने आई है। विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के कारण एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन जाने वालों को भी अतिरिक्त समय रखने की सलाह दी गई है।

मैं मानता हूँ कि सुरक्षा जरूरी है।विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो सकता।लेकिन सवाल यह है कि व्यवस्था ऐसी क्यों न हो कि मेहमान भी सुरक्षित रहें और दिल्लीवाले भी परेशान न हों?क्योंकि अभी कुछ महीने पहले ही दिल्ली में हुए ए आई इंपेक्ट समिट की यादें बहुत पुरानी नहीं हुई हैं। आपको याद होगा कि उद्घाटन के पहले दिन करीब 80 हजार लोग पहुंच गए थे. लंबी कतारें लगीं, प्रवेश को लेकर भ्रम रहा, कुछ लोगों ने पानी और भोजन तक नहीं मिलने की शिकायत की।और फिर आया चोरी का मामला।

एक स्टार्टअप के एआई उपकरण प्रदर्शनी स्थल से गायब हो गए। पुलिस ने एफ आई आर दर्ज की और बाद में दो संविदाकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कथित तौर पर उन उपकरणों को पेन ड्राइव समझ लिया था।एक यूनिवर्सिटी ने तो चीनी रोबोट को ही अपना बता कर प्रदर्शित कर दिया था.

बोध कथा

बोध कथा : ईमानदारी का फल

एक गांव में रामू नाम का एक गरीब किसान रहता था। वह बहुत मेहनती और ईमानदार था। एक दिन खेत से घर लौटते समय उसे रास्ते में एक थैला मिला। थैले में बहुत सारे रुपये और कुछ जरूरी कागज थे। रामू चाहता तो उन पैसों से अपनी गरीबी दूर कर सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

वह थैला लेकर गांव के मुखिया के पास गया। मुखिया ने कागजों की मदद से थैले के मालिक को खोज निकाला। मालिक एक व्यापारी था। अपना थैला वापस पाकर वह बहुत खुश हुआ और उसने रामू को इनाम देना चाहा।

रामू ने कहा, 'मैंने वही किया जो हर ईमानदार व्यक्ति को करना चाहिए।' व्यापारी उसकी ईमानदारी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने रामू को अपने काम में अच्छी नौकरी दे दी।

रामू की मेहनत और ईमानदारी से उसका जीवन बदल गया।

बोध: ईमानदारी और अच्छे कर्म का फल हमेशा अच्छा होता है।

कविता

जन्मभूमि और स्त्रियों की प्रतिष्ठा भारत में सर्वोपरि

संजीव ठाकुर

स्त्रियों के सम्मान से सम्मानित राष्ट्र।
जिस घर में स्त्री की हँसी सुरक्षित,
वहीं आँगन में उजली सुबह
स्त्री केवल रिश्तों का नाम नहीं,
वे जीवन को थामे एक कोमल शक्ति
।
जिस राष्ट्र में बेटियाँ निर्भय ,
उस राष्ट्र की राहें स्वयं उजली होती
।
माँ की आँखों में जहां सम्मान का
उजाला हो,
वहाँ हर बच्चे के सपनों में आसमान
निराला हो।
स्त्री को कमजोर समझना, स्वयं को
कमजोर करना ,
उनके अधिकारों को बचाना, भविष्य
को सँवारना ।
उसकी चुप्पी को सहमति मत
समझो,
उसके आँसुओं को कभी
कमजोरी मत समझो।
सम्मान उसके वस्त्रों से नहीं,
उसके अस्तित्व से हो,
न्याय उसके शब्दों से नहीं,
उसके अधिकारों से हो।
जिस देश में नारी सुरक्षित,
सम्मानित और स्वतंत्र होगी,
वही धरती सच में सभ्य और
समृद्ध होगी।
आओ, हर बेटी के सपनों को
पंख दें,
स्त्री के सम्मान से अपने राष्ट्र
को सम्मान दें।

व्यंग्य केसरी

व्यंग्यकार के आँसू

साकार श्रीवास्तव 'फलक'

हमारे पड़ोसी अनोखेलाल जी पहुँचे हुए कवि हैं और व्यंग्यकार भी। पहुँचे हुए इसलिए कि उनकी पहुँच प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं के संपादकों से लेकर उन नवोदित ई-पत्रिकाओं तक है, जहाँ रचना के स्तर से अधिक सामग्री की उपलब्धता महत्वपूर्ण होती है। लेखक को छपास-सुख मिल जाता है और पत्रिका को सामग्री; दोनों पक्ष संतुष्ट रहते हैं।अनोखेलाल जी जिससे भी मिलते, उसके कुछ कहने से पहले ही कह उठते— 'अरे, मुझे कौन नहीं जानता!'कवि हैं, इसलिए भावुकमना भी हैं। भावुकता कवि का स्थायी भाव होती है। कवि का भावुकमना होना तो लाज़मी है और सीने में दर्द अरे, वो डॉक्टर वाला दर्द नहीं, कवियों वाला दर्द भी रखते है। बक़ौल शायर 'सारे जहां का दर्द हमारे जिगर में है' स्टाइल में। कभी-कभी अपनी धुन में गुनगुनाने लगते— 'जब दर्द नहीं था सीने में, तब ख़ाक मज़ा था जीने में।' तब पड़ोसियों को भी लगने लगता कि दर्द का सार्वजनिक वितरण शुरू हो गया है।व्यंग्यकार के रूप में भी उनकी अच्छी पहचान है। उनके व्यंग्य कभी मीठी छुरी की तरह चलते हैं, कभी पाठक को मुस्कराते हुए बेचैन कर देते हैं।

परसों दिल्ली में एक पीजी भवन ढहने की खबर आई। उसमें रहने वाले कई विद्यार्थियों की मृत्यु हो गई। समाचार सुनते ही अनोखेलाल जी का चेहरा उतर गया। आजकल छोटे-बड़े शहरों में पीजी ऐसे उग आए हैं जैसे बरसात में खरपतवार या कुकुरमुत्ते । विद्यार्थी मोटा किराया देते हैं, पर सुविधाएँ ऐसी मिलती हैं कि जेल प्रशासन भी शर्मिंदा हो जाए। जिन्हें बेहतर व्यवस्था की माँग करने पर कभी कोई कोकरोच, कभी गटर का कीड़ा तो कभी कोई अर्बन नक्सल कह देता है। शहर का प्रशासन मकान मालिकों से हफ़्ता वसूली के बाद आँखें मूँद लेता है।

इस दर्दनाक घटना ने अनोखेलाल जी के संवेदनशील मन को झकझोर दिया। उनके मोटे चश्मे के भीतर से झाँकती आँखों में नमी उतर आई। थोड़ी ही देर में दो बूँदें पलकों की चौखट लाँघकर बाहर आ गईं। अब चूँकि ये आँसू किसी साधारण व्यक्ति के नहीं, एक स्थापित व्यंग्यकार के थे, इसलिए इनका महत्व स्वत: बढ़ गया।कुछ साहित्यिक समीक्षकों ने तत्काल आँसुओं के नमूने सुरक्षित करवाए। उन्हें परीक्षण हेतु 'समीक्षीय प्रयोगशाला' भेजा गया। वहाँ विशेषज्ञों ने सूक्ष्म परीक्षण किया कि आँसुओं में संवेदना कितनी है, व्यंग्य का खारापन कितना है, व्यवस्था पर चोट करने वाली मिर्च का तीखापन कितना है और साहित्यिक प्रतिष्ठा का घनत्व कितना है।

प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया गया कि आँसुओं में पर्याप्त मात्रा में मानवीय पीड़ा पाई गई है, किंतु कुछ समीक्षकों ने इस निष्कर्ष पर आपत्ति दर्ज कर दी। उनका कहना था कि परीक्षण पुन: होना चाहिए, क्योंकि प्रथम दृष्ट्या आँसुओं में वैचारिक झुकाव के अंश भी दिखाई दे रहे हैं। मामला यहीं नहीं रुका। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों ने आशंका व्यक्त की कि कहीं ये घड़ियाली आँसू तो नहीं। दूसरी ओर साहित्यिक खेमों ने अपने-अपने चश्मों से आँसुओं का परीक्षण शुरू कर दिया। किसी को उनमें प्रतिबद्धता दिखाई दी, किसी को अवसरवाद; किसी को करुणा दिखी तो किसी को अगली रचना का कच्चा माल। बहुत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि आँसुओं की अंतिम रिपोर्ट पाठकों के विवेक पर छोड़ दी जाए। फिलहाल आँसुओं को सुरक्षित रख लिया गया है। देश में जब भी किसी नई बहस, नई विचारधारा या नए विवाद की आवश्यकता पड़ेगी, उनका पुन: परीक्षण कराया जाएगा.

इतिहास

1683: वियना की लड़ाई में पोलिश राजा जॉन तृतीय सोबिएस्की के नेतृत्व में यूरोपीय सेनाओं ने ओटोमन सेना को पराजित किया।

1940: फ्रांस में लास्को गुफाओं की खोज चार किशोरों ने की। यहां प्रागैतिहासिक काल के प्रसिद्ध शैलचित्र मिले।

1948: भारत में हैदराबाद पुलिस कार्रवाई के दौरान भारतीय सेना ने हैदराबाद रियासत के खिलाफ अभियान शुरू किया।

1959: सोवियत संघ ने लूना-2 अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया, जो चंद्रमा की सतह तक पहुंचने वाला पहला मानव निर्मित यान बना।

2005: हांगकांग में डिज़नीलैंड आधिकारिक रूप से खोला गया।

12 सितंबर को जन्मे प्रसिद्ध व्यक्ति:

1875: जर्मन दार्शनिक और समाजशास्त्री अर्न्स्ट ब्लॉख का जन्म।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह से मिले सुदेश महतो, कुड़मी को एसटी दर्जे और झारखंड की भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग

विश्व केसरी■

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कुड़मी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने सहित झारखंड से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए और आवश्यक पहल के लिए ज्ञापन सौंपा।

सुदेश महतो ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितता, पेपर लीक और वित्तीय गड़बड़ी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने इन मामलों की सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य की 39 परीक्षाएं जांच के दायरे में हैं, जबकि छह परीक्षाओं को राज्य सरकार ने स्थगित किया है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और भरोसा युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़ा है। इसलिए ऐसे मामलों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच जरूरी है। आजसू अध्यक्ष ने कुड़मी समुदाय को एसटी का दर्जा देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को भी केंद्रीय गृह मंत्री के सामने रखा। उन्होंने कहा कि समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इस मांग पर सकारात्मक पहल की जानी चाहिए। सुदेश महतो ने कुड़माली, कुड़ुख, मुंडारी और हो समेत झारखंड की स्थानीय एवं जनजातीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि भाषा किसी भी समाज की पहचान और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन भाषाओं को संवैधानिक मान्यता मिलने से इनके संरक्षण और विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सुदेश महतो ने जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) फंड के इस्तेमाल में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग भी की। उन्होंने कहा कि डीएमएफ की राशि का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों और वहां रहने वाले लोगों के हित में काम करना है। इसलिए इसके इस्तेमाल में गड़बड़ी की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। महतो ने अमित शाह से झारखंड से जुड़े इन मुद्दों पर आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। उनके अनुसार, मुलाकात के दौरान राज्य की शासन व्यवस्था, जनहित से जुड़े विषयों और क्षेत्र के संतुलित विकास पर भी चर्चा हुई।

ब्रिक्स समिट में करेंसी नेगोशिएशन पर क्या बात होने वाली है, अनीश गवांडे ने उठाया सवाल

विश्व केसरी■

मुंबई। ब्रिक्स समिट, एमपीएससी परीक्षा विवाद और भारत की जीडीपी ग्रोथ पर एनसीपी (एसपी) के प्रवक्ता अनीश गवांडे ने अपनी बात रखी। उन्होंने शुक्रवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि एक पार्टी में रहकर भी अलग-अलग राय होने का अधिकार सबको है।

उन्होंने पी. चिदंबरम का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार से पूछा कि ब्रिक्स समिट का हमें क्या फायदा होगा, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए। शशि थरूर ने कहा कि ब्रिक्स एक महत्वपूर्ण संस्थान है। इसका ग्लोबल राजनीति में आज बड़ा रोल है, लेकिन भारत को इसका जवाब देना चाहिए कि आज जब रुपया का वैल्यू कम होकर एक डॉलर के मुकाबले 100 रुपए तक पहुंच रहा है, ग्लोबल ऑयल क्राइसिस एआई के माध्यम से क्रिएट की गई है, जब ग्लोबल स्तर में आर्थिक संकट बना हुआ है। इस स्थिति में ब्रिक्स का एजेंडा क्या है। इसमें भारत का रोल क्या है। इसका जवाब सरकार को देना चाहिए।

एनसीपी (एसपी) के प्रवक्ता ने कहा कि सरकार ने ब्रिक्स को

लेकर होर्डिंग तो पूरे दिल्ली में लगा दी, लेकिन इसका एजेंडा अभी तक किसी को नहीं पता है। ब्रिक्स समिट से क्या ठोस नतीजे निकलेंगे? भारत सरकार कौन से नए विचार सामने ला रही है? दुर्भाग्य से हमारे पास इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी या विवरण नहीं है। अनीश गवांडे ने आगे एमपीएससी पेपर लीक मामले पर बात करते हुए कहा कि आज महाविकास अघाड़ी एमपीएससी में हुए घोटालों पर एकजुट है। इसको लेकर पुणे में हुए प्रोटेस्ट में हमारे सभी नेता शामिल हुए थे। शुक्रवार को महाविकास अघाड़ी की तरफ से आदित्य ठाकरे और कांग्रेस के नेता गवर्नर के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि एमपीएससी परीक्षा विवाद महाराष्ट्र का एक ज्वलंत मुद्दा है। इस मामले में हाल में एक छात्र ने आत्महत्या की है। इस हादसे के पीड़ित परिवार ने सरकार से जवाब मांगे हैं। हालांकि, अभी तक एमपीएससी के चेयरमैन ने कोई जवाब नहीं दिया है।

एमपीएससी पर जो भ्रष्टाचार के आरोप दिखाई दे रहे हैं, ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को लेकर जो पेपर लीक की घटना हुई है। इससे एमपीएससी परीक्षा का जो स्टेटस था, वह अब घटता जा रहा है। इसके खिलाफ हम सबको आवाज उठाने की जरूरत है।

जीडीपी ग्रोथ पर अनीश गवांडे ने कहा कि आईएमएफ उसी डेटा पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकता है, जो सरकार उन्हें देती है। आज सरकार ने उन्हें 7.8 जीडीपी का डेटा दिया है और आईएमएफ ने माना है कि भारत सरकार ने हमेशा उन्हें एक स्वतंत्र और फैक्ट-चेक डेटा दिया है और यह भी एक स्वतंत्र फैक्ट-चेक डेटा होगा, हालांकि भारत के 7.8 जीडीपी को लेकर कुछ प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि इसका डेटा बढ़ा हुआ है। यह गंभीर मुद्दे हैं, जिन्हें उठाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा हूं कि जीडीपी का डेटा धुंधला है या आईएमएफ गलत कह रही है।

अहमदाबाद सम्मेलन में सीईसी ज्ञानेश कुमार ने मतदाता भागीदारी और पारदर्शिता बढ़ाने पर दिया जोर

विश्व केसरी■

अहमदाबाद। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को मतदाताओं की अधिक भागीदारी और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अहमदाबाद में आयोजित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) और ईसीआईनेट ऐप पर क्षेत्रीय सम्मेलन में 1000 से अधिक ईएलसी सदस्यों, बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), कैंपस एंबेसडरों और अन्य हितधारकों से संवाद किया।

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के प्रमुख मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एसवीईईपी के तहत आयोजित इस सम्मेलन में चुनावी साक्षरता, जागरूक मतदान

और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटल तकनीक के उपयोग पर विशेष चर्चा की गई।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि 90 करोड़ से अधिक मतदाताओं वाला भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनावों के दौरान तैनात कर्मचारियों सहित लगभग 1.8 करोड़ लोग चुनावी प्रक्रिया को सफल बनाने में जुटते हैं। उन्होंने कहा, 'मतदाता सूची तैयार करने से लेकर मतदान तक की पूरी प्रक्रिया धूप की तरह स्पष्ट, पारदर्शी और निष्पक्ष है।'

सीईसी ने चुनावों के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा और पारदर्शिता उपायों की जानकारी देते हुए कहा कि देशभर में 11 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी मतदाता सूची तैयार करने का काम करते हैं।

वंदे मातरम विवाद पर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस आमने-सामने, तारिक हमीद कर्रा ने सीएम उमर अब्दुल्ला के बयान पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच विवाद गहराता नजर आ रहा है। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनका रुख जमीनी हकीकत से कटा हुआ और दुर्भाग्यपूर्ण है।

तारिक हमीद कर्रा ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि कांग्रेस की अपेक्षाएं जम्मू-कश्मीर की सरकार से थीं, न कि आम जनता से। उन्होंने कहा कि इस बहस में जनता को घसीटना उचित नहीं है और सरकार से ही अपने सिद्धांतों पर मजबूती से खड़े रहने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुद्दा सरकार के फैसले का है तो 'जम्मू-कश्मीर के लोगों' को इसमें क्यों शामिल

किया जा रहा है। कर्रा ने कहा कि सरकार को अपने संवैधानिक और वैचारिक दायित्वों के अनुरूप निर्णय लेना चाहिए।

कर्रा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से दो सवाल भी पूछे। पहला, क्या केरल सरकार ने स्वतंत्रता दिवस परेड में वंदे मातरम के केवल पहले दो छंद गाने का फैसला किया था तो किसी व्यक्ति को जेल भेजा गया था दूसरा, क्या यह उम्मीद करना गलत है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री भी केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों की तरह धर्मनिरपेक्ष और समावेशी मूल्यों के पक्ष में खड़े हों और राज्य आयोजनों में वंदे मातरम को पहले दो छंदों तक सीमित रखें।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर का पहला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफजेके) 2026 'रंग-ए-सिनेमा' एक सरकारी कार्यक्रम था, जिसका आयोजन सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) ने संयुक्त रूप से किया था। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किया था, इसलिए समारोह में कौन मौजूद था या नहीं था, यह मुख्य मुद्दा नहीं है।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब श्रीनगर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह में वंदे मातरम के सभी छंद प्रस्तुत किए गए। कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि पार्टी का रुख वंदे मातरम को केवल पहले दो छंदों तक सीमित रखने का रहा है।

त्रिपुरा-मिजोरम सीमा विवाद सुलझाने को पहली आधिकारिक स्तर की बैठक, दो अध्ययन समितियां बनेंगी

विश्व केसरी■

अगरतला। त्रिपुरा और मिजोरम ने लंबे समय से चले आ रहे अंतरराज्यीय सीमा विवाद के समाधान की दिशा में गुरुवार को अगरतला में पहली आधिकारिक स्तर की बैठक की। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बताया कि उन्होंने पहले ही मिजोरम के साथ बातचीत की पहल की थी ताकि सीमा विवाद का समाधान आपसी चर्चा से निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि 4 जून को शिलांग में आयोजित पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के 73वें पूर्ण अधिवेशन के

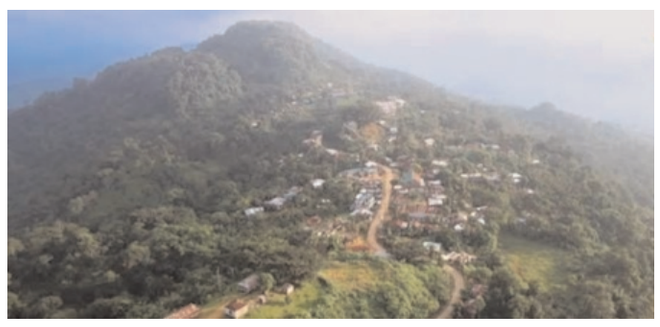

दौरान उन्होंने इस मुद्दे पर मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा से चर्चा की थी।

साहा ने कहा, 'मैंने प्रस्ताव रखा था कि पहले अधिकारियों के स्तर पर बैठक हो, जिसके बाद दोनों मुख्यमंत्री इस विवाद के समाधान के लिए बातचीत करें। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस प्रस्ताव पर तुरंत सहमति जताई।'

बैठक में यह फैसला किया गया कि सीमा विवाद और उससे जुड़े जमीनी मुद्दों का अध्ययन करने के लिए दो अध्ययन समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां विवादित क्षेत्रों का जमीनी स्तर पर निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगी। रिपोर्ट मिलने के बाद अधिकारियों के स्तर पर अगली बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में त्रिपुरा के गृह सचिव अभिषेक सिंह और मिजोरम के गृह सचिव वनलालमाविया ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

त्रिपुरा की दक्षिण, पश्चिम और उत्तर दिशा में बांग्लादेश से सीमा लगती है। राज्य की असम के साथ 53 किलोमीटर और मिजोरम के साथ 109 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय सीमा है।

त्रिपुरा और मिजोरम के बीच सीमा विवाद कई वर्षों से लंबित है। विवादित इलाकों में जब भी कोई राज्य विकास या निर्माण कार्य शुरू करता है, दूसरा राज्य उस पर आपत्ति जताता रहा है।

पेपर लीक विवादः नवी मुंबई में संभाजी ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने एमपीएससी सेक्रेटरी के चेहरे पर पोती काली स्याही

विश्व केसरी■

पुणे। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की खाद्य एवं औषधि प्रशासन (पीडीए) परीक्षा का पेपर लीक होने से जुड़ा विवाद काफी बढ़ गया है।

एमपीएससी चेयरमैन विवेक भीमन्वार के इस्तीफे की मांग को लेकर पूरे राज्य में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच शुक्रवार को नवी मुंबई में संभाजी ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने एमपीएससी सेक्रेटरी महेंद्र हरपालकर के चेहरे पर काली स्याही पोत दी।

इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जो पुणे और छत्रपति संभाजीनगर जैसे प्रमुख केंद्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के बढ़ते गुस्से को दिखाता है। इस हरकत को सही ठहराते हुए संभाजी

ब्रिगेड के राज्य प्रवक्ता संतोष शिंदे ने कहा कि यह विरोध 25 लाख एमपीएससी उम्मीदवारों और महाराष्ट्र के 12 करोड़ नागरिकों की निराशा को दर्शाता है।

शिंदे ने कहा, 'एमपीएससी अधिकारी महेंद्र हरपालकर पर स्याही पोतना और उन्हें थप्पड़ मारना इस भ्रष्ट सिस्टम और नाकाबिल सरकार को जनता की ओर से सीधे थप्पड़ मारने जैसा है।' एमपीएससी सेक्रेटरी पर हुए हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) के विधायक रोहित पवार ने छात्रों के गुस्से को तो माना, लेकिन अपनी पार्टी को इस हिंसक हरकत से अलग रखा। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि एमपीएससी चेयरमैन और सेक्रेटरी ने पेपर लीक और भ्रष्टाचार के जरिए छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है और छात्रों में बहुत ज्यादा गुस्सा है, हालांकि हमारा विरोध संवैधानिक दायरे में होना चाहिए। बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा दिया गया संविधान बहुत शक्तिशाली है और हम निश्चित रूप से इसके जरिए सफल होंगे। संवैधानिक रास्ता ही सही रास्ता है।

डीसीडब्ल्यू बैठक में बोलीं दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता अधिकारों की जानकारी से बढ़ेगी महिलाओं की सुरक्षा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि सिर्फ कानून बनाकर महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इसके लिए उन्हें उनके अधिकारों और सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूक करना भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली महिला आयोग की बैठक को संबोधित करते हुए आयोग के ऑनलाइन शिकायत सिस्टम को और मजबूत करने और जमीनी स्तर पर आयोग की गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। सीएम ने लड़कियों में पॉक्सो और साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, यह सुनिश्चित करने कि योग्य किशोरियों को एचपीवी टीकाकरण से जुड़ी जानकारी और सुविधाएं मिलें, और महिलाओं की शिकायतों के निपटारे के लिए ऑनलाइन सिस्टम को आसान और ज?यादा असरदार बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

जनसेवा सदन में हुई इस बैठक में आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता, सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कॉलेज जाने वाली छात्राओं को खास तौर पर साइबर अपराधों से खुद को बचाने के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।

उन्होंने आयोग को कॉलेजों में अभियान चलाने की सलाह दी, ताकि छात्राओं को ऑनलाइन उत्पीड़न, सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल, साइबर धोखाधड़ी और अन्य डिजिटल अपराधों के बारे में शिक्षित किया जा सके और किसी घटना की स्थिति में शिकायत कहां और कैसे दर्ज करानी है, इसकी जानकारी दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लड़कियों का अपने अधिकारों और यौन अपराधों से सुरक्षा के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने आयोग से स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाने को कहा, ताकि पॉक?सो एक्ट के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और लड़कियों को शोषण या उत्पीड़न के मामलों में उपलब्ध मदद और शिकायत तंत्र के बारे में जानकारी दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने संकट में फंसी महिलाओं की मदद करने वाले 'वन स्टॉप सेंटर' (सखी) के साथ-साथ सरकार और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा चलाए जा रहे महिला आश्रय और देखभाल केंद्रों का दौरा करने और वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा करने की जरूरत पर जोर दिया।

केन-बेतवा परियोजना के मुआवजा और पुनर्वास की जांच होः जीतू पटवारी

विश्व केसरी■

भोपाल । केन-बेतवा लिंक परियोजना के विस्थापित परिवारों के मुआवजे में रिश्वतखोरी का मामला सामने आने पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पुनर्वास और मुआवजे की जांच कराने की मांग की है।

दरअसल, पिछले दिनों पन्ना जिले में एक विस्थापित परिवार से मुआवजे के एवज में रिश्वत लेने का मामला सामने आया और लोकायुक्त ने राजस्व कर्मचारी को रंगे हाथों पकड़ा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि 80 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई, 30 हजार रुपए पहले लिए गए और 47 हजार रुपए लेते हुए पटवारी लोकायुक्त के हाथों पकड़ा गया। अगर विस्थापित

परिवारों को उनका हक दिलाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त थी, तो फिर उनके मुआवजे और दस्तावेजों के नाम पर रिश्वत क्यों मांगी गई।

उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक पटवारी के भ्रष्टाचार का मामला नहीं है। यह उन 1321 विस्थापित परिवारों के अधिकारों और सरकार की पूरी मुआवजा-पुनर्वास व्यवस्था पर सवाल है। सरकार ने विधानसभा में दावा किया था कि सर्वे के बाद मुआवजा निर्धारण और पुनर्वास लाभों के वितरण में कोई अनियमितता नहीं मिली। अब लोकायुक्त की कार्रवाई ने उस दावे की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा कर दिया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि 1321 विस्थापित परिवारों के मुआवजे और पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया की उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच कराई जाए, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और विस्थापितों के हक के पैसे पर भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

पटवारी ने कहा कि विकास के नाम पर विस्थापितों को उनका हक देने के बजाय यदि सरकारी तंत्र रिश्वत मांगता है।

सेंसेक्स 121 अंक लुढ़का, निफ्टी 0.34 प्रतिशत गिरा

विश्व केसरी

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनावों के चलते वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार दिन के निचले स्तर से उबरकर लाल निशान में बंद हुआ। इस बीच आईटी, एफएमसीजी और बैंक शेयरों के समर्थन से प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में 0.34 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 120.83 अंक यानी 0.16 प्रतिशत गिरकर 74,781.76 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 79.70 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 23,398.10 पर आ गया।

दिन के शुरुआत में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,902.59 से 593.42 अंकों यानी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,309.16 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय इसने 14.55 अंक चढ़कर 74,17.15 का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि एक समय यह 742.42 अंक यानी करीब 1 प्रतिशत फिसलकर 74,160.16 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। यानी सेंसेक्स दिन के निम्नतम स्तर से 621.59 अंक उबरकर बंद हुआ। वहीं निफ्टी की बात करें तो यह अपने पिछले बंद 23,477.80 से 207 अंक यानी 0.88 प्रतिशत फिसलकर 23,270.30 पर खुला। हालांकि दिन के कारोबार में एक समय यह 23,448.10 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि एक समय 246.4 अंक यानी 1 प्रतिशत फिसलकर यह 23,231.40 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया था। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 0.26 प्रतिशत और 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जिनमें क्रमश: 2.7 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गई। इनके विपरीत, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिली, जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि भारतीय इक्विटी पर दबाव बने रहने की संभावना है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 110 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ गई है, क्योंकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से सप्लाई में रुकावट की चिंता बढ़ गई है।

क्रूड की बढ़ती कीमतों ने ग्लोबल बॉन्ड यील्ड को ऊपर धकेल दिया है; अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है, जिससे इक्विटी वैल्यूएशन पर दबाव बढ़ रहा है और फेड के सख्त रुख की उम्मीदें भी बढ़ रही हैं। इस बीच रुपया गिरकर 95.6 प्रति डॉलर पर आ गया, जबकि एफआईआई की लगातार बिकवाली ने दबाव और बढ़ा दिया।

सोने और चांदी धड़ाम, महंगाई के डेटा को लेकर निवेशक सतर्क

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में करीब 1.10 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,341 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,571 रुपए या 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,50,770 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

हालांकि, शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी देखी गई और सुबह 9:48 पर यह 867 रुपए या 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,51,474 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोना ने 1,50,695 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,51,483 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी जा रही है। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,34,099 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,530 रुपए या 1.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,31,569 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में सोने ने 2,30,270 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,32,096 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1.29 प्रतिशत की कमजोरी 4,350 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.63 डॉलर प्रति औंस पर था।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट की वजह मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से डॉलर का मजबूत होना है। दुनिया की कई अहम मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स एक सप्ताह के उच्चतम स्तर 99.12 पर पहुंच गया है। इसके अलावा, देर शाम अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आएंगे, इससे आने वाले समय में सोने की दिशा तय होगी। इसे लेकर निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

ब्रिक्स देशों के साथ भारत का व्यापार 5 साल में दोगुना होकर 417 अरब डॉलर पहुंचा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के साथ भारत का व्यापार पिछले 5 वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। एसोचैम ग्लोबल रिसर्च एंड स्ट्रेटेजी सेंटर की रिपोर्ट 'द राइज ऑफ ब्रिक्स नेशंस: एन अपॉर्च्युनिटी टू स्केल इंडियन एक्सपोर्ट्स टू 200 बिलियन डॉलर टू ब्रिक्स बाय 2030' के अनुसार, भारत का ब्रिक्स देशों के साथ कुल व्यापार 2020-21 के 203 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 417 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो यह दर्शाती है कि ब्रिक्स समूह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और व्यापारिक साझेदार के रूप में उभर रहा है।

एसोचैम की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स सदस्य देशों को भारत का निर्यात 96 अरब डॉलर रहा। एसोचैम का अनुमान है कि अगर भारत दक्षिण-दक्षिण सहयोग को और मजबूत करता है तथा पारंपरिक निर्यात बाजारों से आगे बढ़कर नए अवसरों का लाभ उठाता है, तो वर्ष 2030 तक ब्रिक्स देशों को उसका निर्यात 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विस्तार कर रहे ब्रिक्स प्लस आर्थिक परिदृश्य से भारतीय उद्योगों को व्यापक अवसर मिल सकते हैं, जिनमें इंजीनियरिंग उत्पाद, दवा उद्योग, रसायन, वस्त्र एवं परिधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, खनिज एवं धातु उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, कृषि एवं समुद्री उत्पाद, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवाएं और डिजिटल सेवाएं जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। एसोचैम का कहना है कि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार की दिशा सदस्य देशों की आर्थिक वृद्धि, व्यापार नीतियों और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से प्रभावित होती रहेगी। भारत के लिए अवसर केवल माल निर्यात बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उत्पादन नेटवर्क, सोर्सिंग श्रृंखलाओं, मूल्य संवर्धन तंत्र, प्रौद्योगिकी सहयोग और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने तक भी फैले हुए हैं। इसके साथ ही भारत अन्य सदस्य देशों द्वारा विकसित सफल आर्थिक मॉडलों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से भी सीख सकता है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान लगातार 7 प्रतिशत से अधिक की औसत आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति बनाए हुए है।

एक दशक में दोगुनी हुई भारत की बिजली मांग, स्थापित क्षमता बढ़कर 552 गीगावाट पहुंची: सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का बिजली क्षेत्र पिछले एक दशक में अभूतपूर्व विस्तार का साक्षी बना है। तेजी से बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार और घरों में बिजली की बढ़ती खपत के चलते देश की बिजली मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमता, ट्रांसमिशन नेटवर्क और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है।

केंद्र सरकार ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश की अधिकतम बिजली मांग (पीक पावर डिमांड) लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 2013-14 में जहां यह 135.9 गीगावाट थी, वहीं 21 मई 2026 को यह बढ़कर रिकॉर्ड 270.8 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई। सरकार का कहना है कि यह वृद्धि देश में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और घरेलू बिजली खपत में लगातार बढ़ोतरी का परिणाम है।

बिजली की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत ने अपनी कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में भी बड़ा विस्तार किया है। मार्च 2014 में देश की कुल स्थापित क्षमता 249 गीगावाट थी, जो जुलाई 2026 तक बढ़कर 552 गीगावाट हो गई। इस अवधि में जुड़ी नई क्षमता ने न केवल मौजूदा मांग को पूरा करने में मदद की है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के लिए भी बिजली व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाया है। उत्पादन क्षमता के साथ-साथ देश के बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) नेटवर्क में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अप्रैल 2014 में जहां ट्रांसमिशन नेटवर्क की लंबाई 2,91,336 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) थी, वहीं जुलाई 2026 तक यह बढ़कर 5,10,594 सर्किट किलोमीटर हो गई। विस्तारित नेटवर्क ने राष्ट्रीय ग्रिड को अधिक एकीकृत बनाने, विभिन्न क्षेत्रों के बीच बिजली प्रवाह को सुगम करने और आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परंपरागत ऊर्जा ढांचे के विस्तार के साथ-साथ भारत ने स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी तेज प्रगति की है। अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईरेना) की रिन्यूएबल एनर्जी स्टैटिस्टिक्स 2026 रिपोर्ट के अनुसार, स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है।

दूसरी छमाही में कमाई बढ़ने से भारतीय कंपनियों की री-रेटिंग होने का अनुमान : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दूसरी छमाही में कंपनियों की कमाई में तेजी आने और घरेलू संस्थागत पूंजी की वापसी से भारतीय कंपनियों की री-रेटिंग हो सकती है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में शुक्रवार को दी गई।

ओमनीसाइंस कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, बाजार के मौजूदा कंसोलिडेशन चरण को हाल के प्रदर्शन के पीछे भागने के बजाय शेयरों में धीरे-धीरे निवेश बढ़ाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। फर्म ने कहा कि संरचनात्मक पूंजीगत व्यय, ऊर्जा बदलाव और बुनियादी ढांचे के विकास से लाभ उठाने वाले कारोबारों में अवसर मौजूद हैं।

रिपोर्ट ने आगाह किया कि मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट के कुछ हिस्सों में वैल्यूएशन अभी भी काफी महंगे हैं। ऐसे में निवेशकों को अच्छी गुणवत्ता वाले ग्रोथ कारोबारों में चुनिंदा निवेश करना चाहिए, खासकर जहां वैल्यूएशन अपेक्षाकृत कम हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे कारोबारों में अवसर केंद्रित हैं, जिन्हें लगातार विकास और ऑपरेटिंग लीवरेज का लाभ मिल सकता है और जो अनुकूल वैल्यूएशन पर उपलब्ध हैं।

प्रमुख क्षेत्रों में बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर एवं बिजनेस सर्विसेज शामिल हैं। इन क्षेत्रों को मजबूत क्रेडिट ग्रोथ, बिजली की बढ़ती मांग और कॉरपोरेट कैपेक्स में सुधार से समर्थन मिल रहा है।

भारतीय शेयरों के वैल्यूएशन में नरमी आने से संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी फिर बढ़ी है। दो साल तक वैल्यूएशन में नरमी के बाद विदेशी निवेशक कई मौकों पर शुद्ध खरीदार बने हैं।

घरेलू आर्थिक बुनियाद अब भी मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2026-27 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि करीब 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि कच्चे तेल की कीमतों को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान के बीच सीधे और जवाबी सैन्य हमलों के चलते लंबे समय के शांति समझौते के जरिए कूटनीतिक समाधान की उम्मीद को बड़ा झटका लगा है।

ओमनीसाइंस कैपिटल के प्रेसिडेंट और चीफ पोर्टफोलियो मैनेजर अश्विन के. शमी ने कहा, 'कई वर्षों की संभावित आय वृद्धि पहले ही शेयरों की कीमतों में पूरी तरह शामिल हो चुकी है। इससे संभावित रिटर्न डिस्काउंट रेट के आसपास ही रह गया है और निवेशकों को वैल्यूएशन में तेज गिरावट का गंभीर जोखिम है।'

फर्म ने विभिन्न मार्केट कैप वाली कंपनियों के वैल्यूएशन में बड़ा अंतर देखा है। निफ्टी स्मॉलकैप 250 और निफ्टी मिडकैप 150 क्रमश: करीब 34 गुना और 30 गुना ट्रेलिंग पी/ई पर कारोबार कर रहे हैं, जबकि निफ्टी 100 का ट्रेलिंग पी/ई करीब 20 गुना है। वैश्विक शेयर बाजारों में जोखिम-मुक्त ब्याज दरें अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। अमेरिका में 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड करीब एक साल के उच्च स्तर 4.6-4.7 प्रतिशत पर है। वहीं, भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल और अन्य कमोडिटीज में उतार-चढ़ाव बढ़ा दिया है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का 16 सितंबर को होने वाला नीतिगत फैसला निकट अवधि में ट्रेजरी यील्ड और वैश्विक जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक बना हुआ है।

युवा भारतीय नकारात्मक सोच से आगे बढ़कर खड़े कर रहे कल के उद्यम : वित्त मंत्री सीतारमण

विश्व केसरी

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को लेकर जताई जा रही आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि देश के युवाओं ने नकारात्मक सोच को पीछे छोड़ दिया है और आगे बढ़कर भविष्य के उद्यम खड़े कर रहे हैं।

देश की आर्थिक राजधानी में ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल 2026 को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत की युवा पीढ़ी पहले से ही कल की तकनीक और नए विचारों की नींव रख रही है, टिकाऊ उद्यम खड़े कर रही है और यह साबित कर रही है कि भारत का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ एक सक्रिय और अजेय वास्तविकता है।

उन्होंने कहा कि देश की युवा आबादी पहले से ही नवाचार, उद्यमिता और आर्थिक विकास को गति दे रही है और इसके लिए उत्पादकता के पारंपरिक पैमानों से किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में हजारों प्रतिभागियों द्वारा दिखाई गई ऊर्जा और महत्वाकांक्षा भारत के जनसांख्यिकीय लाभ की ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'हम देख रहे हैं कि यह ऊर्जा किस तरह दुनिया के सबसे शक्तिशाली डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर अरबों लेनदेन को संसाधित करने वाले यूपीआई तक, सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूती से खड़े होने और अंतरिक्ष अन्वेषण की नई सीमाएं तोड़ने तक, ऐतिहासिक प्रगति में बदल रही है।' उन्होंने ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में भागीदारी के व्यापक स्तर और विविधता का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें करीब 8,000 संगठनों का प्रतिनिधित्व था। उनके अनुसार, प्रतिभागियों में फिनटेक कंपनियों की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत, वित्तीय संस्थानों की 25 प्रतिशत, प्रौद्योगिकी से जुड़ी संस्थाओं की 43 प्रतिशत और सहायता सेवाओं की 12 प्रतिशत थी।

देश में फरवरी से राजमार्गों पर शुरू हो जाएंगे बैरियर-फ्री टोल : नितिन गडकरी

विश्व केसरी

मुंबई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में फरवरी से राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैरियर-फ्री टोल शुरू हो जाएंगे। इससे वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा।

'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026' में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार अब फास्टैग को गाड़ी की नंबर-प्लेट पहचानने वाली तकनीक के साथ जोड़ने पर विचार कर रही है। वे टोल वसूलने के ऐसे सिस्टम की ओर बढ़ रहे हैं जो ज्यादा टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा और जिससे टोल कलेक्शन में भी काफी बढ़ोतरी होगी। गडकरी ने कहा, 'हम ऐसा टोल सिस्टम लागू करेंगे, जिनमें नंबर प्लेट और फास्टैग दोनों का इस्तेमाल होगा, उससे टोल आय में सालाना 10,000 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी।' उन्होंने कहा कि फास्टैग लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर इंतजार का समय, जो कभी 12 मिनट और कुछ मामलों में 30 मिनट तक होता था, अब 80-90 प्रतिशत तक कम हो गया है। सरकार अब बाकी बची देरी को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सिस्टम से फास्टैग डेटा और गाड़ियों की नंबर प्लेट, दोनों का इस्तेमाल करके टोल कलेक्शन को मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे टोल वाले रास्तों पर गाड़ियों की पहचान और ट्रैकिंग बेहतर होगी।

गडकरी ने कहा कि फास्टैग ने इंतजार का समय काफी कम करके और टोल प्लाजा पर कैश और छुट्टे पैसे की जरूरत को खत्म करके टोल कलेक्शन के तरीके को पहले ही बदल दिया है। अगला कदम यह पक्का करना है कि गाड़ियों को फीस देने के लिए टोल प्लाजा पर न रुकना पड़े।

ब्रिक्स से पहले मोदी-पुतिन की अहम मुलाकात, बदलती दुनिया में भारत-रूस रिश्तों की नई दिशा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात ने भारत-रूस संबंधों को एक बार फिर वैश्विक कूटनीति के केंद्र में ला दिया है। दोनों नेताओं की बैठक ऐसे समय हुई है, जब दुनिया पश्चिम एशिया और यूक्रेन समेत कई गंभीर भू-राजनीतिक चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे में मोदी और पुतिन की बातचीत केवल द्विपक्षीय रिश्तों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर वैश्विक मंचों पर भी दिखाई दे सकता है।

बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। भारत और रूस लंबे समय से रक्षा क्षेत्र में साझेदार रहे हैं। बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद दोनों देशों ने अपने पारंपरिक रिश्तों को बनाए रखा है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी रूस भारत के महत्वपूर्ण साझेदारों में शामिल है। भारत के लिए किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनी हुई है।

इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक संघर्षों पर दोनों नेताओं की बातचीत भी रही। पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों का असर समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर भी पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर भारत की उस नीति को सामने रखा, जिसमें संघर्षों का समाधान संवाद और कूटनीति के जरिए निकालने पर जोर दिया जाता है। भारत ने शांति प्रयासों में सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले हुई यह बैठक इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत इस समय एक साथ कई प्रमुख शक्तियों के साथ अपने संबंधों को संतुलित कर रहा है। रूस के साथ पारंपरिक रणनीतिक संबंधों के अलावा भारत अमेरिका, यूरोपीय देशों, पश्चिम एशिया और अन्य साझेदारों के साथ भी अपने संबंधों को आगे बढ़ा रहा है। ऐसे माहौल में भारत की विदेश नीति का प्रमुख लक्ष्य अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए सभी महत्वपूर्ण देशों के साथ संवाद बनाए रखना है।

व्यापार भी भारत-रूस रिश्तों का एक महत्वपूर्ण आधार बनता जा रहा है। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को करीब 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए ऊर्जा के साथ-साथ तकनीक, उद्योग, अंतरिक्ष, परमाणु क्षेत्र, भारी इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-रूस औद्योगिक प्रदर्शनी का भी दौरा किया, जहां विभिन्न क्षेत्रों की तकनीकों और औद्योगिक क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

मोदी और पुतिन की यह मुलाकात ब्रिक्स के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश देती है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स केवल राजनीतिक चर्चा का मंच न रहे, बल्कि व्यापार, विकास, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभाए।

इस पूरी तस्वीर में भारत-रूस संबंधों की खासियत यही है कि वैश्विक परिस्थितियां बदलने के बावजूद दोनों देशों के बीच संवाद की निरंतरता बनी हुई है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले मोदी-पुतिन की बैठक ने यह संकेत दिया है कि आने वाले समय में दोनों देश अपने पुराने भरोसे को नई आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

गर्भावस्था में एनीमिया हो तो शिशु के मस्तिष्क का आकार हो सकता है छोटा : स्टडी

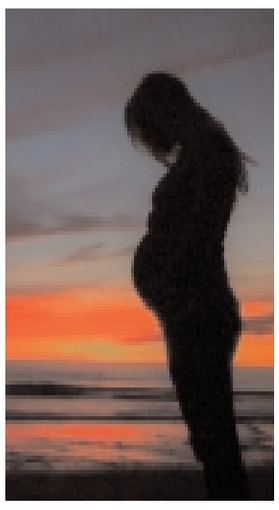

लंदन। गर्भावस्था के दौरान मां में एनीमिया यानी खून की कमी से जूझ रही है तो इसका असर शिशु के मस्तिष्क विकास पर पड़ सकता है। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि एनीमिया पीड़ित माताओं से जन्मे बच्चों का कुल मस्तिष्क आयतन अन्य बच्चों की तुलना में औसतन करीब चार प्रतिशत कम होता है। यह अध्ययन ब्रिटेन के 'किंग्स कॉलेज लंदन और दक्षिण अफ्रीका के यूनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन' के शोधकर्ताओं ने किया। शोधकर्ताओं ने केप टाउन में 300 से अधिक माताओं और उनके बच्चों का अध्ययन किया तथा बच्चों के मस्तिष्क की कई बार स्कैनिंग की। यह निगरानी बच्चों के करीब तीन महीने की उम्र से लेकर दो साल तक की गई। खास बात यह है कि अध्ययन में शामिल एनीमिया से पीड़ित माताओं में बीमारी का स्तर हल्का था। इसके बावजूद उनके बच्चों के मस्तिष्क के कुल वॉल्यूम (आयतन) में अंतर देखा गया। इससे यह संकेत मिलता है कि गर्भावस्था के दौरान मां के शरीर में आयरन और हीमोग्लोबिन का पर्याप्त स्तर भ्रूण के मस्तिष्क के विकास के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

द गार्डियन में छपी रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ताओं का ध्यान केवल पूरे मस्तिष्क के आकार पर ही नहीं है। इससे पहले इसी शोध समूह के काम में गर्भावस्था के दौरान मातृ एनीमिया और बच्चों के मस्तिष्क के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों, विशेष रूप से 'कॉर्पस कॉलोसम और कॉडेट न्यूक्लियस', के अपेक्षाकृत छोटे आयतन के बीच संबंध सामने आया था। बाद के अध्ययन में भी ये प्रभाव बच्चों के 6-7 वर्ष की उम्र तक बने रहने के संकेत मिले।

कॉर्पस कॉलोसम मस्तिष्क के दोनों हिस्सों के बीच कम्युनिकेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि कॉडेट न्यूक्लियस कई तरह की संज्ञानात्मक और मोटर प्रक्रियाओं से जुड़ा होता है। हालांकि, इन निष्कर्षों का यह अर्थ नहीं है कि एनीमिया से पीड़ित मां का बच्चा निश्चित रूप से न्यूरोलॉजिकल या बौद्धिक समस्या से जूझेगा।

शोध में मुख्य रूप से संबंध देखा गया है। इससे सीधे तौर पर यह साबित नहीं होता कि मां का एनीमिया ही मस्तिष्क के छोटे आयतन का एकमात्र कारण है। बच्चे के विकास पर गर्भावस्था के दौरान पोषण, संक्रमण, सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों का भी प्रभाव हो सकता है।

फिर भी विशेषज्ञों के लिए यह अध्ययन महत्वपूर्ण है, क्योंकि गर्भावस्था के दौरान एनीमिया दुनिया के कई हिस्सों में एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी आम समस्या है।

शोध इस बात की ओर भी ध्यान दिलाता है कि गर्भावस्था के दौरान मां के स्वास्थ्य को केवल प्रसव तक सीमित मुद्दे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मां के शरीर में पोषक तत्वों की उपलब्धता का असर बच्चे के शुरुआती मस्तिष्क विकास पर भी पड़ सकता है।

पहले के शोधों में भी गर्भावस्था के दौरान मातृ एनीमिया और बच्चों के मस्तिष्क के कुछ हिस्सों के छोटे आयतन के बीच संबंध पाया गया है। एक अध्ययन में 2-3 वर्ष की उम्र के बच्चों में कॉडेट, पुटामेन और कॉर्पस कॉलोसम के छोटे आयतन की रिपोर्ट की गई थी।

जॉर्डन के अल-अज़्रक एयरबेस को क्यों निशाना बना रहा ईरान?

तेहरान। हाल के कुछ दिनों में ईरान ने अमेरिका के हमलों का जवाब जॉर्डन को निशाने पर ले दिया है। ईरान ने जॉर्डन के मुवाफ्फक सलती एयरबेस पर कार्रवाई तेज कर दी है। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेहरान इस अड्डे को जॉर्डन की सामान्य सैन्य संपत्ति के बजाय अमेरिकी सैन्य अभियानों के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में देखता है।

अल-अज़्रक एयरबेस जॉर्डन की राजधानी अम्मान से करीब 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। बेस का नियंत्रण रॉयल जॉर्डेनियन एयर फोर्स के हाथ में है। यहां अमेरिकी सैनिकों और लड़ाकू विमानों की मौजूदगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जॉर्डन में करीब 4,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं और अल-अज़्रक उन ठिकानों में शामिल है, जहां अमेरिकी वायुसेना अपने अभियान संचालित करती है। मार्च से तेहरान कई बार जॉर्डन पर बमबारी करता रहा है। ईरान का तर्क है कि चूंकि इस बेस का इस्तेमाल अमेरिकी सैन्य अभियानों और सुरक्षित ठिकानों के लिए हो रहा है, इसलिए यह उसके लिए एक वैध सैन्य लक्ष्य है। हालिया हमले अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष में जवाबी कार्रवाई के तौर पर सामने आए हैं। खास तौर पर अमेरिका द्वारा ईरानी तेल टैंकरों पर किए गए हमलों के बाद ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। फरवरी में ईरान पर इजरायल-अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई से पहले अमेरिकी बेड़े के कई विमान यहां पहुंचे थे। वहीं, जीसीसी गुट में शामिल अन्य देशों के बेस से इतर ये ईरान से ज्यादा दूरी पर है। अल जजीरा के अनुसार यूएस कांग्रेस की एक रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि इस बेस से सिरिया और इराक के खिलाफ भी मुहिम अमेरिका चलाता रहा है। 9 सितंबर के हमले में जॉर्डन की सेना ने कहा कि ईरान की ओर से दागी गई 20 बैलिस्टिक मिसाइलों में से 18 को रोक लिया गया, जबकि दो खुले इलाकों में गिरीं। हालांकि, ताजा अमेरिकी रिपोर्ट्स के अनुसार हमले में कुछ अमेरिकी सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, जुलाई में उसके मिसाइल हमलों में तीन अमेरिकी सैन्य कर्मियों की मौत हो गई थी। अल-अज़्रक की अहमियत केवल अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी तक सीमित नहीं है। इसका भौगोलिक स्थान अमेरिका को ईरान और क्षेत्र के अन्य युद्धक्षेत्रों से अपेक्षाकृत सुरक्षित दूरी प्रदान करता है। एयरबेस पर एफ-35, एफ-16 और एफ-15 जैसे लड़ाकू विमानों के संचालन और रखरखाव की क्षमता भी इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती है।

यही वजह है कि ईरान के लिए अल-अज़्रक पर हमला अमेरिकी सैन्य क्षमता को सीधे चुनौती देने का एक तरीका है, जबकि जॉर्डन के लिए यह बेहद संवेदनशील स्थिति है।

डिजिटल भारतः बदल रही है आम जिंदगी की तस्वीर

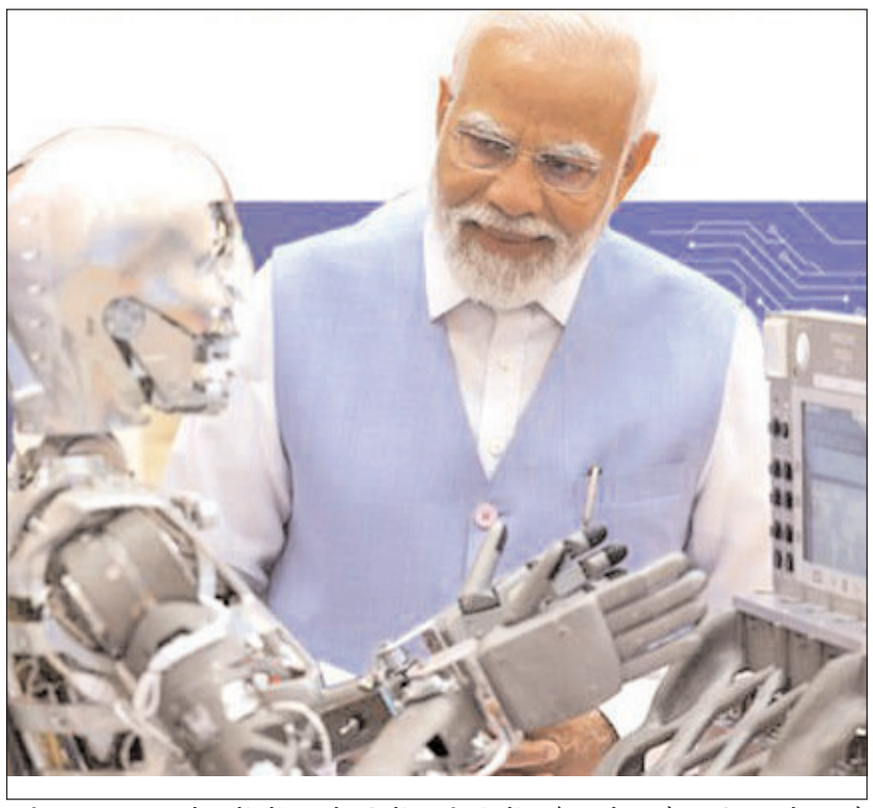

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल तकनीक का विस्तार पिछले कुछ वर्षों में आम जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ही शहरों के अलावा गांवों और छोटे कस्बों में भी लोगों के काम करने, पढ़ने, खरीदारी करने और सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के तरीके बदल रहे हैं। डिजिटल बदलाव ने न केवल सुविधाओं को बढ़ाया है, बल्कि रोजगार और कारोबार के नए रास्ते भी खोले हैं।

आज छोटी दुकानों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ग्राहक कुछ ही सेकंड में भुगतान कर सकते हैं। इससे नकदी पर निर्भरता कम हुई है और छोटे व्यापारियों के लिए भी लेन-देन आसान हुआ है। कई ग्रामीण इलाकों में लोग मोबाइल के माध्यम से बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी डिजिटल माध्यम ने नई संभावनाएं पैदा की हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाओं, वीडियो लेक्चर और डिजिटल अध्ययन सामग्री के जरिए घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं। दूरदराज के इलाकों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रही है। इसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं में ऑनलाइन परामर्श की सुविधा ने विशेषज्ञ डॉक्टरों तक पहुंच को आसान बनाया है। सरकारी सेवाओं के डिजिटल होने से भी लोगों को काफी सुविधा मिली है। प्रमाणपत्र, आवेदन, बिल भुगतान और कई अन्य सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध होने से समय और यात्रा दोनों की बचत होती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने छोटे कारोबारियों, फ्रीलांसरों और युवाओं को घर से काम करने तथा नए बाजारों तक पहुंचने का अवसर भी दिया है।

हालांकि डिजिटल विकास के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं। साइबर धोखाधड़ी, ऑनलाइन ठगी, डेटा की सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता की कमी गंभीर मुद्दे हैं। ऐसे में तकनीक के साथ लोगों को उसके सुरक्षित इस्तेमाल के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। डिजिटल भारत की यह यात्रा अभी जारी है। आने वाले वर्षों में तकनीक और अधिक लोगों की जिंदगी का हिस्सा बनेगी। जरूरत इस बात की है कि डिजिटल विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और तकनीक सुविधा के साथ सुरक्षा का भरोसा भी दे।

सारा खलीफा से माता हारी तकः मौत की सजा पाने वाली वो महिलाएं जिनकी कहानी आज भी चर्चा में

नई दिल्ली। कैमरे के सामने अपराध और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाने वाली मिस्र की टीवी प्रस्तोता सारा खलीफा खुद एक ऐसे मामले के केंद्र में हैं, जिसने दुनिया का ध्यान खींचा है। काहिरा की एक अदालत ने उन्हें ड्रग्स मैनुफैक्चरिंग और तस्करी से जुड़े मामले में 11 अन्य लोगों के साथ मौत की सजा सुनाई है। अदालत के मुताबिक मामला संगठित आपराधिक गिरोह और नशीले पदार्थों के निर्माण से जुड़ा था। फैसले के खिलाफ अपील का रास्ता अभी खुला है।

39 वर्षीय सारा खलीफा 'मिशन इंपॉसिबल' नाम के कार्यक्रम से चर्चित हुई थीं, जिसमें अपराध और सुरक्षा से जुड़े विषय उठाए जाते थे। जांच एजेंसियों के मुताबिक मामले में 750 किलोग्राम से ज्यादा नशीले पदार्थ और उन्हें बनाने की सामग्री बरामद की गई। हालांकि खलीफा ने आरोपों से इनकार किया है। सारा के मामले ने दुनिया की ऐसी महिलाओं की याद दिला दी है, जिनकी जिंदगी अचानक अदालत, अपराध और मौत की सजा के इर्द-गिर्द सिमट गई। इनमें कुछ को फांसी दे दी गई, जबकि कुछ की सजा आखिरी वक्त में पलट गई। पहला नाम है माता हारी का। 20वीं सदी की शुरुआत में यूरोप की सबसे चर्चित डांसर्स में शुमार माता हारी का असली नाम मार्गरिथा जेला था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन पर जर्मनी के लिए जासूसी करने का आरोप लगा। 1917 में फ्रांस की सैन्य अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई। 15 अक्टूबर 1917 को महज 41 वर्ष की उम्र में उन्हें फायरिंग स्क्वाड के सामने खड़ा कर दिया गया। उनकी मौत ने उन्हें अपराधी से ज्यादा एक रहस्यमयी ऐतिहासिक किरदार बना दिया। अब भी बात मौत की सजा के औचित्य को लेकर उठती रहती है। पाकिस्तान की आसिया बीबी का मामला बिल्कुल अलग था। ईसाई महिला पर ईशनिंदा का आरोप लगा और 2010 में उन्हें सजा-ए-मौत सुनाई। लंबा अरसा जेल में गुजारा और मौत की सजा का सामना करती रहीं। यह मामला इतना संवेदनशील था कि उनके समर्थन में आवाज उठाने वाले पाकिस्तान के दो प्रमुख नेताओं सलमान तासीर और शाहबाज भट्टी की भी हत्या कर दी गई। फिर 31 अक्टूबर 2018 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पलट दी। अदालत ने उन्हें बरी करने का आदेश दिया और करीब नौ साल बाद उनके लिए मौत का खतरा टल गया। ईरान की कुर्द मानवीय कार्यकर्ता पख्शान अजीजी भी इस फेहरिस्त का बड़ा नाम है। उनका मामला आधुनिक दौर में सबसे ज्यादा चर्चित मामलों में शामिल है।

दुनिया में बदलता पर्यटनः ऐतिहासिक शहरों से प्रकृति की ओर बढ़ा लोगों का रुझान

पर्यटक अब पहाड़, जंगल, झील और समुद्र तट जैसे प्राकृतिक स्थलों को अधिक पसंद कर रहे

नई दिल्ली। दुनिया में पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले जहां विदेशी यात्राओं का मतलब प्रसिद्ध ऐतिहासिक इमारतों, बड़े शहरों और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की यात्रा माना जाता था, वहीं अब लोगों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पर्यटक अब भीड़भाड़ वाले शहरों के बजाय शांत वातावरण, प्राकृतिक सुंदरता, स्थानीय संस्कृति और ग्रामीण जीवन को करीब से अनुभव करने वाले स्थानों को प्राथमिकता देने लगे हैं। पहाड़, जंगल, समुद्र तट, झीलें और छोटे गांव अब यात्रियों के लिए आकर्षण का नया केंद्र बन रहे हैं।

पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार, इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, लगातार बढ़ता काम का दबाव और डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताने के कारण लोग मानसिक सुकून की तलाश में प्रकृति के करीब जाना चाहते हैं। छुट्टियों के दौरान अब लोग केवल तस्वीरें खींचने और प्रसिद्ध स्थान देखने तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि स्थानीय जीवनशैली को समझना और वहां के अनुभवों को महसूस करना चाहते हैं।

इसी वजह से इको-टूरिज्म और सस्टेनेबल टूरिज्म की अवधारणा को भी दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ावा मिल रहा है। पर्यटक ऐसे स्थानों का चुनाव कर रहे हैं जहां प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान कम पहुंचे और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से आर्थिक लाभ मिले। छोटे होमस्टे, स्थानीय गाइड, गांवों में ठहरने की सुविधा और स्थानीय भोजन इस नए पर्यटन अनुभव का हिस्सा बन रहे हैं।

ग्रामीण पर्यटन ने भी इस बदलाव को नई दिशा दी है। कई देशों में पर्यटकों को खेतों में काम करने, स्थानीय व्यंजन बनाने, पारंपरिक कला सीखने और स्थानीय त्योहारों में शामिल होने जैसे अनुभव दिए जा रहे हैं। इससे यात्रियों को किसी स्थान को केवल पर्यटक की नजर से देखने के बजाय वहां के लोगों और संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही स्थानीय युवाओं और छोटे कारोबारियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। सोशल मीडिया ने भी पर्यटन की पसंद बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्राकृतिक और कम प्रसिद्ध स्थानों की तस्वीरें तथा वीडियो तेजी से वायरल होते हैं। इससे ऐसे पर्यटन स्थलों को भी पहचान मिल रही है, जो पहले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के नक्शे पर नहीं थे। हालांकि सोशल मीडिया की लोकप्रियता के कारण कुछ प्राकृतिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या अचानक बढ़ने से पर्यावरण पर दबाव भी पड़ रहा है। इस चुनौती ने पर्यटन उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा किया है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। कई जगहों पर पर्यटकों की संख्या नियंत्रित करने, प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने और स्थानीय संसाधनों के संरक्षण जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। बदलता पर्यटन केवल यात्रा की पसंद में बदलाव नहीं है, बल्कि लोगों की जीवनशैली और सोच में आए परिवर्तन का भी संकेत है। आज का यात्री केवल किसी जगह को देखना नहीं चाहता, वह उसे महसूस करना चाहता है। आने वाले समय में ऐसे पर्यटन स्थलों की मांग और बढ़ सकती है, जहां प्रकृति, संस्कृति और स्थानीय समुदाय—तीनों का संतुलित अनुभव एक साथ मिल सके।

पर्यटन बढ़ने से स्थानीय गाइड, होमस्टे, हस्तशिल्प और छोटे कारोबारियों को फायदा मिल रहा है।

रश्मिका मंदाना ने हाइब इंडिया से मिलाया हाथ

बोलीं- 'हर लड़की को अपने सपने को एक मौका देना चाहिए'

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने का सफ़र उनके लिए आसान नहीं रहा। करियर की शुरूआत से लेकर लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने तक रश्मिका ने कई ऐसे पल देखे हैं, जहां खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी था। अब उन्हें भारत के नए टैलेंट को तलाशने वाली एक बड़ी पहल से जुड़ने का मौका मिला है। इस पर रश्मिका ने कहा कि वह इसे सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों से जुड़ने का जरिया मानती हैं।

> "हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है।
> — रश्मिका मंदाना

हाइब इंडिया से जुड़कर हुई एक्साइटेड

"मुझे लगता है कि हाइब इंडिया के साथ यह साझेदारी भारत में अपनी तरह का एक अलग मौका है। हाइब पूरी दुनिया में बड़े कलाकारों और ग्लोबल आवाजों को तैयार करने के लिए जाना जाता है, और अब भारत में आकर यहां के युवा टैलेंट को तलाशना वाकई खास बात है।'
— रश्मिका मंदाना

हाइब इंडिया का टैलेंट हंट अब बड़े स्तर पर

रश्मिका मंदाना अब हाइब इंडिया के ऑडिशन से जुड़ गई हैं। इस पहल का मकसद भारत के अलग-अलग हिस्सों से टैलेंट को तलाशना, उसे निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना है। हाइब बही कंपनी है, जो साउथ कोरिया के कई बड़े के-पॉप कलाकारों और ग्रुप्स के साथ काम करने के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। अब भारत में इस ऑडिशन को लेक्र काफी उत्सुकता है। हाइब इंडिया ने अपने टैलेंट हंट का दायरा भी बढ़ाया है और इस बार देश के कई नए शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जा रहे हैं।

युवाओं के लिए खास मौका

इस पहल से जुड़कर रश्मिका काफी एक्साईटेड हैं। उन्होंने कहा, "यह भारत के युवाओं के लिए ऐसा मौका है, जो उन्हें उस मुकाम तक पहुंचा सकता है जिसकी उन्होंने शायद कभी कल्पना भी न की हो। हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है।"

"हर लड़की को अपने सपने को एक मौका देना चाहिए"

रश्मिका ने देश की उन लड़कियों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है जो कलाकार, परफॉर्मर या रोल मॉडल बनने का सपना देखती हैं। उन्होंने कहा, "देशभर में ऐसी बहुत सी लड़कियां हैं जिनके अंदर हुनर है और वह कुछ बड़ा करना चाहती हैं। कोई भी लड़की सिर्फ डर या आत्मविश्वास की कमी की वजह से अपने सपने को पीछे न छोड़े। हर लड़की अपने सपने को कम से कम एक मौका जरूर दे।"

क्या है हाइब इंडिया टैलेंट हंट?

कौन-कौन सा हुनर?
सिंगिंग, डांस, रैप और अन्य परफॉर्मेंस से जुड़े हुनर

कहां-कहां ऑडिशन?
देश के कई नए शहरों में (बड़े शहरों के बाहर भी)

आवेदन की अंतिम तिथि
31 अक्टूबर 2026

मकसद
भारत के टैलेंट को तलाशना, निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना

'हैवान' फिल्म देखकर निराश हुए दर्शक, बोले-प्रियदर्शन से ऐसी उम्मीद नहीं थी

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली खान स्टारर क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैवान' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को लेकर पहले से काफी क्रेज देखने को मिल रहा था, लेकिन सिनेमाघरों से लौटे दर्शकों की प्रतिक्रिया कुछ और ही देखने को मिली। फिल्म देखकर लौटे ज्यादातर दर्शक काफी निराश नजर आए। उनका कहना है कि रिलीज से पहले जिस तरह से इसको लेकर क्रेज दिखाया गया था। फिल्म इससे बिल्कुल अलग है।

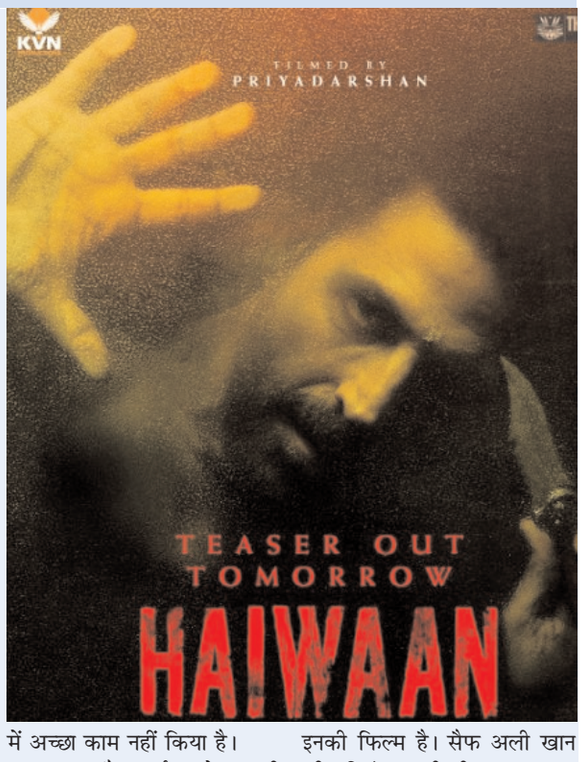

फिल्म देखकर लौटे दर्शक ने निराशा जाहिर करते हुए कहा, 'फिल्म देखकर मैं अभी बहुत दुखी हूं, क्योंकि इसको लेकर जो शोर मचा था, वैसी बिल्कुल भी नहीं है। इसमें ज्यादा कुछ देखने के लिए नहीं है, बल्कि यह एक नॉर्मल कहानी है। थिएटर में मौजूद दर्शकों को देखकर पता चला कि वे कितने बोर हुए हैं और वो आधे घंटे में ही पता चल जाती है। मूवी देखकर लगता है कि शायद सेकंड हाफ में अच्छी होगी, फिर जब वो देखते हैं, तो लगता है कि पहला पार्ट ही ठीक था। उन्होंने सैफ अली खान के अभिनय की प्रशंसा की, तो अक्षय कुमार को कॉमेडी करने की नसीहत दी। उनका कहना है कि फिल्म देखकर नहीं लग रहा था कि ये कोई क्राइम थ्रिलर फिल्म थी। साथ ही, अक्षय कुमार ने भी विलेन के रोल में अच्छा काम नहीं किया है।

एक और दर्शक ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'सुबह-सुबह फिल्म देखकर मूड खराब हो गया है। 'मैं अनाड़ी, तू खिलाड़ी की याद' की यादें ताजा करके फिल्म देखने आए थे, सोचा था कि कुछ नया देखने को मिलेगा। उन्हें कुछ तो हैवानियत दिखानी चाहिए थी। प्रियदर्शन सर की मूवी है, वे इतनी कॉमेडी फिल्म सारी फिल्म दे चुके हैं। उनसे ये उम्मीद नहीं थी। लगी ही नहीं रही थी इनकी फिल्म है। सैफ अली खान की एक्टिंग अच्छी थी। लग रहा था कि उन्होंने कुछ डाला है लेकिन अक्षय कुमार को देखकर लग रहा था कि ये ऐसे ही काम कर रहे हैं। ऐसा लग रहा था कि दूसरी फिल्मों की शूटिंग के बीच में उन्होंने इस फिल्म में काम किया है। अक्षय कुमार कॉमेडी ही करें, उनसे विलेन का रोल नहीं होगा।

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'मैंने सोचा था कि सैफ अली खान और अक्षय कुमार हैं।

84 साल की उम्र में अमिताभ बच्चन ने जताया अफसोस बोले- संगीत नहीं सीख पाया, इसका बहुत दुख है

विश्व केसरी

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपनी अदायगी और दमदार आवाज से मनोरंजन जगत में खास पहचान रखते हैं। अभिनेता ने हाल ही में संगीत सीखने और वाद्य यंत्र बजाने की अपनी एक अधूरी इच्छा के बारे में बताया।

क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18' के आगामी एपिसोड में अभिनेता ने बताया कि संगीत में गहरी रुचि होने के बावजूद वे इस कला को नहीं सीख पाए, जिसका उन्हें आज भी दुख है। दरअसल, शो के दौरान अभिनेता ने कंटेस्टेंट कृतज्ञा नैयर के साथ हुई बातचीत में इस बात का खुलासा किया था। कृतज्ञा ने बच्चन साहब से शो पर पॉपुलर गेम 'दिस और दैट' खेलने की रिक्वेस्ट की थी। कृतज्ञा नैयर ने मेगास्टार से कहा, 'सर, मेरी आपसे एक रिक्वेस्ट है। मैंने आपको बताया था कि मैं कंटेंट बनाता हूं। सर, आपसे बड़े कंटेंट क्रिएटर इस देश में कोई नहीं है।'

कृतज्ञा नैयर ने मेगास्टार को बताया कि वह यह गेम खेलना ही इसलिए चाहते हैं ताकि वह भी एक रील बना सकें और कुछ फॉलोअर्स बढ़ा सकें। शो के दौरान कृतज्ञा नैयर ने बच्चन साहब से पूछा कि क्या वह अपने अतीत के किसी एक दिन को फिर से जीना पसंद करेंगे या ऐसा कोई दिन जीना चाहेंगे जो उन्होंने कभी जिया ही नहीं, लेकिन हमेशा से जीने की इच्छा रही हो।

इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा, 'सर, सच कहें तो हमारे जीवन में इतनी घटनाएं हुई हैं कि पता नहीं कौन सा दिन दोबारा जीना चाहेंगे और दूसरा हिस्सा है कि ऐसा कोई दिन जीना जो अब तक नहीं जिया। आगे अभिनेता ने बताया कि उनको संगीत सीखने की काफी इच्छा थी, जो कि अधूरी रह गई।

'महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं', प्रीति जिंटा ने खोला पेशेवर और पर्सनल लाइफ के बीच बैलेंस का राज

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया।

अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकीं प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है।

मीडिया से बातचीत में 'सोल्जर' एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था।

मीडिया से बात करते हुए प्रीति ने कहा, ''महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। भले ही मेरी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन उनका काम मेरे पिता, तीन बच्चों, घर और न जाने कितनी चीजों की देखभाल करना था। अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।''

उन्होंने आगे कहा, ''अगर आप जिंदगी में अलग-अलग चीजें चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग समय पर चीजों को प्राथमिकता देनी पड़ती है। जाहिर तौर पर यह आसान नहीं है, लेकिन अगर आपके पास साधन हैं तो यह इतना मुश्किल भी नहीं है।''

प्रीति ने कहा, ''जो महिलाएं बिना किसी मदद के नौकरी के साथ घर और बच्चों की जिम्मेदारी संभालती हैं, उनके लिए मेरे दिल से बेहद सम्मान है। हर महिला की परिस्थितियां अलग होती हैं और जिन महिलाओं के पास मदद के ज्यादा साधन नहीं है।

'काम मिलना सिर्फ शुरुआत है, टिके रहने की कोई गारंटी नहीं', कुशाल आहूजा ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी एक्टर कुशाल आहूजा ने 'झनक' शो से घर-घर में अपनी अलग पहचान बनाई। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में उन्होंने इंडस्ट्री में बने रहने की चुनौती पर बात की। उन्होंने बताया कि किसी कलाकार के लिए पहला मौका मिलना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल लंबे समय तक इस इंडस्ट्री में बने रहना है। यहां किसी भी कलाकार के भविष्य को लेकर कोई पक्की गारंटी नहीं होती।

कुशाल ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कहा कि ''इस इंडस्ट्री में आपको काम मिल सकता है और आप अपना सफर शुरू कर सकते हैं, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि आप हमेशा इसी इंडस्ट्री का हिस्सा बने रहेंगे। किसी प्रोजेक्ट में कास्ट होना सिर्फ शुरुआत है, असली चुनौती खुद को लगातार काम के लायक बनाए रखना और बदलते वक्त के साथ आगे बढ़ना है।''

अपने सफर और सफलता की परिभाषा के बारे में बात करते हुए कुशाल ने कहा, ''मेरे लिए इंडस्ट्री में लगातार बने रहना ही सफलता का एक हिस्सा है। लेकिन सिर्फ काम करते रहना काफी नहीं है। एक कलाकार के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपनी भावनाओं को इस तरह पर्दे पर उतारे कि दर्शक भी वही महसूस कर सकें, जो कलाकार अपने किरदार के जरिए महसूस कर रहा है।''

कुशाल ने कहा, ''जब एक कलाकार अपनी फीलिंग्स को दर्शकों तक सही तरीके से पहुंचा पाता है और सामने बैठा दर्शक भी उसी इमोशन से जुड़ जाता है, तो यह उसके लिए सफलता का एक बड़ा हिस्सा है। एक्टिंग की असली खूबसूरती भी यहीं है कि कलाकार की भावनाएं सीधे दर्शकों तक पहुंचें।''

खुद को बेहतर बनाने के तरीके से जुड़े सवाल पर कुशाल ने कहा, ''खुद के काम को लेकर डाउट होना खराब नहीं होता। अगर कोई व्यक्ति अपने काम पर सवाल करता है, अपनी गलतियों को देखता है और यह सोचता है कि वह कहां बेहतर कर सकता है, तो यही सवाल उसे आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

जब चीजें प्लान के मुताबिक नहीं हुई, तब भी गणपति बप्पा का आशीर्वाद महसूस हुआ : कुशाग्रे दुआ

विश्व केसरी

मुंबई। 'क्योंकि रिश्तों के भी रूप बदलते हैं' फेम टीवी एक्टर कुशाग्रे दुआ ने गणेश चतुर्थी को लेकर अपने खास जुड़ाव और बप्पा के प्रति अपनी आस्था के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी में कई ऐसे मौके आए, जब चीजें उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुईं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि शायद उनके लिए उससे भी कुछ बेहतर लिखा था। मुश्किल समय में उन्हें हमेशा गणपति बप्पा का आशीर्वाद और मार्गदर्शन महसूस हुआ है।

बप्पा पर अपने विश्वास के बारे में बात करते हुए कुशाग्रे ने कहा, ''जिंदगी में कई बार ऐसा हुआ जब चीजें मेरे प्लान के मुताबिक नहीं चलीं। उस वक्त मुझे निराशा जरूर हुई, लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर समझ आया कि उन हालात के बाद हमेशा कुछ बेहतर मेरा इंतजार कर रहा था। इन मुश्किल पलों में बप्पा के आशीर्वाद ने मुझे सही दिशा दिखाई।''

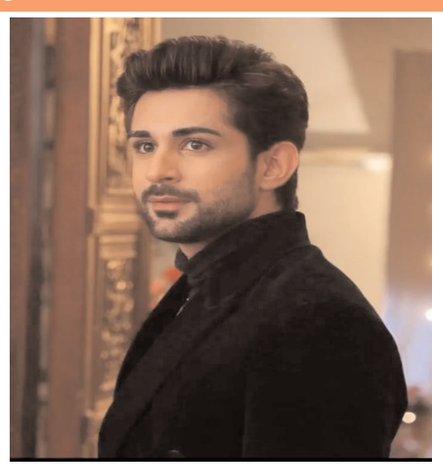

कुशाग्रे के कहा, ''बप्पा की मौजूदगी जिंदगी के सफर पर भरोसा रखने, धैर्य बनाए रखने और मुश्किल वक्त में भी आगे बढ़ते रहने का हौसला देती है। उनके प्रति आस्था मुझे नई ताकत देती है। मेरे लिए गणेश चतुर्थी का त्योहार पॉजिटिविटी और अपनों के साथ मिलकर खुशियां बांटने का मौका है।''

कुशाग्रे ने बताया, मेरा परिवार मुंबई से दूर रहता है। ऐसे में मेरे दोस्त ही मेरे परिवार जैसे हैं। दोस्तों के साथ बप्पा को घर लाना, उनकी सजावट करना और साथ मिलकर त्योहार की खुशियां मनाना मेरे लिए इसे और भी खास बनाता है। इस त्योहार की असली खूबसूरती प्यार और एकता है। बता दें कि कुशाग्रे दुआ 'उड़ारियां', 'ये है चाहतें', 'बहुत प्यार करते हैं', 'गुम है किसी के प्यार में', 'मेहंदी है रचने वाली' और 'उड़ती का नाम राज्जो' जैसे टीवी शोज में भी नजर आ चुके हैं। अपनी एक्टिंग जर्नी से मिली सीख के बारे में बात करते हुए कुशाग्रे ने कहा, ''इस दौरान मुझे सबसे बड़ी सीख धैर्य रखना और जमीन से जुड़े रहने की मिली। एक्टिंग कोई ऐसी मंजिल नहीं है।

ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा और जयशंकर की बैठक, द्विपक्षीय संबंधों और भू-राजनीतिक स्थिति पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील संबंधों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र (यूएन), जी20 और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) जैसे मंचों पर आपसी सहयोग पर चर्चा की।

बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने मौजूदा वैश्विक राजनीतिक स्थिति और संवाद तथा कूटनीति को आगे बढ़ाने में ब्रिक्स 2026 की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया।

एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'ब्रिक्स इंडिया 2026 के आज नई दिल्ली में शुरू होने के अवसर पर ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा से मिलकर खुशी हुई। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और निवेश, रक्षा, ऊर्जा, कृषि तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के विषय शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र, जी20 और आईएमओ सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग पर भी बात हुई। साथ ही मौजूदा वैश्विक हालात और संवाद व कूटनीति को बढ़ावा देने में ब्रिक्स 2026 के महत्व पर विचारों का आदान-प्रदान किया। माउरो विएरा गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। वे 12-13 सितंबर को भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए हैं।

उनके स्वागत में विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, '18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा का हार्दिक स्वागत है। भारत और ब्राजील के बीच लंबे समय से मजबूत दोस्ती रही है और ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता भी मजबूत है।'

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों, साझेदार देशों और विशेष आमंत्रित देशों के नेता हिस्सा लेंगे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों, सहयोगी देशों और आउटरीच आमंत्रित देशों के नेता एक साथ आएंगे। ब्रिक्स में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। ब्रिक्स के सहयोगी देश हैं: बेलारूस, क्यूबा, बोलीविया, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री और अराघची की फोन वार्ता, होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शुक्रवार को फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। यह जानकारी दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने दी।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण कोरिया इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए सैन्य संसाधन भेजे जाएं। अमेरिका सोल पर इस दिशा में योगदान देने के लिए दबाव बना रहा है, जबकि ईरान किसी भी विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध करता रहा है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत के दौरान चो ह्यून ने मध्य पूर्व की हालिया स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्षेत्र में जल्द ही स्थायी शांति और स्थिरता बहाल होगी।

होर्मुज स्ट्रेट के मुद्दे पर चो ने कहा कि दक्षिण कोरिया इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में अपनी भागीदारी जारी रखेगा।

उन्होंने दोहराया कि दक्षिण कोरिया हमेशा इस बात का समर्थन करता है कि सभी जहाजों को सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के गुजरने का अधिकार मिलना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार, चो ने ईरान से आग्रह किया कि वह क्षेत्र में मौजूद दक्षिण कोरियाई नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे।

दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अराघची ने मध्य पूर्व के मौजूदा हालात पर ईरान का पक्ष रखा। दोनों विदेश मंत्रियों ने सहमति जताई कि वे क्षेत्रीय घटनाक्रम और द्विपक्षीय मुद्दों पर आपसी संपर्क बनाए रखेंगे। इसके लिए द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों माध्यमों का उपयोग किया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

यूक्रेन पर रूस के हमले जारी, शॉपिंग मॉल के पास ड्रोन से किया हमला, पांच की मौत

विश्व केसरी■

कीव। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले कर कम से कम पांच लोगों की जान ले ली और 67 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी मंत्री ने कहा कि शॉपिंग मॉल के पास दिनदहाड़े नागरिकों को निशाना बनाया गया, जो नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पोस्?ट पर लि?खा, ''रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले करके पांच लोगों की जान ले ली। हमलों में 67 लोग घायल हुए हैं। दिनदहाड़े ड्रोन हमलों में शॉपिंग मॉल के पास मौजूद आम नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक फैलाने वाला हमला बताया गया है। सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार उन जगहों पर हमले कर रहा है, जहां उसे पता है कि लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के कामों में व्यस्त होंगे। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाना, डर फैलाना और यूक्रेनी समाज पर दबाव बनाना है। उन्होंने बताया कि पूरे यूक्रेन में हवाई हमलों की चेतावनियां लगातार जारी हैं। रूस लगातार बड़ी संख्या में ड्रोन लॉन्च कर रहा है।

पेइचिंग ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का लोगो, शुभंकर और थीम स्लोगन जारी किया

विश्व केसरी■

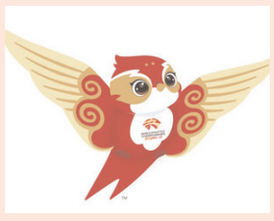

बीजिंग। पेइचिंग 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक साल की उल्टी गिनती के कार्यक्रम में, आयोजन के लोगो, शुभंकर और थीम स्लोगन का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। लोगो, 'चिंग युए', स्वर्ग मंदिर और चीनी अक्षर चिंग (चिंग, जो राजधानी पेइचिंग का संक्षिप्त रूप है) का मिश्रण है, जो चीनी सुलेख से प्रेरणा लेकर शहर की पहचान को दर्शाता है और एथलेटिक्स की जीवंत ऊर्जा को व्यक्त करता है। शुभंकर, 'चिंग यान', 2015 पेइचिंग विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के शुभंकर 'यान'ए' की डिजाइन प्रेरणा को आगे बढ़ाता है, जो पेइचिंग स्विफ्ट पर आधारित है, और '12 वर्षों से लौट रहे अबाबीलों' का प्रतीक है। थीम स्लोगन, 'हर कदम मायने रखता है', उस दृढ़ संकल्प की भावना को दर्शाता है, जहां हर कदम सार्थक और हर प्रयास महत्वपूर्ण है। एक वीडियो संबोधन में, विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा कि पेइचिंग, ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन ओलंपिक खेलों की सफलतापूर्वक मेजबानी करने वाला दुनिया का पहला शहर होने के नाते, खेल आयोजनों की मेजबानी के गौरवशाली इतिहास का दावा करता है। 2015 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप ने कई यादगार पल दिए, और विश्व एथलेटिक्स को दृढ़ विश्वास है कि चीन 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी उच्चतम मानकों के साथ कर सकता है, जिससे विश्व भर के दर्शकों के लिए एक यादगार खेल आयोजन प्रस्तुत किया जा सके।

नौसेना प्रमुख कृष्णा स्वामीनाथन को ऑस्ट्रेलिया ने दी स्मोकिंग सेरेमनी और गार्ड ऑफ ऑनर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में गर्मजोशी और पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी विरासत को दर्शाने वाली विशेष स्मोकिंग सेरेमनी के साथ उनका स्वागत किया गया। इस सेरेमनी के साथ ही उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन इन आस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान कैनबरा स्थित रसेल ऑफिसेज में उनका स्वागत किया गया। गौरतलब है कि स्मोकिंग सेरेमनी ऑस्ट्रेलिया की स्वदेशी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण समारोह है। इस पारंपरिक आयोजन के जरिए अतिथि का सम्मान और स्वागत किया जाता है।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन 9 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई फ्लीट कमांडर रियर एडमिरल अनिता विलियम्स से मुलाकात कर चुके हैं। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच ऑपरेशनल सहयोग पर चर्चा की गई। यहां आपसी तालमेल को मजबूत करने के अवसरों पर भी वार्ता हुई।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन सिडनी स्थित आस्ट्रेलियाई नौसैनिक अड्डे एचएमएएस कट्टाबुल पर गए। बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलियाई नौसेना की बदलती और विकसित हो रही समुद्री क्षमताओं के साथ-साथ भविष्य में बेड़े में शामिल किए जाने वाले नए प्लेटफॉर्म और प्रणालियों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने भारतीय नौसेना और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के बीच अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने तथा संयुक्त परिचालन गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

सिडनी स्थित नौसैनिक अड्डे एचएमएएस कट्टाबुल पहुंचने पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को एचएमएएस कट्टाबुल का परिचयात्मक दौरा कराया गया। इस दौरान उन्हें नौसैनिक अड्डे के बेड़े से जुड़े बुनियादी ढांचे और परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई।

शनचन में एपेक सीईओ शिखर सम्मेलन का 17-18 नवंबर को आयोजन

विश्व केसरी■

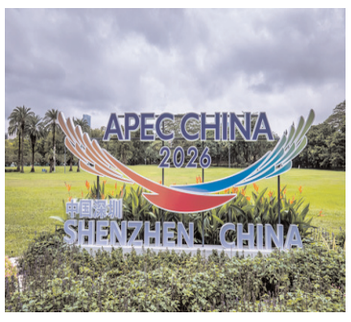

बीजिंग। चीनी अंतरराष्ट्रीय व्यापार संवर्द्धन कमेटी (सीसीपीआईटी) से मिली जानकारी के अनुसार, 2026 एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शिखर सम्मेलन 17 से 18 नवंबर तक चीन के शनचन शहर में आयोजित किया जाएगा।

चीन 2026 एपेक की मेजबानी कर रहा है। इसी क्रम में 18 से 19 नवंबर तक शनचन में एपेक की 33वीं नेताओं की अनौपचारिक बैठक आयोजित होगी। 2026 एपेक सीईओ शिखर सम्मेलन इसी बैठक से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सहयोगी गतिविधि है।

सीसीपीआईटी के प्रवक्ता ने बताया कि इस सीईओ शिखर सम्मेलन का विषय 'संयुक्त रूप से समृद्धि को बढ़ावा देना, साझा रूप से भविष्य की जीत' है। इसका आयोजन सीसीपीआईटी करेगा। सम्मेलन में एपेक अर्थव्यवस्थाओं के राजनीतिक और व्यावसायिक जगत से करीब 1,000 प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

इस दौरान एशिया-प्रशांत मुक्त व्यापार क्षेत्र के निर्माण, अंतर्संबंध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, क्वांगतोंग-हांगकांग-मकाओ ग्रेटर बे एरिया के निर्माण और सतत विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। प्रतिनिधि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सुझाव भी देंगे।

इसके अलावा, इस वर्ष की शुरुआत से एशिया-प्रशांत के कारोबारी जगत ने एपेक व्यापार सलाहकार परिषद (एबीएसी) समेत विभिन्न माध्यमों से एशिया-प्रशांत समुदाय के निर्माण को लेकर आम सहमति को मजबूत किया है। इससे एपेक के 'चीन वर्ष' के लिए व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए हैं।

9/11 के 25 सालः आतंकवाद के खिलाफ हमेशा खड़ा रहेगा अमेरिका

विश्व केसरी■

प्रथम पेज का शेष

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने 9/11 आतंकी हमलों की 25वीं बरसी पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अमेरिका हमेशा आतंकवाद के खिलाफ खड़ा रहेगा।

9/11 आतंकी हमलों की 25वीं बरसी पर दुनिया भर में पीड़ितों को याद किया जा रहा है। वर्ष 2001 में हुए इन हमलों में न्यूयॉर्क, वर्जीनिया और पेंसिल्वेनिया में कुल 2,977 लोगों की जान गई थी।

सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '25 साल बाद भी हम 9/11 में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद करते हैं। हम उनके परिवारों को अपनी प्रार्थनाओं में रखते हैं। हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। हम हमेशा आतंकवाद के खिलाफ खड़े रहेंगे।

11 सितंबर 2001 को आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़े 19 आतंकवादियों ने चार यात्री विमानों का अपहरण कर लिया था। इनमें से दो विमानों को न्यूयॉर्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावर्स से टकरा दिया गया था।

तीसरे विमान को वर्जीनिया स्थित अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किया गया, जबकि चौथे विमान के यात्रियों ने आतंकवादियों का बहादुरी से मुकाबला किया। संघर्ष के दौरान विमान पेंसिल्वेनिया के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वह वॉशिंगटन में अपने संभावित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 9/11 हमलों की 25वीं बरसी पर 11 सितंबर को पैट्रियट डे घोषित किया है।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी घोषणा में ट्रंप ने कहा, 11 सितंबर 2001 की उस भयावह सुबह को 25 साल बीत चुके हैं और अब अमेरिका की एक पूरी पीढ़ी ऐसी है जिसे उस दिन की कोई प्रत्यक्ष स्मृति नहीं है। उन्होंने कहा कि उस दिन के पीड़ितों और घटनाओं को याद रखने का संकल्प हर अमेरिकी के दिल में दोबारा जीवित किया जाना चाहिए।

ब्रिक्स समिट 2026: दक्षिण अफ्रीका, युगांडा और उरुग्वे से भारत पहुंचे विदेशी मेहमान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वर्ष 2026 में भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए शुक्रवार सुबह से ही विदेशी मेहमानों का भारत में आगमन शुरू हो गया है। शुक्रवार सुबह विदेश मंत्रालय ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन और युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो का भारत पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर मेहमानों के आगमन की जानकारी साझा की। विदेश मंत्रालय ने पोस्ट में लिखा, ''दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा का 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में हार्दिक स्वागत है। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने किया।''

मंत्रालय ने बताया कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी पर आधारित हैं। ब्रिक्स के साझेदार देशों के रूप में ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने और उनके विकास के लिए मिलकर काम करने की हमारी प्रतिबद्धता मजबूत और अटूट है। मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ''उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन का हार्दिक स्वागत है। वे नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 'कम्युनिटी ऑफ लैटिन अमेरिकन एंड कैरिबियन स्टेट्स' (सेलाक) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारत और सेलाक मिलकर व्यापार बढ़ाने, तकनीकी ज्ञान और नवाचार साझा करने तथा ग्लोबल साउथ के देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं।''

पेइचिंग में 16वां एपेक ऊर्जा मंत्री सम्मेलन शुरू

विश्व केसरी■

बीजिंग। 16वें एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) ऊर्जा मंत्री सम्मेलन का उद्घाटन गुरुवार को चीन की राजधानी पेइचिंग में हुआ। सम्मेलन में चीन के उपप्रधानमंत्री तिंग श्वेश्यांग ने भाग लिया और संबोधन दिया।

इस दौरान तिंग श्वेश्यांग ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की 'चार क्रांतियां, एक सहयोग' ऊर्जा सुरक्षा रणनीति के मार्गदर्शन में चीन की ऊर्जा आपूर्ति क्षमता लगातार बढ़ रही है। साथ ही, हरित और निम्न-कार्बन परिवर्तन को बढ़ावा मिल रहा है और नई ऊर्जा उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि चीन एपेक के ढांचे के तहत ऊर्जा सहयोग में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और क्षेत्रीय ऊर्जा विकास तथा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि चीन हमेशा विश्व ऊर्जा बाजार का संरक्षक, वैश्विक हरित परिवर्तन में योगदानकर्ता और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सहयोग का सक्रिय भागीदार बना रहेगा। इस दौरान उन्होंने तीन सुझाव भी दिए। पहला, समावेशी साझाकरण को मजबूत करना। इसके तहत एपेक की ऊर्जा पहुंच पहल को लागू करने, हरित ऊर्जा से जुड़े छोटे लेकिन प्रभावी सहयोग को प्राथमिकता देने तथा वितरित ऊर्जा और चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

दूसरा, नवाचार सहयोग को मजबूत करना। इसके तहत नई ऊर्जा भंडारण और डिजिटल ग्रिड जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने और परिपक्व प्रौद्योगिकियों के प्रसार पर जोर दिया गया।

तीसरा, समन्वित शासन को मजबूत करना। इसके लिए वास्तविक बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने, अधिक सुरक्षित, कुशल और टिकाऊ एपेक ऊर्जा शासन प्रणाली बनाने तथा ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

बता दें कि इस सम्मेलन का विषय 'साझा, नवाचारी और समन्वित एपेक ऊर्जा समुदाय का निर्माण' है।

ईरानी राष्ट्रपति ने भारत के लिए भरी उड़ान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में शामिल होने के लिए ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शुक्रवार को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी। यात्रा पर रवाना होने से पहले पेजेश्कियन ने कहा कि 'ब्रिक्स' अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एकतरफा नीतियों का मुकाबला करने का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।

भारत स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की भारत यात्रा की जानकारी साझा की। पोस्ट में लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के राष्ट्रपति डॉ. पेजेश्कियन 'ब्रिक्स समिट 2026' में शामिल होने के लिए भारत रवाना हुए। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यात्रा पर रवाना होने से पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि 'ब्रिक्स', जिसमें अब 21 सदस्य शामिल हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एकतरफा नीतियों का मुकाबला करने का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि ब्रिक्स के पास एकतरफावाद का मुकाबला करने और सदस्य देशों के बीच आर्थिक, व्यापारिक, औद्योगिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ाने की बड़ी क्षमता है। पेजेश्कियन ने कहा कि ब्रिक्स का मुख्य उद्देश्य एकतरफावाद का मुकाबला करना है। कोशिश यह है कि देश अपनी स्वतंत्रता बनाए रखते हुए आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय एकजुटता, टिकाऊ विकास, मजबूती और नवाचार पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि देश डॉलर पर निर्भर हुए बिना आर्थिक और क्षेत्रीय विकास कर सकें तथा एकतरफावाद और बड़ी शक्तियों की अत्यधिक मांगों का सामना कर सकें।

समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, इस दौरे के दौरान पेजेश्कियन ब्रिक्स नेताओं की मुख्य बैठक, ब्रिक्स आर्थिक फोरम और वैश्विक शासन में सभी की भागीदारी तथा बहुपक्षवाद को मजबूत करने पर केंद्रित बैठक में शामिल होंगे और वहां संबोधन भी देंगे।

इसके अलावा, उनकी भारत के प्रधानमंत्री, मलेशिया के प्रधानमंत्री, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति और सम्मेलन में शामिल अन्य नेताओं एवं अधिकारियों के साथ भी मुलाकात होने की संभावना है।

छात्रावासों की बदहाली पर विधायक बघेल सख्त

बस्तर विधायक की छात्रावासों में दबिश

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर विधानसभा क्षेत्र के छात्रावासों एवं आश्रमों में बच्चों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने बकावंड विकासखंड के मूली कन्या छात्रावास, पोस्ट मेट्रिक एवं प्री मैट्रिक छात्रावास मूली तथा बालक आश्रम बारदा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के रहने, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, बिस्तर, कंबल-चादर और मच्छरदानी सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

मूली कन्या छात्रावास में विधायक ने रसोई पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता एवं मात्रा की जानकारी ली। इसके बाद छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई और परीक्षा परिणाम के संबंध में जानकारी ली तथा अच्छे प्रदर्शन करने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण में कुछ कमरों की जर्जर स्थिति और वेंटिलेशन की कमी सामने आने पर उन्होंने व्यवस्था में शीघ्र सुधार के

निर्देश दिए। पोस्ट मेट्रिक बालक छात्रावास में पानी एवं स्वच्छता की समस्या को लेकर विधायक ने नाराजगी जताई। बच्चों ने कंबल और मच्छरदानी उपलब्ध नहीं होने तथा कुछ मच्छरदानियों की गुणवत्ता खराब होने की जानकारी दी। विधायक ने स्वयं मच्छरदानी की स्थिति देखी और उसके सही उपयोग एवं रखरखाव की जानकारी बच्चों को दी। पेयजल समस्या के समाधान के लिए उन्होंने पीएचई विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अंधेरे में पढ़ते मिले बच्चे

बालक आश्रम बारदा के निरीक्षण के दौरान बच्चे पर्याप्त प्रकाश के अभाव में पढ़ाई करते मिले। इस पर विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। भोजन व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने भोजन की मात्रा और गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। 50 सीटर आश्रम में भोजन में आलू की अधिक मात्रा और मसूर दाल की सीमित मात्रा पाए जाने पर उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आश्रम अधीक्षक की अनुपस्थिति पर भी विधायक ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ आश्रम में भेजते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी प्रबंधन की है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बच्चों की सुरक्षा, सुविधा जरूरी

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि बच्चों को केवल शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें पढ़ाई के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर वातावरण भी मिलना चाहिए। छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले बच्चे हमारे समाज और क्षेत्र का भविष्य हैं शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं उन्हें पूरी तरह और समय पर मिलनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों और अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान सामने आई समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि बच्चों के भोजन, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। बस्तर विधायक ने कहा कि वे विधानसभा क्षेत्र के छात्रावासों एवं आश्रमों का लगातार निरीक्षण करते रहेंगे, ताकि शासन की योजनाओं और सुविधाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक पहुंचे बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। इस दौरान विधायक बघेल के साथ मानसिंह कवासी, लखेश्वर कश्यप, हेमराज बघेल, जितेंद्र तिवारी, राजेश कुमार, गुप्तेश्वर मांझी, कार्यकर्ता व ग्रामवासी मौजूद रहे।

दिल्ली में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से मिले बस्तर सांसद महेश कश्यप

संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और समर्पण प्रेरणादायी : महेश कश्यप

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से छत्तीसगढ़ भवन में मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना तथा शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। इससे पूर्व भी बस्तर संभाग के सांसदों ने मेदांता अस्पताल पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना था।

उल्लेखनीय है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव हाल जुलाई माह में सड़क हादसे में घायल हुए थे। उनका दिल्ली स्थित मेदांता अस्पताल में उपचार चला,जिसके बाद चिकित्सकीय सलाह पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। वर्तमान में वे चिकित्सकों की सलाह के अनुसार छत्तीसगढ़ भवन में बेड रेस्ट पर हैं। उनके स्वास्थ्य को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित प्रदेश सरकार के मंत्री,सांसद एवं विधायक लगातार उनसे मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव स्वास्थ्य लाभ लेते हुए बेड रेस्ट पर हैं,लेकिन संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और समर्पण आज भी प्रेरणादायी है। वे स्वास्थ्य लाभ के दौरान भी संगठन की बैठकों,कार्यशालाओं और आगामी गतिविधियों को लेकर फोन कॉल एवं वीडियो कॉल के माध्यम से लगातार कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से संवाद कर रहे हैं तथा आवश्यक मार्गदर्शन दे रहे हैं। उनका यह समर्पण हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। हम सभी उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामाश्रय सिंह,बलदेव मंडावी,कामदेव बघेल,वनवासी मौर्य एवं सतीश बाजपेयी उपस्थित रहे।

विधायक पुत्र के कथित व्यवहार से भाजपाइयों में रोष, लगे विरोध के नारे

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। कांकेर में कुछ दिनों पूर्व भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी के पुत्र अमन मंडावी द्वारा कथित रूप से नशे की हालत में बस चालक के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंडल चारामा के कार्यकर्ताओं ने कोरर चौक में पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक स्थान पर नशे की हालत में बस चालक के साथ कथित अभद्र व्यवहार किया जाना अत्यंत आपत्तिजनक है। कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच एवं उचित

कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की।

पुतला दहन के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, महामंत्री संतोष नहर, युवा मोर्चा अध्यक्ष भोज सोनी, महामंत्री प्रियेश सेन, महामंत्री रूपेश देवांगन, करन निर्मलकर, स्वपन बोस, जिला किसान मोर्चा मंत्री विजेंद्र कुमार सिन्हा, ललित साहू एवं एल्डरमेन परमेश्वर यादव सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'कानून और सार्वजनिक मर्यादा से ऊपर कोई नहीं'

भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के परिजनों से भी जिम्मेदार एवं मर्यादित आचरण की अपेक्षा की जाती है।

आंगनबाड़ी केंद्र भरा बारिश का पानी

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत टलनार स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-4 बुरी तरह लाचार नजर आ रहा है। आंगनबाड़ी भवन की जर्जर स्थिति सामने आई है। भारी बारिश के बाद केंद्र में घुटने तक पानी भर गया। सुविधाओं आई मरम्मत के अभाव में केंद्र तालाब में तब्दील हो गया है।

केंद्र के भीतर इस कदर जल जमाव हो हो गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सुपली से कीचड़ युक्त पानी बाहर निकालना पड़ रहा है। केंद्र के अंदर बच्चों के बैठने की जगह, पोषण सामग्री और बर्तन सब पानी में डूबे हुए हैं। जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि हर बरसात में यही हाल होता है। केंद्र के भवन की मरम्मत वर्षों से नहीं हुई है। वैसे तो भवन का बाहरी हिस्सा एकदम चकाचक नजर आ रहा है, मगर अंदर की स्थिति बेहद लाचारगी भरी है।सरकार की आंगनबाड़ी सशक्तिकरण योजना यहां सिर्फ केवल कागजों में नजर आ

रही है, जमीनी हकीकत बदहाल है।छोटे-छोटे बच्चे कीचड़ के बीच बैठने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आंगनबाड़ी केंद्र 4 की तत्काल मरम्मत, फर्श ऊंचा करने और पानी निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

नवनिर्वाचित कलेक्टर कुदन कुमार से मिले एबीवीपी कार्यकर्ता

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले के नवनिर्वाचित कलेक्टर कुंदन कुमार जी से एबीवीपी के महाविद्यालयीन कार्यकर्ताओं ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान कांकेर भाजपा आईटी सेल के अंकित जैन जी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर से विभिन्न महाविद्यालयीन विषयों पर चर्चा की तथा उन्हें चारामा महाविद्यालय आने का आमंत्रण दिया। भेंट

के दौरान महाविद्यालय में विद्यार्थियों से जुड़ी आवश्यकताओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हुई। कलेक्टर कुंदन कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद एवं महाविद्यालय के संबंध में सकारात्मक रुचि दिखाई। इस अवसर पर नगर मंत्री वेदव्यास सिन्हा, सह नगर मंत्री हर्ष सिन्हा, निधि राजपूत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं एबीवीपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा अजा मोर्चा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष रावत से मिले सांसद महेश कश्यप, दी बधाई

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत के दिल्ली स्थित निवास पर पहुंचकर बस्तर सांसद महेश कश्यप ने उनसे भेंट की और उन्हें नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सांसद महेश कश्यप के साथ बस्तर के कई जनजातीय नेता भी मौजूद थे।

इस दौरान सांसद महेश कश्यप ने मन्ना लाल रावत को शॉल ओढ़ा कर और मां दंतेश्वरी की तस्वीर भेंट कर उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने

कहा कि मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व मिलना जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। उनके दीर्घ अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और कुशल नेतृत्व का लाभ पूरे देश के जनजातीय समाज को मिलेगा। विश्वास है कि उनके नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति मोर्चा संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी तथा जनजातीय समाज के हितों एवं विकास के लिए प्रभावी ढंग से कार्य होगा।

सांसद श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास को प्राथमिकता दी है। ऐसे समय में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मन्नालाल रावत के नेतृत्व में संगठन इन प्रयासों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर

17 सितम्बर से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान, भाजपाइयों ने किया मंथन

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। भारतीय जनता पार्टी की मासिक बैठक शुक्रवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ आगामी 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर विस्तृत चर्चा एवं कार्ययोजना तैयार की गई। यह अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य मंत्री शालिनी राजपूत रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि केदार गुप्ता, अध्यक्ष अपेक्स बैंक छत्तीसगढ़ एवं विधानसभा प्रभारी, तथा राजा

देवनानी, जिला उपाध्यक्ष एवं चारामा मंडल प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष बंटी ठाकुर, मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, महामंत्री संतोष नाहर, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष भोजराज सोनी, महामंत्री रूपेश देवांगन, महामंत्री प्रियेश सेन, आईटी सेल जिला संयोजक अंकित जैन, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चारामा प्यारेलाल देवांगन, सत्तार पटेल, रुखम सेन एवं पार्षद संदीप मेश्राम, रजनी यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान पर हुई मंडल स्तरीय कार्यशाला

विश्व केसरी■

दुर्गूकोदल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार आत्मनिर्भर भारत, मंडल मासिक बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा मंडल दुर्गूकोदल की मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रेस्ट हाउस दुर्गूकोदल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर तथा पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात संगठनात्मक बैठक एवं कार्यशाला प्रारंभ हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता छत्र प्रताप दुग्गा जी ने सेवा संकल्प अभियान के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इन सेवा कार्यों को केवल मंडल स्तर तक सीमित न रखते हुए प्रत्येक शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर तक पहुंचाया जाए।

दंतेवाड़ा में आज पत्रकारिता पर प्रतियोगिता

'नशा मुक्त युवा विकसित भारत-संकल्प अभियान', राष्ट्रीय पोषण माह एवं ठोस उत्पाद प्रबंधन नियम-2026 पर संवाद होगा

विश्व केसरी■

दंतेवाड़ा (अर्जुन कुमार झा)। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा 12 सितंबर को जिला पंचायत ऑडिटोरियम, दंतेवाड़ा में जिलों के लिए पत्रकार वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समय प्रात: 11:30 बजे निर्धारित है। इस कार्यक्रम में 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत-संकल्प अभियान', 'राष्ट्रीय पोषण माह' और 'ठोस उत्पाद प्रबंधन नियम-2026' जैसे महत्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर जानकारी एवं संवाद शामिल होंगे।

कार्यक्रम में दांते वेवड़े के नेता चैतराम अटामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समाज कल्याण विभाग के किशोर कुमार देशमुख द्वारा समाज कल्याण विभाग की विभिन्न जनकल्याण योजनाएं एवं उनके दस्तावेजों से संबंधित जानकारी प्रदान की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबंधक रविकांत ध्रुव द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के संगठन, पोषण के महत्व और कुपोषण की रोकथाम के

लिए जा रहे हैं आश्रम के संबंध में जानकारी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 विषय पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी अरुण कुमार ध्रुव द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस दौरान सॉलिड के साइंटिस्ट एवं इफेक्टिव मैनेजमेंट, आजादी, सॉलिड के डिस्ट्रिब्यूशन एवं टेक्नोलॉजी से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों पर चर्चा की जाएगी।

पत्र सूचना कार्यालय के उपनिदेशक रमेश जायभाये ग्रैब को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की पत्रकार कल्याण योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वे योजना के अंतर्गत पात्र और सहायक उपकरण से संबंधित प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। योजना के प्रस्ताव समय-समय पर जारी आधिकारिक दिशा-निर्देशों के अनुसार लागू होते हैं और पात्रता से संबंधित बिजली के आधार पर काम किया जाता है। जायभाये सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती अभिलेख एवं डिजिटल मीडिया आचार) नियम, 2021 के संहिता नियम 18 तथा डिजिटल समाचार प्रकाशकों से संबंधित परंपरा की जानकारी भी देंगे। नियम 18 के तहत डिजिटल समाचार मीडिया और सामाजिक विषयों की सामग्री के प्रकाशकों के लिए आचार संहिता, शिकायत शिकायत व्यवस्था और केंद्र सरकार द्वारा समन्वय और पर्यवेक्षण से संबंधित विशेषज्ञों का उल्लेख है। पत्रकार वार्ता का उद्देश्य विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक मुद्दों, जागरूकता अभियानों और संबंधित मुद्दों पर तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराना और इन विषयों पर मीडिया की भूमिका और जनजागरूकता के प्रभावशाली माध्यमों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है।

शिवसेना ने महंगाई से राहत दिलाने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। शिवसेना जिला ईकाई कांकेर ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। शिवसेना प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा ने कहां केंद्र और राज्य सरकार के गलत नीतियों के कारण राज्य में बेतहाशा बढ़ती महंगाई और उससे उत्पन्न हुई आमजनता की असहनीय पीड़ा आज प्रदेश के आम नागरिक व मध्यमवर्गीय परिवार झेल रही हैं आज स्थिति यहां हो चुकी है कि महंगाई के कारण आम नागरिक त्राहि त्राहि कर रहा है आज खाद्य पदार्थों, दालों, तेल, बिजली बिल और घरेलू गैस कि आसमान छूती कीमतों ने आम आदमी की थाली का स्वाद और पोषण दोनों छीन लिया है।

शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने कहां कि पेट्रोल डीजल रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की आसमान छूती कीमतों ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है गरीब परिवारों के लिए दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्रदेश व केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। जिसका बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर असर हो रहा है दैनिक उपयोग की वस्तुओं के महंगे होने से गरीब और मध्यमवर्ग के परिवारों का बजट पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। जिससे वह बच्चों की पढ़ाई और इलाज के खर्चे में कटौती करने पर मजबूर हैं जिससे जनता में भारी आक्रोश है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने रूसी उप-प्रधानमंत्री मंतुरोव से मुलाकात की, द्विपक्षीय निवेश संधि पर हुई चर्चा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को रूसी उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीटीटी) को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा की।

इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच वित्तीय सर्विसेज में साझेदारी को मजबूत करना और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाना है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वित्त मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष बीटीटी पर बातचीत को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए। इस संधि का मकसद एक ऐसा ढांचा तैयार करना है जिससे दोनों देशों के बीच निवेश का प्रवाह बढ़े और कुल मिलाकर आर्थिक सहयोग मजबूत हो। मंत्रालय ने बताया कि यहां हुई एक बैठक में उन्होंने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों की समीक्षा की और अलग-अलग सेक्टर में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

इसके अलावा, दोनों नेताओं ने फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में सहयोग बढ़ाने के मौकों पर भी बातचीत की। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से भारत और रूस के बीच बढ़ते व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिल सकता है।

यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश अपने आर्थिक संबंधों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की नई कोशिशें कर रहे हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग के सामान, केमिकल्स, टेक्सटाइल्स और खाद्य उत्पादों को ऐसे अहम सेक्टर के तौर पर जिक्र किया था, जिनसे भारत-रूस व्यापार में बढ़ोतरी हो सकती है।

रूस के उद्योग और व्यापार मंत्री एंटोन अलीखानोव के साथ 'भारत-रूस बिजनेस डायलॉग' को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देशों के नेतृत्व ने 2030 तक आपसी व्यापार को 100 अरब डॉलर और दोनों तरफ के निवेश को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

अभी भारत और रूस के बीच लगभग 60 अरब डॉलर का आपसी व्यापार होता है, जिसका मतलब है कि इस लक्ष्य को पाने के लिए अगले चार वर्षों में 40 अरब डॉलर का अतिरिक्त व्यापार करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को पाने के लिए लगातार सालाना दोहरे अंकों में विकास और दोनों तरफ की सरकारों और व्यवसायों के समन्वित प्रयासों की जरूरत होगी। उन्होंने कई ऐसे बड़े मौकों का भी जिक्र किया जिनका अभी तक पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कई ऐसे उत्पाद जिनमें भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति में है, जैसे कि दवाएं और इंजीनियरिंग का सामान, वे रूस के प्रमुख आयात हैं, लेकिन रूसी बाजार में उनके निर्यात की पूरी क्षमता का अभी तक इस्तेमाल नहीं हो पाया है।

ब्रिक्स भारत इनोवेट्स एक्सपो का दिल्ली में आगाज

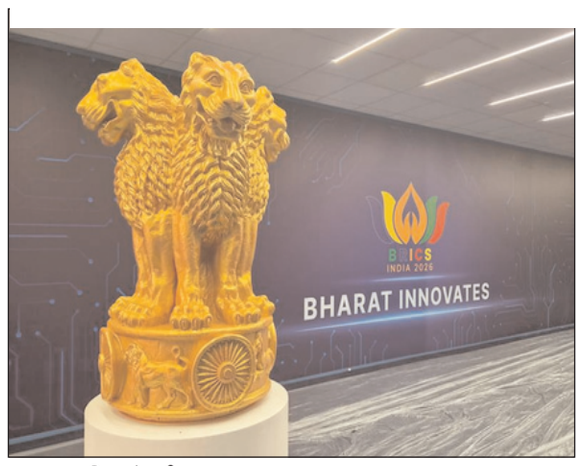

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय 'ब्रिक्स भारत इनोवेट्स (बीबीआई) एक्सपो' की शुरुआत हुई। इस प्रदर्शनी में भारत की डीप-टेक नवाचार क्षमता और उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े स्टार्टअप्स का वैश्विक प्रदर्शन किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय के समन्वय से इस एक्सपो का आयोजन किया है। इसका उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र से विकसित नवाचारों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराना और स्टार्टअप्स, उच्च शिक्षा संस्थानों, शोध प्रयोगशालाओं व रिसर्च पार्कों को दुनिया भर के उद्योग जगत, निवेशकों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सरकारों और प्रवासी भारतीय नेटवर्क से जोड़ना है। ब्रिक्स भारत इनोवेट्स एक्सपो 2026 इस वर्ष भारत की दूसरी बड़ी डीप-टेक प्रदर्शनी है। इससे पहले जून 2026 में फ्रांस के नीस शहर में पहली बार भारत इनोवेट्स का आयोजन किया गया था। उस कार्यक्रम में शामिल 120 स्टार्टअप्स में से चुनी गई 37 डीप-टेक स्टार्टअप्स इस बार ब्रिक्स मंच पर अपनी तकनीक और नवाचारों का प्रदर्शन कर रही हैं।

यह प्रदर्शनी भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 की थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' के अनुरूप आयोजित की जा रही है।

बीबीआई एक्सपो का आयोजन शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम के साथ किया गया है, जिससे भारतीय स्टार्टअप्स को ब्रिक्स देशों के सीईओ, निवेशकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और कारोबारियों के साथ सीधे संवाद और नेटवर्किंग का अवसर मिलेगा। इसके माध्यम से बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) साझेदारी, प्रौद्योगिकी सहयोग, निवेश वार्ता और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

यह एक्सपो भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत शिक्षा क्षेत्र की प्राथमिकताओं में शामिल 'रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने' के लक्ष्य को भी आगे बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी और ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं के इस प्रदर्शनी का दौरा करने की संभावना है। इसके अलावा ब्रिक्स सदस्य देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि, निवेशक, उद्योगपति और कारोबारी नेता भी एक्सपो में शामिल होंगे।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस मंच से भारतीय स्टार्टअप्स को ब्रिक्स देशों के निवेशकों और उद्योग जगत तक सीधी पहुंच, राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों के स्तर पर दृश्यता, एफआईसीसीआई, सीआईआई और एसोचैम के सहयोग से बी2बी बैठकों और संरचित मैचमेकिंग, तथा वैश्विक स्तर पर ब्रांड और कूटनीतिक विश्वसनीयता हासिल करने का अवसर मिलेगा।

एआई युग की तैयारी में गुजरात, नई डेटा सेंटर नीति से 17 लाख करोड़ निवेश की उम्मीद

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। गुजरात ने अपनी नई डेटा सेंटर नीति के तहत 7.5 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह देश की मौजूदा 1.5 गीगावाट क्षमता से लगभग पांच गुना अधिक है। यह जानकारी राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने शुक्रवार को विधानसभा में दी।

उन्होंने बताया कि नई नीति का उद्देश्य गुजरात को देश का प्रमुख डेटा सेंटर हब बनाना है और इसके माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

मोढवाडिया ने 'विकसित गुजरात-डाटा सेंटर पॉलिसी 2026-2029' के तहत मिलने वाले प्रोत्साहन और फायदों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि राज्य डाटा स्टोरेज और कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके उभरते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम में अहम भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, 'आज के दौर में डाटा सेंटर तेल के कुओं की तरह हैं और गुजरात इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।'

मोढवाडिया ने बताया कि अभी दुनियाभर में 122 गीगावाट क्षमता वाले डाटा सेंटर काम कर रहे हैं। अमेरिका में 4,423 डाटा सेंटर हैं जिनकी कुल क्षमता 53 गीगावाट है, जो दुनिया की कुल क्षमता का 44 प्रतिशत है।

यूनाइटेड किंगडम में 2.5 गीगावाट क्षमता वाले 555 डाटा सेंटर हैं, जबकि चीन में 31 गीगावाट क्षमता वाले 369 डाटा सेंटर हैं, जो दुनिया की कुल क्षमता का 26 प्रतिशत है। यूरोप की क्षमता 11.9 गीगावाट है, जबकि जापान और दक्षिण कोरिया की कुल क्षमता 6.6 गीगावाट है।

जर्मनी में 523 डाटा सेंटर हैं। उन्होंने कहा, 'भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डाटा बनाता है, लेकिन अभी इसका केवल 2 से 2.5 प्रतिशत ही स्टोर करता है। दुनिया की कुल डाटा-सेंटर क्षमता में भारत का हिस्सा लगभग 2 प्रतिशत है। अमेरिका की 53 जीडब्ल्यू क्षमता के मुकाबले भारत की क्षमता 1.5 जीडब्ल्यू है। उन्होंने कहा कि गुजरात की नई पॉलिसी का मकसद बड़े पैमाने पर निवेश को बढ़ावा देकर इस अंतर को कम करना है। राज्य को पहले ही 17 पार्टियों से 19 प्रोजेक्ट्स के लिए लगभग 17 जीडब्ल्यू की क्षमता के लिए दिलचस्पी दिखाने वाले प्रस्ताव (ईओआई) मिल चुके हैं। मोढवाडिया ने कहा, 'हमने 7.5 जीडब्ल्यू क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। भारत की मौजूदा क्षमता 1.5 जीडब्ल्यू है, जबकि अकेले गुजरात ने ही 7.5 जीडब्ल्यू का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना इस पॉलिसी के तहत खास प्रोत्साहन देने की है और शुरुआत में एक ही चरण में 7.5 गीगावाट क्षमता वाले प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देने का इरादा है, जिसके बाद जरूरत और उपलब्ध क्षमता के आधार पर आगे के फैसले किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर सभी आवेदन असल में प्रोजेक्ट्स में बदल जाते हैं, तो प्रस्तावित निवेश 17 लाख करोड़ रुपए से ज?यादा हो सकता है। आवेदकों में देश और विदेश, दोनों तरह की कंपनियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने गिफ्ट सिटी में इकोसिस्टम को बढ़ाने का काम शुरू कर दिया है और लगभग छह महीने पहले, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में योटा टेक्नोलॉजी और शारजाह सरकार के साथ मिलकर एक डाटा सेंटर बनाने की योजना बनाई गई थी।

स्किन टीबी के मरीजों में बढ़ा डीआर-टीबी का खतरा

विश्व केसरी ■

लखनऊ। क्षय रोग (टीबी) केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं है। टीबी का जीवाणु शरीर के अन्य अंगों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है, जिसमें स्किन (त्वचा) भी शामिल है।

चिकित्सा जगत में इसे एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। मतलब ऐसी टीबी जो फेफड़ों के अलावा शरीर के किसी और हिस्से में अपनी जड़ें जमा लेती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्किन टीबी से पीड़ित मरीजों में दवा-प्रतिरोधी (डीआर) टीबी का जोखिम बढ़ रहा है। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में हुए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है।

यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (आईडीजीवीएल) में प्रकाशित हुआ है। 54 मरीजों पर हुआ अध्ययन केजीएमयू के त्वचा रोग विभाग के वर्ष 2019 से 2022 के बीच हुए अध्ययन में स्किन टीबी के 54 मरीजों को शामिल किया गया। इनकी उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच थी। इनमें सात मरीजों में दवा-प्रतिरोधी टीबी पाई गई। सभी मरीज एचआईवी निगेटिव थे। शोध में पाया गया कि छह मरीजों पर टीबी की सबसे असरदार दवा का असर नहीं हो रहा था। ऐसे में इन्हें बहु दवा-प्रतिरोधी (एमडीआर) टीबी की दवाएं दी गईं। वहीं एक मरीज पर एक और मुख्य टीबी-रोधी दवा असर नहीं कर रही थी। उसका इलाज तय मानक के तहत किया गया। राहत की बात यह रही कि इलाज शुरू होने के लगभग एक महीने के भीतर ही मरीजों की हालत में सुधार होने लगा। इलाज पूरा करने वाले मरीजों में त्वचा के घाव पूरी तरह ठीक हो गए।

सात मरीजों में चार तरह की स्किन टीबी शोध में सामने आया कि इन सात मरीजों में तीन को ल्यूपस वल्गैरिस (त्वचा पर लाल-भूरे रंग के चकत्ते और घाव), दो को स्क्रोफूलोडरमा (गांठों से मवाद रिसना), एक को ट्यूबरकुलर एब्सेस (त्वचा के नीचे मवाद भरी गांठ) और एक मरीज को ट्यूबरकुलर चैंक्र (त्वचा पर छाले जैसा घाव) थे।

शोध में अहम चुनौती यह रही कि स्किन टीबी में बैक्टीरिया की संख्या सामान्यत: बहुत कम होती है। जिससे मरीजों की कल्चर जांच से टीबी के जीवाणु की पहचान और दवा-प्रतिरोध का पता लगाना मुश्किल होता है। ऐसे में आधुनिक मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टेस्ट बेहतर नतीजे देते हैं। स्किन टीबी की पुष्टि के लिए जरूरी जांचें केजीएमयू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के संस्थापक प्रभारी प्रो. सूर्यकांत के मुताबिक, स्किन टीबी को केवल त्वचा तक सीमित बीमारी मानकर दवा-प्रतिरोध की संभावना को नजरअंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत में 80 लाख से ज्यादा एचपीवी टीकाकरण हुए पूरे : स्वास्थ्य मंत्रालय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने हेल्थ सेक्टर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। देश में 80 लाख से ज्यादा एचपीवी टीकाकरण पूरे हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी एक्स पर पोस्ट के जरिए दी है।

मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'भारत ने 80 लाख एचपीवी टीकाकरण का आंकड़ा पार कर लिया है, जो प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को मजबूत करने और एचपीवी संक्रमण और इससे जुड़े कैंसर से सुरक्षा को आगे बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हर टीकाकरण के साथ, भारत अपनी बेटियों के लिए एक स्वस्थ, कैंसर-मुक्त भविष्य की ओर एक और कदम बढ़ा रहा है।'

एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन एक सुरक्षित और बेहद असरदार टीका है। यह उन संक्रमणों को रोकता है जो सर्वाइकल कैंसर, एनल और गले के कैंसर के साथ-साथ जननांग में मस्से का कारण बनते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह वैक्सीन हाई-रिस्क एचपीवी स्ट्रेन से बचाती है, जो 90 प्रतिशत तक सर्वाइकल कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह लंबे समय तक सुरक्षा देती है और कैंसर से पहले होने वाले सेल बदलावों को रोकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैक्सीन सबसे ज्यादा असरदार 9 से 14 साल की उम्र के लिए यह सबसे अच्छी मानी जाती है। इस उम्र में आमतौर पर 2 डोज की जरूरत होती है। भारत के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत सिंगल-डोज अप्रोच भी अपनाई जा रही है।

वहीं, 15 से 26 साल और कुछ वयस्कों के लिए 45 साल तक के लोगों को कैच-अप के तौर पर 3 डोज दी जाती है, जो छह महीने के अंदर पूरी की जाती है। बड़ी उम्र के टीनएजर्स और वयस्कों को भी इसका फायदा मिलता है, हालांकि सबसे अच्छा असर वायरस के संपर्क में आने से पहले होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्लोबल स्तर पर व्यापक निगरानी से यह साबित हुआ है कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है।

तनाव और अनिद्रा से हैं परेशान; रोज 10 मिनट करें शवासन, मिलेगा गहरा सुकून

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काम का प्रेशर और घंटों मोबाइल-लैपटॉप में व्यस्त रहने से शरीर और मन दोनों ही थक जाता है। ऐसे में योग एक अद्भुत और असरदार आसन है 'शवासन'। यह सिर्फ शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है।

यह एक विश्राम की मुद्रा है, जिसमें शरीर को बिल्कुल ढीला छोड़ दिया जाता है। 'शव' यानी मृत शरीर के समान लेटना।

देखने में यह सबसे आसान मुद्रा लगती है, लेकिन असल में यह सबसे कठिन आसनों में से एक माना जाता है क्योंकि इस आसन को करने के दौरान शरीर को पूरी तरह ढ़ीला छोड़कर मन को शांत करना आसान नहीं है। शवासन सिर्फ आराम करने का तरीका नहीं है बल्कि यह शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने शवासन के लाभ के बारे में बताया है। उनके अनुसार, यह आसन तनाव और चिंता को करने में मदद करता है। नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है और अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। साथ ही, यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। शवासन मस्तिष्क को शांत कर एकाग्रता बढ़ाता है। इसके नियमित अभ्यास से मांसपेशियों में तनाव कम होता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है।

सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत का आधार है आयुर्वेद आहार, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में लोग अपने खान-पान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। क्या खाना चाहिए, किस तरह का भोजन हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए और पारंपरिक खान-पान को किस नजरिए से देखा जाए, इन सवालों पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद आहार यानी ऐसा आहार, जिसकी अवधारणा आयुर्वेद के सिद्धांतों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी है। इसे समझने के लिए केवल भोजन पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ हमारी परंपरा और भोजन से जुड़े तय मानकों को भी समझना जरूरी है।

आयुर्वेद आहार के लिए एक निर्धारित नियामक व्यवस्था भी मौजूद है। खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 के तहत आयुर्वेद आहार के लिए एक नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें श्रेणी ए की व्यवस्था भी शामिल है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद आहार के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक व्यवस्थित और जिम्मेदार ढांचे में लाना है।

आयुर्वेद आहार को आसान भाषा में समझने के लिए तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं- आहार, परंपरा और मानक। पहला है आहार। इसका सीधा मतलब है कि हम क्या खाते और पीते हैं। हमारे रोजमर्रा के भोजन में शामिल सभी चीजें हमारी आहार व्यवस्था का हिस्सा हैं। आयुर्वेद में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि खान-पान और जीवनशैली को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

दूसरा है परंपरा। भारत में भोजन से जुड़ा ज्ञान और तरीके सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते रहे हैं। अलग-अलग इलाकों में मौसम, स्थानीय उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर भोजन तैयार करने और खाने के अलग-अलग तरीके देखने को मिलते हैं। यही पीढ़ियों से चला आ रहा ज्ञान आयुर्वेद आहार को समझने में अहम भूमिका निभाता है।

तीसरा है मानक। किसी भी खाद्य पदार्थ के उत्पादन और उसके बारे में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए स्पष्ट नियम और जिम्मेदार व्यवस्था जरूरी होती है। मानक इसी व्यवस्था का आधार हैं। ये भोजन के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक तय ढांचे के भीतर रखने में मदद करते हैं।

ब्रेक ने मेरी गेंदबाजी को प्रभावित किया, मोहम्मद सिराज का बयान

विश्व केसरी ■

चेन्नई। दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन और तिलक वर्मा की कप्तानी वाली साउथ जोन के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। ईस्ट जोन विजेता रही। साउथ जोन की तरफ से खेल रहे भारतीय टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस मुकाबले में प्रभावी नहीं रहे। मोहम्मद सिराज ने मैच में कुल 41ओवर गेंदबाजी की और महज 1 विकेट ले पाए। इस दौरान उन्होंने 187 रन लुटाए। सिराज के गेंदों की गति भी 125-130 किलोमीटर/घंटा के बीच रही। भारतीय टेस्ट टीम के नियमित और प्रभावी तेज गेंदबाज सिराज का यह प्रदर्शन निराशाजनक और क्रिकेट विश्लेषकों और फैंस के लिए चौंकाने वाला था।

सिराज का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले उनको मिले 2 महीने के ब्रेक ने उनकी गेंदबाजी को प्रभावित किया है। इसी वजह से श्रीलंका सीरीज के दौरान गाले और कोलंबो में हुए टेस्ट मैचों में उनकी गेंदबाजी की गति भी कम रही।

दलीप ट्रॉफी फाइनल की समाप्ति के बाद सिराज ने कहा, 'मैं पूरी तरह से एक रिदम गेंदबाज हूं। अगर मैं अपने रंग में नहीं हूं, तो मैं क्रीज से तेजी से नहीं निकल सकता। श्रीलंका में यही मुश्किल थी - मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ स्ट्राइड बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे, और इससे मेरा फ्लो टूट गया। इससे मेरी गति पर असर पड़ा।

सिराज ने कहा, 'हर गेंदबाज का शरीर अलग होता है। मेरा शरीर लंबे ब्रेक को अच्छी तरह नहीं झेल पाता। छोटा ब्रेक ठीक है। दस साल के करियर में, मैंने कभी पूरे दो महीने की छुट्टी नहीं ली थी। मैं जिम में वर्कआउट कर रहा था और कभी-कभी गेंदबाजी भी कर रहा था, लेकिन कितना भी अभ्यास कर लो, मैच वाली स्थिति नहीं बनती। यह एक नया अनुभव था। यह मेरे आगे के करियर के लिए बेहद अहम था। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा, 'हम सीधे श्रीलंका से आए थे, जहां हमने दूसरे टेस्ट में साढ़े तीन दिन फील्डिंग की, और एक सप्ताह के अंदर, हम यहां चेन्नई की चिलचिलाती गर्मी में खेल रहे थे। यह पैशन पर निर्भर है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं, तो आप बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए पूरी कोशिश करनी होती है। मुझे विकेट नहीं मिला, लेकिन यह अनुभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम आएगा।

सिराज की गेंदबाजी पहली पारी की तुलना में दूसरी पारी में बेहतर रही। उन्होंने कहा, 'पहली पारी में, पिच फ्रेश लग रही थी, इसलिए मैंने बहुत तेज गेंदबाजी करने की कोशिश की। मैं जबरदस्ती कर रहा था, इससे मेरी रिदम बिगड़ गई। दूसरी पारी में, मैंने खुद से कहा कि परिणाम भूल जाओ और बस अच्छी रिदम के साथ मैदान में उतरो। ऐसा करते ही पुराना सिराज वापस आ गया।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

विश्व केसरी■

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया।

शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।

सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया। यह देखना अच्छा था, और उनके शॉट्स को देखकर लगा कि उनकी मानसिकता स्पष्ट नजर आई। उन्हें पता था कि क्या करना है, और ये छोटी-छोटी चीजें उनकी मदद कर रही थीं। दीप्ति ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 2-3 या 4 बॉल खेलने को मिलीं, और मैं बस जल्द से जल्द ऐसी छोटी पारी खेलने का इंतज़ार कर रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरी कुछ गेंदों पर योगदान दे पाई। एक ऑल-राउंडर के तौर पर खेल के अलग-अलग विभाग में योगदान करना अहम है। जब आप तीनों डिपार्टमेंट्स में अपना बेस्ट करने जाते हैं, तो ज़ाहिर है आप एक कदम आगे होते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग। मैच की बात करें तो, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाए थे और बांग्लादेश को 7 विकेट पर 109 रन पर रोककर 40 रन से मैच जीता। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने कमाल दिखाया और 4 ओवर में 26 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

नवांग त्सेरिंग ने जीता लद्दाख मैराथन, 122 किलोमीटर की दूरी रिकॉर्ड समय में पूरा किया

विश्व केसरी ■

लद्दाख। अपनी प्रतिभा को पहचानकर कोई भी अगर उस पर कड़ी मेहनत करता है और निखारने की लगातार कोशिश करता है, तो एक न एक दिन उसे बड़ी सफलता जरूर मिलती है। नवांग त्सेरिंग की कहानी कुछ ऐसी ही है। नवांग ने लद्दाख मैराथन जीतकर रिकॉर्ड बनाया है।

नवांग त्सेरिंग ने लद्दाख मैराथन में 122 किलोमीटर सिल्क रूट अल्ट्रा (एसआरयू) की दूरी को 12 घंटे, 12 मिनट और 18 सेंकड (12:12:18) में पूरा कर रिकॉर्ड बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। त्सेरिंग का यह पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में वह चैंपियन बनकर निकले हैं।

लद्दाख मैराथन जीतने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में नवांग ने कहा, 'मैंने लद्दाख मैराथन सिल्क रुट अल्ट्रा (एसआरयू) में पहली बार हिस्सा लिया था और पहले प्रयास में ही पहला स्थान हासिल किया है। यह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था। मेरी मांसपेशिया काफी सख्त हो गई थीं। प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। इस साल मैंने (12:12:18) रिकॉर्ड बना दिया है। नवांग ने अपनी सफलता का श्रेय

अपने सभी कोचों, सहयोगियों और प्रशासन को दिया।

मैराथन में आने से जुड़े सवाल पर नवांग ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं अपने दोस्तों को देखकर मैराथन में आया हूं। मैं उन लोगों को देखता था। वे दूसरे राज्यों में जाते थे। वही, देखकर मैंने मैराथन में आने का फैसला किया। युवाओं को संदेश देते हुए नवांग ने कहा, 'मैं युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि आप सभी अपनी प्रतिभा को बर्बाद मत कीजिए। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी दौड़ में ही आगे आएं। सभी के पास एक खास प्रतिभा होती है। आप उस प्रतिभा को निखारिए और उसमें आगे बढ़िए।

नवांग की सफलता निश्चित रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभावों के बीच बड़ी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती, वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं।

एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया।

सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है। यह मेरे लक्ष्यों में से एक था। हालांकि, अभी मैं ज्यादा कुछ नहीं कर

सकती। सीजन के बीच में मैंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। एलेना ने बाजी मारी और बहुत अच्छा खेलीं। उन्होंने नंबर वन की पोजिशन हासिल कर ली। मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। पेगुला को 7-5, 6-2 से हराकर सबालेंका ने अपने चौथे यूएस ओपन फाइनल में जगह बनाई। वह न्यूयॉर्क में लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। ओपन एरा में अब तक सिर्फ क्रिस एवर्ट और सेरेना विलियम्स ने ही लगातार कम से कम तीन यूएस ओपन खिताब जीते हैं। दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका अब तीसरी खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सबालेंका ने जोर देकर कहा कि वह अपना फोकस खुद पर रख रही हैं और किसी न किसी स्टेज पर रिबाकिना से वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग वापस लेने की कोशिश करेंगी। मैं सिर्फ़ खुद पर फोकस कर सकती हूं, मौजूदा पल में रह सकती हूं और अभी अपना बेस्ट देने की कोशिश कर सकती हूं। बस मजबूती से खेलती रहूंगी, और शायद मैं उनसे यह रैंकिंग वापस ले लूंगी।

उन्होंने आगे कहा, यह थोड़ा अजीब लगता है कि आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें और फिर भी आपसे नंबर 1 की पोजीशन छिन जाए। कोई बात नहीं। यह खेल है। मुझे यह पसंद है। खेल की यही तो खूबसूरती है। हर कोई एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में रहता है। बात बस छोटी-छोटी चीजों को बेहतर बनाने और उनमें सुधार करने की है।

सबालेंका ने कहा कि वह खिताब के लिए लड़ने और जीत के लिए सब कुछ करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर मुकाबला एलेना से हुआ, तो यह वाकई मुश्किल होगा। वह बहुत जबरदस्त सर्विस करती हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने अपने बेसलाइन गेम में काफी सुधार किया है, इसलिए यह मुकाबला शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होगा। मैंने जैसा कहा कि मैं मुकाबले के लिए तैयार हूं। मैं जीत हासिल करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।

जूनियर पुरुष हॉकी एशिया कप: भारतीय टीम ने बनाई फाइनल में जगह, मलेशिया को 3-1 से दी शिकस्त

विश्व केसरी■

मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर पुरुष टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के फाइनल का टिकट कटा लिया है। शुक्रवार को पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 3-1 से हराया।

कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर अनमोल एक्का ने एक बार फिर टीम की अगुवाई की। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल किए, जिससे टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई और स्कोरिंग चार्ट में उनकी शीर्ष स्थिति और मजबूत हो गई। इसके साथ ही गोलकीपर और 'प्लेयर ऑफ द मैच' विवेक लाकड़ा का प्रदर्शन भी शानदार रहा। उन्होंने कई बेहतरीन बचाव किए, जिसमें एक पेनल्टी स्ट्रोक को रोकना भी शामिल था, जिससे भारत मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखने में सफल रहा।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत, जो लगातार चौथी और कुल छठी बार खिताब जीतने की कोशिश कर रहा है, अब दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और साउथ कोरिया के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। अजीत यादव ने डीप डिफेंस से खेली गई लंबी गेंदों का चतुराई से पीछा करते हुए शुरुआती दो मिनटों में ही 2 बार गोल करने के करीब पहुंचे। भारत को जल्द ही तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन मलेशियाई गोलकीपर अमस्यार मोहम्मद अदीब ने कुछ अच्छे बचाव करते हुए भारत को गोल करने से रोके रखा।

शुरुआती पांच मिनटों में मलेशिया को गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा और वे मुख्य रूप से बचाव करने तक ही सीमित रहे। उनका पहला प्रभावी आक्रामक प्रयास 11वें मिनट में हुआ जब वे भारत के 23-यार्ड क्षेत्र में पहुंचे, लेकिन भारतीय डिफेंस सतर्क रहा और सर्कल में घुसने से पहले ही उन्हें रोक दिया।

12वें मिनट में एक टर्नओवर (गेंद का पाला बदलना) से भारत को लगभग पहला गोल मिल ही गया था, लेकिन वे इस मौके को भुना नहीं पाए। मलेशिया क्वार्टर के आखिरी मिनट में गोल के करीब पहुंचा, लेकिन सर्कल के ऊपरी हिस्से से किए गए प्रयास में न तो ताकत थी और न ही सही दिशा। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ।

यूएस ओपन: राजीव राम ने पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में हार के बाद लिया संन्यास

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। पूर्व डबल्स वर्ल्ड नंबर 1 राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी को छठी सीड वाली जर्मन जोड़ी ने यूएस ओपन 2026 के डबल्स के सेमीफाइनल में हराया। इस हार के साथ ही राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कहा।

2021 से 2023 तक हर साल यूएस ओपन डबल्स का खिताब जीतने वाली राम और सैलिसबरी की जोड़ी को केविन क्राविएट्ज और टिम पुएट्ज से 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली और यूएस ओपन टूर्नामेंट के निदेशक एरिक बुटोरैक ने राजीव राम को उनके बेहतरीन करियर के लिए बधाई दी। बता दें कि टिली, इलिनोइस यूनिवर्सिटी में राम के कॉलेज कोच हैं, जबकि एरिक

उनके पूर्व डबल्स पार्टनर रहे हैं।

राम और उनके लंबे समय के डबल्स पार्टनर सैलिसबरी टूर्नामेंट के इतिहास में अकेले ऐसे जोड़ी हैं जिन्होंने मेन्स डबल्स में तीन बार जीत हासिल की है। इंडियाना के रहने वाले राम ने लगातार 26 बार यूएस ओपन पुरुष डबल्स खेला है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है।

राजीव राम ने सेमीफाइनल के बाद कहा, 'वह इस खेल को अलविदा कहने का इससे बेहतर तरीका सोच भी नहीं सकते थे।'

यूएसओपन.ओआरजी से बात करते हुए राजीव राम ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। मेरा परिवार, मेरी पत्नी और मेरी मां वहां थीं। मेरे कॉलेज के कोच और मेरे पुराने पार्टनर एरिक बुटोरैक वहां थे। मेरे पुराने पार्टनर (जो सैलिसबरी), जिनके साथ मेरी बहुत सारी अच्छी यादें हैं, वह भी मेरे साथ वहां थे। राम ने अपना करियर छह बड़े टाइटल के साथ खत्म किया। इसमें दो मिक्स्ड और चार पुरुष में, और 32 एटीपी डबल्स टाइटल हैं। वह 2023 में नंबर 1 रैंकिंग पर पहुंचे, छह मास्टर्स टाइटल और दो ओलंपिक सिल्वर मेडल जीते। यूएस डेविस कप टीम में अहम योगदान दिया।

यूएस ओपन में राम का दबदबा दिखा। उन्होंने और सैलिसबरी ने लगातार 20 जीत हासिल कीं, जिसमें 2021 से 2023 तक लगातार तीन खिताब शामिल हैं। यह एक ऐसा कारनामा है जो किसी दूसरी पुरुष टीम ने कभी हासिल नहीं किया।

अमित असावा: राजस्थान को अपनी कोचिंग में लगातार दो बार रणजी चैंपियन बनाया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे नाम हैं जिन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत कम मौके मिले। इसकी वजह से उनकी अंदर मौजूद पूर्ण क्षमता का प्रदर्शन नहीं सका। ऐसे खिलाड़ी एक साधारण और गुमनाम क्रिकेटर के रूप में खेल से विदा हो जाते हैं। लेकिन, कुछ ऐसे भी खिलाड़ी होते हैं जो एक क्रिकेटर के तौर मिली असफलता से निराश नहीं होते और कोच के तौर पर बड़ी सफलता प्राप्त करते हैं।

क्रिकेटर के तौर पर असफल लेकिन कोच के तौर पर बड़ी सफलता हासिल करने वाले भारतीय क्रिकेट के प्रमुख नामों में से एक नाम अमित असाव का है।

अमित असावा का जन्म 12 सितंबर 1963 को इंदौर, मध्यप्रदेश में हुआ था। वह बाएं हाथ के

बल्लेबाज थे और दाएं हाथ से ऑफ स्पिन गेंदबाजी किया करते थे।

असावा ने राजस्थान के लिए घरेलू क्रिकेट खेला। 1984 से 1991 के बीच राजस्थान के लिए उन्होंने 26 प्रथम श्रेणी और 1 लिस्ट ए मैच खेले। 42 प्रथम श्रेणी पारियों में अमित ने 1 शतक और 6 अर्धशतक लगाते हुए 1,125 रन बनाए। उनका सर्वाधिक स्कोर 128 रन था। वहीं, 2 विकेट हासिल किए। एकमात्र लिस्ट ए मैच में उन्होंने नाबाद 34 रन की पारी खेली थी।

अमित असावा को एक खिलाड़ी के तौर पर बेशक बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन कोच के तौर पर उन्होंने घरेलू क्रिकेट में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। अमित असावा की कोचिंग में हीं राजस्थान ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। राजस्थान ने असावा की कोचिंग में न सिर्फ पहला रणजी (2010-11) का खिताब जीता, बल्कि अगले साल (2011-12) में इस खिताब का सफलतापूर्वक बचाव भी किया। राजस्थान लगातार दो रणजी खिताब जीतने के बाद फिर से कभी इस खिताब को नहीं जीत सका है।

राजस्थान को अपने निर्देशन में लगातार 2 बार भारतीय घरेलू क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चैंपियन बनाना अमित असावा के नेतृत्व कौशल और रणनीति और क्रिकेट के प्रति गहरे लगाव को दिखाता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415